दैनिक हिन्दी अख़बार

सच बेधड़क

www.sachbedhadak.com | twitter.com/sachbedhadak | facebook.com/sachbedhadak
YouTube: youtube.com/@sachbedhadak | Instagram: instagram.com/sach_bedhadak

वर्ष: 3 । अंक: 250 | जयपुर, सोमवार, 19 अगस्त, 2024 । श्रावण, शुक्ल पक्ष-पूर्णिमा, विसं 2081 | पृष्ठ: 10 | मूल्य: 2.00

जरूरी खबर

एसी-एसटी में क्रीमीलेयर मुद्दे पर 21 को भारत बंद

जयपुर। एससी-एसटी आरक्षण में क्रीमी लेयर के संदर्भ में सुप्रीम कोर्ट की ओर से लिए निर्णय के विरोध में 21 अगस्त को भारत बंद बुलाया गया है। राजस्थान समेत देश के अलग-अलग हिस्सों में एससी-एसटी आरक्षण से जुड़ी समितियों ने इसका समर्थन किया है। अनुसूचित जाति-जनजाति संयुक्त संघर्ष समिति, राजस्थान भी इसे लेकर जयपुर में बुधवार को सद्भावना मार्च निकालेगी। बंद के दौरान प्रदेश में सभी बाजारों को बंद रखने की अपील की गई है। आवश्यक और आपातकालीन सेवा जैसे चिकित्सा, पेयजल, शिक्षण संस्थाएं, सार्वजनिक परिवहन, रेल सेवा, पेट्रोल पंप, विद्युत्, बैंक आदि को बंद से मुक्त रखने का निर्णय लिया गया है। -पेज 3 भी देखें

40 लाख की नशीली दवाइयों के साथ दो गिरफ्तार

जयपुर। यहां डीआरआई ने एनडीपीएस एक्ट के तहत बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया। डीआरआई ने जयपुर में नशीली दवाइयों के बड़े कारोबार को उजागर किया। वहीं, इस दौरान नारकोटिक्स मामले में 40 लाख रुपए मूल्य की 10 हजार दवाइयां जब्त की और दो लोगों को गिरफ्तार भी किया है। डीआरआई ने खुफिया इनपुट के आधार पर टोंक फाटक के पास आवासीय परिसर में नशे के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए मौके से 40 लाख रुपए कीमत की करीब 10 हजार नशीली दवाइयां जब्त की गई।

सच बेधड़क
दैनिक हिन्दी अख़बार
अख़बार की प्रति प्राप्त करने के लिए
+91 96640 14179
+91 97830 45155
पर सम्पर्क कर अपना पता नोट करवाएं ।

ट्रेनी डॉक्टर रेप और मर्डर केस में नया मोड़: अब मामला पहुंचा शीर्ष अदालत में

सुप्रीम कोर्ट ने लिया संज्ञान, CJI चंद्रचूड़ खुद करेंगे कल सुनवाई

एजेंसी | नई दिल्ली

कई दिनों से देश के डॉक्टर्स में आक्रोश का सबब बने कोलकाता के आरजी मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में एक ट्रेनी डॉक्टर के साथ रेप और मर्डर के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने स्वतः संज्ञान लिया है। शीर्ष अदालत की वेबसाइट पर अपलोड की गई 20 अगस्त की वाद सूची के अनुसार मुख्य न्यायाधीश (CJI) डी वाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पीठ मंगलवार को 'आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल, कोलकाता में एक ट्रेनी डॉक्टर के साथ कथित बलात्कार और हत्या की घटना और संबंधित मुद्दे' शीर्षक वाले मामले की सुनवाई करेगी।

कलकत्ता हाई कोर्ट ने हाल ही में मामले की जांच कोलकाता पुलिस से लेकर सीबीआई को सौंप दी है। सरकारी अस्पताल के सेमिनार हॉल में जूनियर डॉक्टर के साथ रेप-मर्डर के मामले ने व्यापक विरोध प्रदर्शन को जन्म दिया है।

संभवत: इसलिए लिया संज्ञान

सुप्रीम कोर्ट का हस्तक्षेप इस मामले में बढ़ते लोगों के दबाव और राज्य प्राधिकारियों द्वारा गलत तरीके से मामले से निपटने के आरोपों के मद्देनजर आया है। सीबीआई द्वारा पहले से ही जांच के अधीन इस मामले ने भारत में चिकित्सा पेशेवरों, विशेष रूप से महिलाओं की सुरक्षा के बारे में गंभीर चिंताएं पैदा कर दी हैं। देशभर में विरोध-प्रदर्शन हो रहे हैं और पीड़ित महिला को न्याय दिलवाए जाने की मांग की जा रही है।

हाई कोर्ट ने सौंपी थी सीबीआई को मामले की जांच

रेप और मर्डर केस को सीबीआई को सौंपते हुए हाई कोर्ट ने पाया कि आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल के तत्कालीन प्रिंसिपल डॉ. संदीप घोष से इस मामले के संबंध में सबसे पहले पूछताछ की जानी चाहिए थी। हाईकोर्ट ने राज्य सरकार से जांच पर स्टेटस रिपोर्ट पेश करने को भी कहा था। कोर्ट ने पूर्व प्रिंसिपल का बयान दर्ज करने में देरी पर भी सवाल उठाया और पूछा कि प्रदर्शनकारी डॉक्टरों की चिंताओं को दूर करने के लिए राज्य सरकार क्या कर रही है। वहीं, अस्पताल में हुई तोड़फोड़ पर भी कोर्ट ने नाराजगी जताई थी। हाई कोर्ट ने कहा था कि चिकित्सा सुविधा की तोड़फोड़ राज्य मशीनरी की पूर्ण विफलता थी। कोर्ट ने कहा था कि वह अस्पताल को बंद कर देगा और सभी को वहां से हटा देगा।

पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट से आरोपों की पुष्टि

आरजी कर मेडिकल कॉलेज में पीड़िता ट्रेनी डॉक्टर के पद पर तैनात थी। उस पर अस्पताल के सेमिनार हॉल में बेरहमी से हमला किया गया और रेप के बाद उसकी हत्या कर दी गई। पीड़ित के परिवार और प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि अपराध एक गैंगरेप था और वे सभी दोषियों को न्याय के कटघरे में लाने के लिए गहन जांच की मांग कर रहे हैं। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट से पुष्टि हुई है कि पीड़िता की मौत से पहले उसका यौन उत्पीड़न किया गया था।

जयपुर के अस्पतालों में मेल से मचा हड़कंप...

राज्य के 100 हॉस्पिटल बम से उड़ाने की धमकी!

मेल में लिखा- अस्पताल में सभी मारे जाएंगे, पहले की तरह इस बार भी झूठा निकला मामला

बेधड़क | जयपुर

राजस्थान की राजधानी जयपुर स्थित कई अस्पतालों को बम से उड़ाने की धमकी भरे ईमेल से हड़कंप मच गया। सूचना मिलते ही मौके पर पुलिस पहुंच गई और बम निरोधक दस्ते की टीम को भी बुला लिया गया है। हालांकि, तलाशी के दौरान कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है और यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि आखिर किसने और क्यों अस्पतालों को बम से उड़ाने की धमकी दी?

जयपुर के करीब 10 अस्पतालों को बम से उड़ाने की धमकी दी गई थी। अस्पतालों को रविवार को एक ईमेल मिला था, जिसमें कहा गया कि बेड और बाथरूम में बम रखा गया है। इस धमकी भरे ईमेल की जानकारी अस्पतालों के कर्मचारियों को लगी तो हड़कंप मच गया। जिसके बाद आनन-फानन में संबंधित अस्पतालों की तलाशी ली गई। हालांकि, इस दौरान कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला।

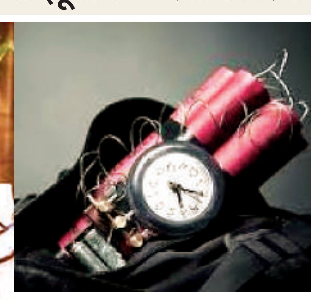

दोपहर तक हॉस्पिटल्स में सर्च ऑपरेशन

जयपुर के मोनिलेक और सीके बिरला समेत राजस्थान के 100 से ज्यादा हॉस्पिटल को बम से उड़ाने की धमकी अफवाह निकली। सुबह साढ़े आठ से दोपहर डेढ़ बजे तक पुलिस की टीमों ने संबंधित हॉस्पिटल में सर्च ऑपरेशन चलाया। कोई भी संदिग्ध चीज नहीं मिली। इसके बाद प्रशासन ने राहत की सांस ली। इससे पहले भी कई बार मेल करके बम से उड़ाने की धमकी दी जा चुकी है। हर बार पूरा मामला झूठा साबित होता है। दरअसल, रविवार सुबह करीब साढ़े आठ बजे आए मेल ने हॉस्पिटल प्रबंधन के होश उड़ा दिए थे। मेल में लिखा था- हॉस्पिटल के बेड के नीचे और बाथरूम के अंदर बम है। हॉस्पिटल में मौजूद सभी लोग मारे जाएंगे। हर तरफ खून ही खून होगा। तुम सभी लोग मौत के ही लायक हो। मेल करने वाले ने खुद की पहचान 'लखा आतंकवादी चिंग और कल्टिस्ट' के रूप में उजागर किया है।

दर्जनभर अस्पतालों में मची खलबली

जयपुर के दर्जनभर से ज्यादा हॉस्पिटल को इस तरह की धमकी मिली थी, जिस पर उनमें खलबली मच गई। सूचना मिलने के बाद पुलिस पहुंच गई और सर्च शुरू किया। एडिशनल पुलिस कमिश्नर लॉ एंड ऑर्डर कुंवर राष्ट्रदीप ने बताया कि हॉस्पिटल्स से अभी जानकारी मिली। इसके बाद में एटीएस और बम निरोधक दस्ता के अधिकारियों को भेजा गया। दोनों ही अस्पतालों में सर्च चल रहा है। अभी तक किसी भी प्रकार की कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली है। मेल करने वाले का आईपी एड्रेस सर्च किया जा चुका है।

तीन महीने पहले स्कूलों को मेल कर दी गई थी धमकी

तीन महीने पहले जयपुर सहित तमाम शहरों के स्कूलों को मेल कर बम से उड़ाने की धमकी दी गई थी। पुलिस ने तमाम स्कूलों की जांच की थी। कहीं से भी किसी संदिग्ध वस्तु के मिलने की सूचना नहीं मिली थी। इस घटना से ठीक एक दिन पहले जयपुर सहित देश के 12 एयरपोर्ट को भी बम से उड़ाने की धमकी दी गई थी। पिछले कुछ महीने में मेल कर धमकी देने की लगातार घटनाएं सामने आ रही हैं।

मोनिलेक में मिली थी पहली धमकी

सबसे पहले सुबह करीब 8.30 बजे मोनिलेक हॉस्पिटल से पुलिस को मेल के बारे में सूचना मिली। करीब 8.45 बजे पुलिस की टीम मोनिलेक हॉस्पिटल पहुंच गई। एटीएस, इमरजेंसी रिस्पांस टीम (ईआरटी) और बम निरोधक दस्ता ने सर्च अभियान शुरू किया है। इसे दौरान 9 बजे सीके बिरला से भी सूचना मिली। इसके बाद मोनिलेक हॉस्पिटल से करीब 10.30 बजे ईआरटी टीम सीके बिरला हॉस्पिटल पहुंची। यहां भी सर्च चल रहा है।

उधर, अमृतसर एयरपोर्ट को उड़ाने की धमकी देने वाला दबोचा

अमृतसर। दो दिन पहले पंजाब के अमृतसर में मौजूद श्री गुरु रामदास अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे को बम से उड़ाने की धमकी मिली थी। इस क्रम में पंजाब पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी का नाम गुरदेव सिंह है। पुलिस ने उसे फिरोजपुर से गिरफ्तार किया है। इसके साथ ही आरोपी के दो साथियों की तलाश में पुलिस जुटी है। इसके लिए जगह-जगह छापेमारी की जा रही है। उसने एक करोड़ रुपए की मांग की थी।

देहदानी परिवार सम्मान एवं आभार समारोह

कुछ लोगों का राजनीतिक स्वार्थ राष्ट्रहित से ऊपर: धनखड़

- उपराष्ट्रपति बोले... बड़े पदों पर बैठे लोग ऐसा प्रकट करते हैं कि देश में कुछ भी हो सकता है

बेधड़क | जयपुर

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कहा कि आज अंगदान समाज की आवश्यकता है। अंगदान मन से और स्वेच्छा से होना चाहिए। पैसों के लिए अंगदान नहीं होना चाहिए। आज मेडिकल का सेवा की बजाय व्यवसाय बन गया है। कुछ लोगों ने ऑर्गन ट्रांसप्लांट को पैसे कमाने का जरिया बना लिया है। डॉक्टर धरती पर भगवान का रूप होते हैं। कुछ लोगों की वजह से पूरा प्रोफेशन बदनाम होता है। ऐसे लोगों को हमें एक्सपोज करना चाहिए। हमारे यहां कई तरह का दान होता है। जो गुप्त होता है। अंगदान ऐसा दान है, जिसका ज्यादा से ज्यादा प्रचार-प्रसार करना चाहिए। लोग इसके लिए आगे आएं।

रविवार को उपराष्ट्रपति जयपुर के बिड़ला ऑडिटोरियम में देहदानी परिवार सम्मान एवं आभार समारोह में बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए। जैन सोशल ग्रुप सेंट्रल संस्थान की ओर से आयोजित इस कार्यक्रम में उपराष्ट्रपति ने कहा कि राजनीति में प्रजातंत्र की अपनी खूबी है। अलग-अलग विचार रखना प्रजातंत्र के गुलदस्ते की महक है। यह तब तक है, जब तक राष्ट्रहित को तिलांजलि नहीं दे दी जाए। भारतीयता हमारी पहचान है। राष्ट्र हमारे लिए सर्वोपरि है, जिनके लिए राष्ट्र सर्वोपरि नहीं है। जो राजनीतिक हित और व्यक्तिगत स्वार्थ को ऊपर रखते हैं, उनको हमें समझना चाहिए। हमारा संकल्प होना चाहिए कि हम किसी भी हाल में राष्ट्रीयता को तिलांजलि नहीं देंगे। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ की इस बात के राजनीतिक मायने भी निकाले जा रहे हैं। कुछ दिन पहले विपक्षी सांसदों ने उनके खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाने की बात कही थी।

संविधान पर आपातकाल सबसे बड़ा खतरा

उपराष्ट्रपति ने कहा कि आज देश मे तेजी से विकास हो रहा है। वो अकल्पनीय है। साल 1989 में मैं केंद्रीय मंत्री था। हमने कल्पना भी नहीं की थी कि देश में इस तेजी के साथ विकास होगा। इसलिए मैं आज की पीढ़ी से आह्वान करता हूं कि उन्हें यह देखना चाहिए कि देश में संविधान पर खतरा कब आया था।

ये रहे मौजूद: कार्यक्रम में विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी, उपमुख्यमंत्री प्रेमचंद बैरवा, नगर निगम ग्रेटर की मेयर सौम्या गुर्जर सहित संस्थान के कई पदाधिकारी मौजूद रहे।

SMS सहित कई अस्पतालों में ओपीडी-आईपीडी सर्विस बंद

बेधड़क | जयपुर

कोलकाता में महिला डॉक्टर से रेप-मर्डर के विरोध में रविवार को राजस्थान के सभी सरकारी अस्पतालों में रेजिडेंट डॉक्टरों ने प्रदर्शन किया। जयपुर में 250, बीकानेर में 500, जोधपुर में 500, अजमेर में 648 और कोटा में 300 से ज्यादा रेजिडेंट ने काम बंद रखा। जयपुर के साथ अजमेर, बीकानेर, जोधपुर और उदयपुर में भी कार्य बहिष्कार किया गया। जार्ड के आह्वान पर सवाई मानसिंह हॉस्पिटल (एसएमएस), जयपुरिया हॉस्पिटल, बनीपार्क स्थित डेंटल कॉलेज हॉस्पिटल समेत तमाम हॉस्पिटलों में ओपीडी का बहिष्कार करते हुए डॉक्टर्स ने नारेबाजी कर प्रदर्शन किया। सभी सुबह एसएमएस धन्वंतरी ओपीडी में एकजुट हुए। यहां मैन पोर्च में आकर धरना देते हुए विरोध प्रदर्शन किया और कोलकाता पीड़ित डॉक्टर को न्याय दिलाने की मांग की।

मुख्यमंत्री की सीकर यात्रा

पेपर लीक प्रकरणों में किसी दोषी को नहीं बख्शा जाएगा: सीएम शर्मा

- एसआईटी गठित, अब तक किए जा चुके हैं 157 लोग गिरफ्तार
- प्रदेश के प्रत्येक युवा को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देना हमारी प्राथमिकता
- शेखावाटी अंचल को जल्द मिलेगा यमुना का जल

बेधड़क | सीकर/जयपुर

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि जीवन को सही दिशा देने में शिक्षक की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। वे न केवल विद्यार्थियों को शिक्षा का महत्व बताते हैं, बल्कि उन्हें जीवन की हर परिस्थिति का सामना कर सफल बनने के लिए मार्गदर्शित भी करते हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार इसी गुरु-शिष्य परंपरा को सुदृढ़ करने की दिशा में निरंतर कार्य कर रही है तथा प्रदेश के प्रत्येक युवा को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ रोजगार के अवसर उपलब्ध कराना हमारी प्राथमिकता है। शर्मा रविवार को सीकर के एक संस्थान में पंडित श्री हरिनाथ चतुर्वेदी और संत शिरोमणि श्री मकड़ीनाथ महाराज के मूर्ति अनावरण समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि पेपर लीक प्रकरणों से युवाओं के सपनों पर कुठाराघात हुआ था। राज्य सरकार द्वारा इस पर त्वरित कार्रवाई करते हुए एसआईटी का गठन कर अब तक 157 लोगों को गिरफ्तार भी किया जा चुका है। उन्होंने युवाओं को आश्वस्त किया कि युवाओं के साथ धोखा करने वाले किसी भी अपराधी को नहीं बख्शा जाएगा।

बिजली-पानी आपूर्ति के अहम निर्णय

मुख्यमंत्री ने कहा कि युवाओं को रोजगार के पर्याप्त अवसर उपलब्ध करवाना हमारी प्राथमिकता है। वहीं, उद्योग पर्यटन, कृषि सहित विभिन्न क्षेत्रों के विकास के लिए पानी की आवश्यकता होती है। इसको ध्यान में रखते हुए हमारी सरकार बिजली एवं पानी की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए लगातार निर्णय ले रही है। ईआरसीपी, देवास परियोजना, इंदिरा गांधी नहर एवं यमुना जल समझौता जैसे अहम कदमों से राज्य में जलापूर्ति सुनिश्चित हो सकेगी।

2014 के बाद अभूतपूर्व बदलाव

शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में 2014 के बाद देश में अभूतपूर्व बदलाव आए हैं। प्रधानमंत्री द्वारा गरीब कल्याण, सीमा सुरक्षा तथा आर्थिक सशक्तिकरण के विभिन्न निर्णय लिए गए हैं, जिससे विदेशों में भारत का सम्मान बढ़ा है। प्रधानमंत्री मोदी ने सामाजिक सरोकारों को बढ़ावा देते हुए आमजन में स्वच्छता के प्रति जागरूकता लाने के लिए 'स्वच्छ भारत अभियान', महिला लिंगानुपात में सुधार लाने के लिए 'बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ' अभियान तथा पर्यावरण संरक्षण के लिए 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान प्रारंभ किया। उन्होंने कहा कि 'विकसित भारत-विकसित राजस्थान' की संकल्पना को साकार रूप देने के लिए हमारी सरकार तेजी से कार्य कर रही है।

ये रहे मौजूद: इस अवसर पर राज्यसभा सांसद घनश्याम तिवाड़ी, नगरीय विकास राज्यमंत्री झाबर सिंह खर्रा, सैनिक कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष प्रेम सिंह बाजोर, विधायक सुभाष मील, गोवर्धन वर्मा सहित कई जनप्रतिनिधि, वरिष्ठ अधिकारीगण एवं बड़ी संख्या में आमजन शामिल हुए।

मुख्य सचिव ने सालासर बालाजी मंदिर में दर्शन कर प्रदेश की खुशहाली के लिए की कामना

प्रदेश सरकार धार्मिक स्थलों के विकास के लिए प्रतिबद्ध: सुधांशु पंत

बेधड़क | जयपुर

प्रदेश के मुख्य सचिव सुधांश पंत रविवार को सालासर दौरे पर रहे। मुख्य सचिव पंत ने अपनी धर्मपत्नी छवि पंत के साथ सालासर मंदिर में दर्शन कर शीश नवाया और पूजा-अर्चना कर प्रदेश में सुख-समृद्धि खुशहाली की कामना की। श्री हनुमान सेवा समिति के अध्यक्ष यशोदा नंदन पुजारी, भंवरलाल पुजारी सहित पुजारी परिवार ने पूजा-अर्चना करवाई तथा बालाजी की प्रतिमा भेंटकर एवं दुपट्टा ओढ़ाकर मुख्य सचिव का सम्मान किया। इस मौके पर पंत ने कहा कि राज्य सरकार धार्मिक स्थलों के विकास के लिए प्रतिबद्ध है तथा इस दिशा में बेहतर प्रयास किए जा रहे हैं। स्वयं मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा द्वारा राज्य सरकार के बजट में भी इसके लिए विशेष प्रावधान किए गए हैं। इस दौरान जिला कलेक्टर पुष्पा सत्यानी, पुलिस अधीक्षक जय यादव, एडीएम मंगलाराम पूनिया एवं हनुमान सेवा समिति के पदाधिकारी मौजूद रहे।

श्री बालाजी गोशाला की व्यवस्थाओं को सराहा

मुख्य सचिव ने सालासर भ्रमण के दौरान श्री बालाजी गोशाला का अवलोकन किया और वहां की व्यवस्थाओं की मुक्तकंठ से सराहना की। मुख्य सचिव ने इस दौरान तिलकार्चन एवं माल्यार्पण कर गाय की पूजा-अर्चना की और गायों को हरा चारा खिलाया। उन्होंने गोशाला समिति के अध्यक्ष रवि शंकर पुजारी से गोशाला के संचालन के बारे में जानकारी ली तथा सरकार से मिलने वाले अनुदान के बारे में भी पूछा। रविशंकर पुजारी ने बताया कि बालाजी मंदिर श्रद्धालुओं के सहयोग से गोशाला का संचालन किया जा रहा है। मुख्य सचिव ने गोशाला में पशुओं को दिए जा रहे आहार, चिकित्सा व्यवस्था एवं अन्य व्यवस्थाओं की सराहना करते हुए कहा कि गोशाला की व्यवस्थाएं अन्य गौशालाओं के लिए भी प्रेरणादायक है। उन्होंने विजिटर रजिस्टर में अपनी टिप्पणी भी अंकित की और उम्मीद जताई कि भविष्य में इसी प्रकार बेहतर ढंग से गायों की सेवा होती रहेगी। उन्होंने कहा कि गोशाला के संचालन के लिए मॉडर्न तकनीक का उपयोग करते हुए गायों के लिए बेहतर प्रबंधन किया जा रहा है। मुख्य सचिव ने गोशाला परिसर में करंज का पौधा लगाया।

गोचर भूमि में किया पौधरोपण

मुख्य सचिव ने सालासर ग्राम पंचायत की ओर से गोचर भूमि में करवाए जा रहे पौधारोपण का निरीक्षण किया तथा बरगद का पेड़ लगाकर सभी अधिकारियों को अधिक से अधिक पौधे लगाने के लिए कहा। ग्राम विकास अधिकारी राजेश बेरवाल से उन्होंने यहां किए गए पौधारोपण एवं उनके सरवाइवल के बारे पूछा। वीडीओ बेरवाल ने बताया कि पिछले साल यहां 1600 पौधे लगाए गए थे तथा इस वर्ष 1500 पौधे लगाए जा रहे हैं।

जरूरी खबर

CM ने दी निर्मला सीतारमण को जन्मदिन की बधाई

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने रविवार को केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को जन्मदिन की बधाई दी। सोशल मीडिया एक्स पर बधाई संदेश लिखकर मुख्यमंत्री ने उनके जीवन के लिए मंगलकामनाएं की। मुख्यमंत्री ने लिखा कि केंद्रीय वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण को जन्मदिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं। प्रभु श्रीराम से आपके उत्तम स्वास्थ्य एवं सुदीर्घ जीवन की मंगलकामना करता हूं।

वीरांगना बहनों का उनके घर जाकर किया सम्मान

जयपुर। वन एवं पर्यावरण राज्य मंत्री संजय शर्मा ने रक्षाबंधन के पावन पर्व पर अलवर शहर में वीरांगना बहनों को उनके निवास पर जाकर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का संदेश सौंपा तथा श्रीफल आदि भेंटकर शॉल ओढ़ाकर उनका सम्मान किया। मंत्री ने मालवीय नगर निवासी वीरांगना गीता देवी, रणजीत नगर निवासी वीरांगना कांता देवी, कालाकुआं निवासी वीरांगना श्यामवती देवी एवं स्कीम नं. 8 निवासी वीरांगना प्रकाशदेवी के घर पर जाकर उनका सम्मान किया। वन मंत्री ने कहा कि अलवर वीरों की भूमि है तथा इस मिट्टी के सपूत देश की निरंतर सेवा कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि कठिन परिस्थितियों में देश के जवान सीमाओं की रक्षा करते हैं जिसकी वजह से हम देश में महफूज रहते हैं।

वीरांगनाओं ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को बांधी राखी...

1,443 शहीद परिवारों को सरकार ने रक्षा बंधन पर भेजा खास तोहफा

शहीद वीरांगनाओं को किया सम्मानित

बेधड़क | जयपुर

प्रदेश की भजनलाल सरकार ने रक्षाबंधन के मौके पर पहल करते हुए शहीदों की वीरांगनाओं को खास तोहफा भिजवाया है। प्रदेशभर में 1,443 वीरांगनाओं को राखी पर 2100 रुपए के साथ शॉल, श्रीफल और मिठाई भेजकर सम्मान दिया है। सीएम आवास पर शनिवार को वीरांगनाओं ने सीएम भजनलाल शर्मा को रक्षासूत्र भी बांधा।

दरअसल, रक्षाबंधन के अवसर पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शहीदों की वीरांगनाओं को सम्मान देने का निर्णय किया है। इसके तहत प्रदेशभर में 1,443 वीरांगना माताओं-बहनों को सम्मान स्वरूप 2100 रुपए, शॉल, श्रीफल, राखी की मिठाई और संदेश भेजकर सम्मान दिया गया। वीरांगनाओं और शहीद जवानों के परिजनों को मंत्रियों, भाजपा विधायकों और जनप्रतिनिधियों ने घर जाकर सम्मानित किया।

सीएम आवास में हुआ खास कार्यक्रम

इसके साथ ही रक्षाबंधन की पूर्व संध्या पर मुख्यमंत्री निवास पर वीरांगनाओं ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को रक्षासूत्र बांधा। प्रदेश के अलग-अलग हिस्सों से रविवार शाम को वीरांगनाएं जयपुर में मुख्यमंत्री आवास पहुंचीं, जहां सभी वीरांगनाओं से मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने राखी बंधवाई। इसके बाद उन्हें उपहार देकर सम्मानित किया गया।

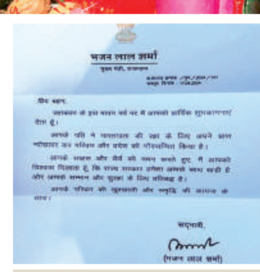

लाडनूं में वीरांगना बहनों का सम्मान

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने डीडवाना कुचामन जिले के लाडनूं में भी वीरांगना बहनों को रक्षाबंधन पर संदेश पत्र भेजा है। कलेक्टर, जनप्रतिनिधि और तहसीलदार मुख्यमंत्री का संदेश पत्र लेकर वीरांगना बहनों के घर पहुंचे। संदेश पत्र देते हुए उन्होंने वीरांगनाओं को शॉल ओढ़ाकर 2100 रुपए का लिफाफा और श्रीफल भेंट किया गया।

रक्षाबंधन पर राज्यपाल की शुभकामनाएं

जयपुर। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने रक्षाबंधन और संस्कृत दिवस पर शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने कहा कि यह पर्व भाई-बहन के प्यार, स्नेह, कर्तव्य और दायित्वबोध का प्रतीक है। संस्कृत दिवस पर शुभकामनाएं देते हुए उन्होंने कहा कि संस्कृत भाषा नहीं है बल्कि हमारे देश की गौरवमयी संस्कृति है। इस भाषा के श्लोक में दर्शन ज्ञान के साथ-साथ विज्ञान का भी अपूर्व भंडार है। बागडे ने संस्कृत भाषा के संरक्षण और इसके प्रसार के लिए कार्य करने का आह्वान किया है।

जयपुर में कार्यशाला कल... प्रदेशाध्यक्ष ने कार्यशाला स्थल का किया निरीक्षण

'राजस्थान में भाजपा बनाएगी एक करोड़ सदस्य'

बेधड़क | जयपुर

भारतीय जनता पार्टी के सदस्यता अभियान को लेकर को प्रदेश स्तरीय कार्यशाला 20 अगस्त को आयोजित की जाएगी। भाजपा सदस्यता अभियान की कार्यशाला को लेकर रविवार को प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ के नेतृत्व में भाजपा कार्यालय में बैठक आयोजित की गई। बैठक के बाद भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़, पूर्व प्रदेशाध्यक्ष एवं सदस्यता अभियान के प्रदेश संयोजक डॉ.अरुण चतुर्वेदी, भाजपा महामंत्री एवं सांसद दामोदर अग्रवाल, भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष नाहर सिंह जोधा एवं सोहनलाल ताम्बी ने कार्यशाला स्थल का निरीक्षण किया। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि भाजपा की सदस्यता अभियान को लेकर प्रदेश स्तरीय कार्यशाला वैशाली नगर स्थित खंडेलवाल गर्ल्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी संस्थान के सभागार में आयोजित की जाएगी।

भाजपा ने सदस्यता अभियान को लेकर पूर्व प्रदेशाध्यक्ष डॉ. अरुण चतुर्वेदी को प्रदेश संयोजक बनाया है। भारतीय जनता पार्टी का प्रत्येक कार्यकर्ता अभियान को लेकर उत्साहित है। सदस्यता अभियान में इस वर्ष 1 करोड़ सदस्य बनाने का लक्ष्य रखा गया है। इसमें भाजपा के प्रत्येक बूथ स्तर से लेकर मंडल स्तर और शक्ति केंद्रों के कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारी दी गई है। भाजपा के 51 हजार बूथ पर 200-200 सदस्य बनाए जाएंगे।

एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत किया पौधरोपण

कार्यशाला स्थल के निरीक्षण के दौरान भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ ने एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत संस्थान परिसर में एक गुलाब का पौधा भी लगाया। इस दौरान भाजपा पदाधिकारियों के साथ दौसा से रोहित शर्मा भी उपस्थित रहे। रोहित शर्मा ने 11 हजार पौधे वितरण का अभियान शुरू किया। इस दौरान प्रदेशाध्यक्ष ने इतने विशाल स्तर पर चलाए जा रहे इस पौध वितरण अभियान की सराहना की और आमजन से एक पेड़ मां के नाम लगाने के अपील भी की। उन्होंने कहा की प्रधानमंत्री की इस मुहिम से सभी को जुड़ कर प्रकृति के लिए अपना योगदान देना चाहिए।

खबरों में बेधड़क खबर

टाइगर की अधीनस्थों पर तानाशाही

जिले की कमान संभाल रहे एक टाइगर की अपने अधीनस्थों पर तानाशाही की चर्चाएं इन दिनों खाकी के गलियारों में जोरों पर है। विक्टर के एक फरमान के बाद टाइगर ने अधीनस्थों पर कार्रवाई के लिए नया तोड़ निकाल लिया है। टाइगर की जिले में यह दूसरी पोस्टिंग है, लेकिन अभी से अधीनस्थों के साथ किए जा रहे दुर्व्यवहार से खाकी में काफी असंतोष है। चर्चा है कि टाइगर के इशारे पर अगर कोई अधीनस्थों उसका मनमाफिक काम नहीं करता है तो कुछ दिन बाद लॉयन और विक्टर तक उन अधीनस्थों पर ऐसे आरोप लगाकर गुमराह किया जा रहा है। इसके बाद अधीनस्थों को लाइन व सस्पेंड होने का दंश झेलना पड़ रहा है। चर्चा है कि हाल ही में दो मामलों में टाइगर ने काफी दिलचस्पी दिखाई, लेकिन अधीनस्थों ने उनके इशारे पर काम नहीं किया तो विभागीय कार्रवाई झेलनी पड़ गई। इससे पहले भी टाइगर से पहली वाली पोस्टिंग में कार्यशैली से लॉयन साहब काफी नाराज थे।

ब्रेवो की जांच पर उठे सवाल

राजधानी के एक चर्चित मामले में आरोपियों के बरी होने के बाद ब्रेवो की जांच पर खाकी में सवाल उठने लगे हैं। बेगुनाहों को आरोपी बनाने में एक्सपर्ट और खुद को तीसमार-खां समझने वाले ब्रेवो द्वारा तैयार की गई फाइलों से अब हकीकत सामने आने लगी है। आरोपी तो बरी हो गए, लेकिन ब्रेवो की रिपोर्ट पर जिन अधीनस्थों को एक बड़े साहब से मिलकर उनको गैलेंट्री पदोन्नति दी गई। उस पर अब लालकोठी वाले भवन में सवाल उठने लगे हैं। चर्चा है कि कुछ मामलों को लेकर लालकोठी वाले भवन में ब्रेवो की एक रिपोर्ट तैयार की जा रही है। जो जल्द ही प्रदेश के मुखिया के पास पहुंचने वाली है। क्योंकि ब्रेवो के कारनामों से हर वाकिब है। ऐसे में एक साल के अतिरिक्त सेवाकाल की उम्मीद लगाए बैठे ब्रेवो की पूरी कुंडली तैयार की जा रही है। एक बड़े मामले में कुछ आरोपियों को बचाने और खुद के लोगों को ही षड्यंत्र में फंसाने की भी काफी चर्चा है।

लॉयन की सीपी की दौड़ में एंट्री

लालकोठी स्थित सात मंजिला भवन में बैठने वाले एक लॉयन साहब की सीपी की दौड़ में अचानक एंट्री हो जाने का मामला चर्चा में है। हालांकि इस दौड़ में तीन एडीजी रैंक के अफसरों का नाम पहले से ही चल रहा है और अपने-अपने स्तर पर पोस्टिंग के लिए जद्दोजहद कर रहे हैं। इनमें से एक अफसर के लिए तो खाकी का एक बड़ा गुट शतरंज के खेल की चौसर भी बिछा चुका है, लेकिन चर्चा है कि तीसरे माले पर बैठने वाले लॉयन बड़े साहब के पसंदीदा अफसरों में से एक है और लॉयन की छवि भी खाकी में बेदाग है। साहब को पहले से राजधानी का काफी अनुभव भी रहा है। ऐसे में लॉयन को अब मजबूत दावेदार माना जा रहा है। लॉयन के नाम की एंट्री के बाद सीपी की दौड़ को लेकर मामला पेचिदा हो गया है। लालकोठी वाले भवन के हर ऑफिस में एक ही चर्चा है कि अब सीपी कौन?।

पीटर की रणनीति फेल

एमआई रोड वाले ऑफिस में बैठने वाले एक पीटर की षड्यंत्रकारी रणनीति को लालकोठी वाले भवन में बैठने वाले एक साहब ने फेल कर दी है। विवादों को साथ लेकर चलने वाले पीटर ने कुछ विशेष महारथियों के साथ मिलकर एक फाइल पर कुछ अफसरों को बदनाम करने की प्लानिंग की थी, लेकिन हकीकत ऊपर तक पहुंची तो पीटर के कारनामों की पोल खुल गई। चर्चा है कि पीटर अब अकेले पड़ गए तो दूरी बनाने में ही उचित समझा। सफेद रंग की कार में रात आठ बजे बाद शहर की सड़कों पर तफरी करने वाले पीटर साहब अब इन दिनों अकेले ही घूम रहे हैं। क्योंकि पीटर की इन दिनों कई शिकायतें ऊपर तक पहुंची है। ऐसे में पीटर की कार्यशैली को लेकर खाकी के बड़े अफसर अलग-अलग मायने निकाल रहे हैं।

- ओमप्रकाश शर्मा, विशेष संवाददाता

भाई-बहन के अनूठे प्यार की कहानी

आज भी जीण माता की राखी जाती है अपने भाई हर्ष भैरव के मंदिर

एनआर मनोहर | बेधड़क

जयपुर। आज रक्षाबंधन का त्योहार है। यह त्योहार भाई-बहन प्रेम का प्रतीक है. इस दिन बहन अपने भाई की कलाई पर राखी बांधती है और भाई अपनी बहन को रक्षा का वचन देता है।

आज हम आपको एक ऐसे मंदिर के बारे में बताएंगे जहां मान्यता है कि अगर भाई-बहन जाकर इस मंदिर में एक साथ पूजा और अर्चना करें तो दोनों भाई बहनों में कभी झगड़ा नहीं होगा और वे हमेशा सुखी रहेंगे। सीकर जिला मुख्यालय से लगभग 30 किमी दूर जीण माता का मंदिर मौजूद है। जीण माता का यह मंदिर पहाड़ी की तलहटी में है। इसके अलावा जीण माता मंदिर से 14 किमी दूर हर्ष पहाड़ की चोटी पर हर्षनाथ का मंदिर है। मान्यता है कि इन दोनों के दर्शन करने पर भाई बहनों के झगड़े दूर हो जाते हैं। रक्षाबंधन और नवरात्रि के समय जीण माता मंदिर में लाखों श्रद्धालु और भाई-बहन आते हैं और मन्नत मांगते हैं।

औरंगजेब भी बन गया था जीण माता का भक्त

स्थानीय निवासी नरेश कुमावत बताते हैं कि औरंगजेब की सेना ने मंदिर तोड़ो नीति के तहत जीण माता मंदिर पर हमला किया था। तब जीण माता ने मधुमक्खियों की सेना को औरंगजेब की सेना से लड़ने के लिए भेजा था। माता रानी की सेना ने औरंगजेब की सेना के हाल बेहाल कर दिए थे। आज भी माता की सेना इस मंदिर में रहती है और मंदिर की रक्षा करती है।

आज भी भाई हर्ष के जाती है बहन की रखी

जीण माता मंदिर मुख्य पुजारी विनय ने बताया कि आज भी बहन जीण माता की राखी भाई हर्ष के भिजवाई जाती है। जीण माता द्वारा भेजी गई राखी हर्ष पर्वत पर मौजूद हर्ष भैरव के हाथ पर बांधी जाती है। मंदिर के पुजारी माता की राखी हर्षनाथ भैरव मंदिर में पहुंचाते हैं। वहां पर भैरव मंदिर के पुजारी उनके यहां राखी बांधते हैं।

यह है मंदिर का इतिहास

इतिहासकार ईश्वर चंद्र राठौर ने बताया कि जीण और हर्ष दो भाई बहन थे। ये दोनों चूरू जिले के घांगू गांव के रहने वाले थे। दोनों भाई बहनों के बीच बहुत है प्रेम था। उनके माता-पिता की मौत बचपन में ही हो गई थी। दोनों में हर्ष बड़ा था और जीण छोटी थी। जीण के पालन पोषण की संपूर्ण जिम्मेदारी हर्ष पर थी, ऐसे में खेलते कूदते दोनों बड़े हुए। बड़े होने पर हर्ष की शादी हो गई। भाई और बहन के बीच प्रेम को देखकर हर्ष की पत्नी बहुत चिढ़ती थी। एक दिन जीण और उनकी भाभी के बीच हर्ष किससे ज्यादा प्रेम करते हैं, इसको लेकर बहस हो गई। इसके बाद दोनों ने शर्त लगाई कि सरोवर से पानी लाने के बाद घर पर हर्ष सबसे पहले जिसका मटका उतारेंगे, वे उसी से सबसे ज्यादा प्रेम करते हैं। इसके बाद जीण की भाभी ने हर्ष को अपनी बातों में बहला फुसला कर पहले ही बता दिया कि जब मैं कल सरोवर से पानी लेकर आऊ तो सबसे पहले आप मेरा मटका उतारना। इसके बाद दूसरे दिन ऐसा ही हुआ। इससे नाराज होकर जीण सीकर जिले के रैवासा गांव की पहाड़ियों में आ गई और यहां आकर तपस्या की, जब इस बात का पता हर्ष को चला तो वे भी उसके पीछे आ गया और जीण के साथ खुद भी तपस्या करने लगा। बताया जाता है कि कई साल तपस्या करने के बाद जीण माता को माता दुर्गा ने दर्शन दिए और उन्हें देवी होने का वरदान दिया और हर्ष को भगवान शंकर ने दर्शन दिए और उन्हें भैरव होने का वरदान दिया था। माता दुर्गा और भगवान शंकर के वरदान के बाद जीण को माता जीण भवानी और हर्ष को हर्षनाथ भैरव के नाम से पूजा जाता है। इस कारण मानता है कि भाई बहन के इस मंदिर में आकर अगर कोई सच्चे मन से पूजा अर्चना करता है तो उनकी अरदास जरूर पूरी होती है।

जरूरी खबर

IRTS गौरव होंगे जयपुर के नए एडिशनल डीआरएम

जयपुर। रेलवे बोर्ड ने राष्ट्रपति की अनुशंसा पर ट्रैफिक, मैकेनिकल और सिविल इंजीनियरिंग के सीनियर एडमिनिस्ट्रेटिव ग्रेड (एसएजी) के 4 अधिकारियों को विभिन्न मंडलों में एडिशनल डीआरएम के पद पर तैनात किया है। रेलवे बोर्ड के निदेशक रविंद्र पांडे ने आदेश जारी कर आईआरटीएस गौरव गौड़ को जयपुर का नया एडिशनल डीआरएम नियुक्त किया है। गौड़ ट्रैफिक सर्विस के 2005 बैच के एसएजी ऑफिसर हैं, जो अभी जगतपुरा स्थित नॉर्थ ईस्टर्न रेलवे मुख्यालय में सीटीपीएम के पद पर कार्यरत हैं। इस दौरान उन्होंने रिंगस-खाटूश्यामजी, रास-मेरता, पुष्कर-मेडता नई लाइन, जयपुर-सवाईमाधोपुर, अजमेर-चित्तौड़गढ़, और लूणी-सांधरी-भीलड़ी रूट पर डबलिंग जैसे महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट्स को मंजूरी दिलवाई।

कांवड़ में लाए गलता तीर्थ के जल से अभिषेक

जयपुर। श्रावण मास के अंतिम रविवार को छोटी काशी में कांवड़ यात्रा की धूम रही। हर हर महादेव, बोल बम ताड़क बम के साथ गलता तीर्थ से प्रारंभ हुई कावड़ यात्राओं का जगह जगह स्वागत किया गया। महादेव जी, पार्वती और शिव गणों की सजीव झांकी के साथ भगवा वेशभूषा में कावड़िए हर हर महादेव का उद्घोष करते हुए बढ़ रहे थे। विभिन्न मार्गो से होती हुई कावड़ यात्रा कॉलोनी के मंदिर पहुंची। मंदिर महंत के सानिध्य में जयपुर वासियों के कल्याण की कामना के साथ महादेव जी का जलाभिषेक किया। भोले नाथ का चंदन और फूलों से श्रृंगार कर महाआरती की गई। चौड़ा रास्ता स्थित तारकेश्वर महादेव मंदिर के तारकनाथ शयन भक्त मंडल की ओर से भोलेनाथ की विशेष पूजा अर्चना कर गलता के तीर्थ जल से भोलेनाथ का अभिषेक किया।

सच बेधड़क
दैनिक हिन्दी अख़बार
आपके दिल की बात अब आपके अखबार के माध्यम से...
अख़बार में प्रकाशन के लिए खब़र, विज्ञप्ति, कार्यक्रम की सूचना आलेख एवं अपनी मौलिक रचनाएं
news@sachbedhadak.com
पर E- Mail करें।

चिकित्सा मंत्री ने एसएमएस में लिया स्वास्थ्य सेवाओं का जायजा, दिए निर्देश...

किसी भी मरीज को जांच या उपचार लेने में परेशानी नहीं हो

बेधड़क | जयपुर

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर कोलकाता रेजीडेंट प्रकरण के कारण चिकित्सकों के कार्य बहिष्कार के दृष्टिगत स्वास्थ्य सेवाओं का जायजा लेने अचानक एसएमएस अस्पताल एवं सेठी कॉलोनी स्थित राजकीय सेटेलाइट अस्पताल पहुंचे। उन्होंने आपातकालीन सेवाओं, आईपीडी एवं ओपीडी में निरीक्षण कर चिकित्सा सेवाओं की स्थिति देखी और चिकित्सा अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

खींवसर प्रातः करीब 8:30 बजे सवाई मानसिंह अस्पताल पहुंचे। वे सबसे पहले आपातकालीन इकाई में पहुंचे। उन्होंने यहां रोगियों से बात कर स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता के बारे में जानकारी ली तथा चिकित्सकों एवं नर्सिंग स्टाफ को निर्देश दिए कि अस्पताल में आ रहे रोगियों को तत्काल उपचार उपलब्ध करवाया जाए। किसी भी मरीज को जांच एवं उपचार लेने में तकलीफ का सामना नहीं करना पड़े। चिकित्सा मंत्री ने जनरल वार्ड में जाकर आईपीडी सेवाओं का भी निरीक्षण किया। वे रोगियों से भी मिले।

चिकित्सा मंत्री ने रजिस्ट्रेशन काउंटर एवं अन्य चिकित्सा सुविधाओं का भी जायजा लिया।सके बाद चिकित्सा मंत्री सेठी कॉलोनी स्थित राजकीय सेटेलाइट अस्पताल में चिकित्सा सुविधाओं का निरीक्षण करने पहुंचे। उन्होंने यहां आपातकालीन सेवाओं की स्थिति देखी और रोगियों से बातचीत की। साथ ही, ओपीडी एवं आईपीडी सेवाओं का भी अवलोकन किया।

हर स्थिति से निपटने के लिए पूरी तैयारी

मीडिया से बातचीत में चिकित्सा मंत्री खींवसर ने बताया कि कार्य बहिष्कार की स्थिति को देखते हुए चिकित्सकों के अवकाश निरस्त कर दिए गए थे। वैकल्पिक व्यवस्थाओं के तहत चिकित्सकों की आपातकालीन इकाई, आईपीडी आदि में रोटेशन के आधार 24 घंटे उपस्थिति सुनिश्चित की गई। कंट्रोल रूम स्थापित किया तथा हर स्थिति से निपटने के लिए पूरी तैयारी की गई। इसके चलते किसी भी स्थान पर चिकित्सा सेवाओं को लेकर अप्रिय स्थिति पैदा नहीं हुई। उच्च स्तरीय बैठक लेकर सभी चिकित्सा अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि अस्पतालों में जांच, दवा एवं उपचार के माकूल प्रबंध सुनिश्चित किए जाएं।

चिकित्सकों से तत्काल काम पर लौटने की अपील

खींवसर ने कार्य बहिष्कार कर रहे चिकित्सकों से अपील की है कि प्रकरण को लेकर उनका विरोध राज्य सरकार एवं केंद्र सरकार के संज्ञान में है और इस दिशा में उचित कार्यवाही के प्रयास किए जा रहे हैं। प्रदेश के अस्पताल में चिकित्सकों की सुरक्षा व्यवस्था को और सुदृढ़ करने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि आमजन एवं रोगियों के हित में चिकित्सक तत्काल काम पर लौटें और जीवन रक्षा का दायित्व निभाएं। चिकित्सा मंत्री के निरीक्षण के दौरान सवाई मानसिंह मेडिकल कॉलेज के प्रधानाचार्य डॉ. दीपक माहेश्वरी, राजकीय सेटेलाइट अस्पताल के अधीक्षक डॉ. गोर्वधन मीणा, एसएमएस अस्पताल के अतिरिक्त अधीक्षक डॉ. गिरधर गोयल सहित अन्य चिकित्सा अधिकारी उपस्थित रहे।

रक्षाबंधन पर बहनों को सरकार का तोहफा, खोले के हनुमान मंदिर से भी 'नेग'

आज बसों में नहीं लगेगा किराया रोप वे सवारी भी हाफ टिकट में

बेधड़क | जयपुर

बहनें सोमवार को भाई के हाथ में रक्षासूत्र बांधकर रक्षाबंधन का त्योहार मनाएंगी। भाई भी बहनों को अपनी श्रद्धानुसार नेग देने के साथ ही उनकी रक्षा का वचन देंगे। राजस्थान सरकार ने भी बहनों को राखी पर एक विशेष तोहफा दिया है। इसके तहत राखी पर राजस्थान रोडवेज की बसों में महिलाओं से कोई किराया नहीं लिया जाएगा, यानी कि वे फ्री में यात्रा कर सकेंगी। रोडवेज की ओर से जारी आदेश के अनुसार महिलाओं को यात्रा में यह छूट एक दिन के लिए मिलेगी जो रविवार की आधी रात से सामवार आधी रात तक जारी रहेगी।

इस मौके पर खोले के हनुमान मंदिर में रोप वे पर सवारी के किराए में भी आधी छूट दी गई है। रक्षाबंधन के दिन जयपुर के वैष्णो माता दर्शन करने आने वाली महिलाएं इसका लाभ ले सकेंगी। खोले के हनुमान जी रोप-वे का निर्माण और मेंटेनेंस करने वाली कंपनी आरओके इनोवेशन के डायरेक्टर कैलाश खंडेलवाल ने बताया कि रक्षाबंधन के मौके पर खोले के हनुमान जी रोपे-वे में आने वाली महिलाओं का हाफ टिकट लगेगा। रोप-वे से वैष्णो माता दर्शन करने आने वाली महिलाएं/बालिकाएं इसका लाभ ले सकती है। यह ऑफर सुबह 8 बजे से रात 8 बजे तक लागू रहेगी।

बाजारों में दिखी खरीदारी की रौनक

रक्षाबंधन पर्व पर रविवार को बाजार में खरीदारी की रौनक देखने को मिली। राखियों और मिठाइयों की खरीदारी के लिए बाजार भीड़ रही। कोलकाता, मुंबई और गुजरात की रंग बिरंगी राखियों की बाजार में जमकर खरीदारी की गई। बाजार में जयपुर के फेमस पनीर घेवर की डिमांड भी खूब रही। साथ ही शगुन की वस्तुओं, फलों और कच्चे नारियल की भी बिक्री खूब हुई।।

खाटू श्याम और राम वाली राखियां डिमांड में

राखी व्यापारियों ने बताया कि इस बार खाटू श्याम जी और भगवान राम की राखियों की अधिक मांग है। हैंडमेड राखियों के साथ-साथ बाजार में कोलकाता से आई जरी वाली राखियों की डिमांड भी खूब है। यह राखियां विशेषकर राजपूत समाज के लोग ज्यादा खरीद रहे हैं। गुजरात और महाराष्ट्र से आने वाली राखियां स्टोन से बनी हैं जो पंजाबी लोगों की पसंदीदा हैं। इसके साथ ही बच्चों की राखियों में कई वैराइटी मौजूद है। इसमें रबड़-पेंसिल वाली राखियां और खिलौने वाली राखियों की लोग ज्यादा डिमांड कर रहे हैं। बाजार में राखियां दो रुपए से लेकर 10 हजार तक की मौजूद हैं।

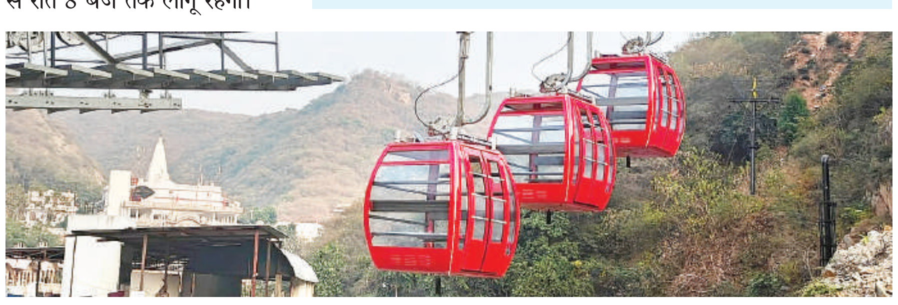

सावन का अंतिम सोमवार होने से मंदिरों में विशेष सुरक्षा

श्रावण मास का अंतिम सोमवार होने से 19 अगस्त को शिव मंदिरों में श्रद्धालुओं की काफी भीड़ रहेगी। ऐसे में पुलिस प्रशासन की ओर से मंदिरों में सुरक्षा व्यवस्थाओं के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। राज्य सरकार ने प्रदेश के सभी जिलों में शिव मंदिरों पर कानून व्यवस्था को लेकर सभी ऐहतियाती कदम उठाते हुए अतिरिक्त सतर्कता बरतते के निर्देश जारी किए हैं। पुलिस मुख्यालय ने प्रदेश के सभी जिलों में उगता सुरक्षा व्यवस्था के निर्देश जारी किए हैं। एडीजी लॉ एंड ऑर्डर विशाल बंसल ने बताया कि पुलिस प्रशासन को जलाभिषेक के लिए शिवालय जाने वाले कांवड़ियों की सुरक्षा के लिए पूरी तरह मुस्तैदी बरतने को कहा गया है। एडीजी लॉ एंड ऑर्डर विशाल बंसल ने बताया कि प्रदेश में पुलिस प्रशासन की ओर से हर संदिग्ध व्यक्ति पर नजर रखी जा रही है। मंदिरों के आसपास सुरक्षाकर्मियों की तैनाती की गई है। कांवड़ वाले रास्तों पर पुलिस की विशेष निगरानी रहेगी। साथ ही मंदिरो में सुरक्षा संबंधित कमी को दूर किया गया है। कांवड़ यात्रा और सोमवार को शिवालयों पर होने वाले जलाभिषेक पर भीड़ को कंट्रोल करने और मंदिरों पर शांति और सुरक्षा व्यवस्था की तैयारी कर ली गई है।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को दिए खास निर्देश

सावन के आखिरी सोमवार के मौके पर भक्तों की भीड़ को देखते हुए कानून-व्यवस्था बनाए रखने और किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना से बचने के लिए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने अधिकारियों को खास निर्देश दिए हैं। दरअसल, उदयपुर और जयपुर में बीते दिनों हुई घटनाओं के बीच सांप्रदायिक सौहार्द्र बनाए रखने को लेकर सरकार विशेष एहतियात बरत रही है। इस अवसर पर कानून व्यवस्था एवं साम्प्रदायिक सद्भाव बनाए रखने के लिए कावड़ यात्रा मार्ग पर समुचित व्यवस्था, बेरिकेडिंग, यातायात एवं अन्य सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों को कावड़ यात्रा के मार्गो पर समुचित व्यवस्था करने, बेरिकेडिंग करने के निर्देश दिए हैं।

सोना लूटने वाला बदमाश गिरफ्तार

पुलिस से बचने के लिए रोज बदलता था मोबाइल और नंबर

बेधड़क | जयपुर

पुलिस ने करोड़ों रुपए के गोल्ड लूट मामले में फरार लुटेरे को गिरफ्तार किया है। 11 साल से फरार बदमाश ने गोल्ड फाइनेंस की दो कंपनियों में डकैती डाली थी। पुलिस से बचने के लिए आरोपी ठिकाने बदलने के साथ ही रोजाना मोबाइल और नंबर बदलता था। पुलिस टीम ने असम में दबिश देकर आरोपी बदमाश को अरेस्ट किया है। विद्याधर नगर थाना पुलिस फिलहाल गिरफ्तार आरोपी से पूछताछ कर रही है। डीसीपी नॉर्थ राशि डोगरा डूडी ने बताया ने बताया कि करोड़ों रुपए के गोल्ड लूट के मामले में आरोपी कमलेश कुमार सिंह उर्फ कमल खर्रा (38) पुत्र हंसराज सिंह खर्रा निवासी भारनी श्रीमाधोपुर हाल गोविन्दगढ़ जयपुर ग्रामीण को अरेस्ट किया है। बदमाश कमल खर्रा ने अपने साथियों के साथ मिलकर साल 2013 में विद्याधर नगर में मणिपुरम फाइनेंस लिमिटेड और आईआईएफएल गोल्ड फाइनेंस कंपनी में डकैती डालकर करोड़ों रुपए का गोल्ड लूटा था। पुलिस से बचने के लिए वह अपने छिपने के ठिकानों को बदलता रहता था। पुलिस को मोबाइल लोकेशन नहीं मिले, इसलिए रोजना नए मोबाइल नंबर और नए मोबाइल का यूज किया करता था। आरोपी विद्याधर नगर इलाके में डकैती के अलावा, सीकर में फायरिंग, रींगस सीकर में हत्या के प्रयास, बिछवाल बीकानेर में तेल टेंकर चोरी और SOG में धोखाधड़ी के मामले में वांछित है। लम्बे समय से पुलिस टीम वांछित बदमाश कमल खर्रा को ट्रेस करने में जुटी थी। पुलिस टीम ट्रेस करते हुए बदमाश कमल खर्रा को असम पहुंची। पुलिस टीम ने असम में दबिश देकर आरोपी को धर-दबोचा।

महिला समेत दो आरोपी गिरफ्तार

किडनैप की गई 3 साल की बच्ची को बदमाशों से छुड़ाया

बेधड़क | जयपुर

राजधानी से दिनदहाड़े किडनैप हुई 3 साल की बच्ची राखी को पुलिस ने ढूंढ निकाला है। बच्ची को बदमाशों के चंगुल से छुड़ाकर परिवार के सुपुर्द कर दिया गया है। वहीं, हरमाड़ा थाना पुलिस ने बच्ची को किडनैप करने वाली महिला और पुरुष को लोहा मंडी इलाके से पकड़ा। इसके बाद संजय सर्किल थाना पुलिस को दे दिया। डीसीपी वैस्ट अमित कुमार ने बताया कि 15 अगस्त को संजय सर्किल इलाके से बच्ची के किडनैप होने की जानकारी मिली थी। पुलिस को जानकारी मिली थी की आगरा (उत्तर प्रदेश) के रहने वाले पूरण सिंह (55) 15 अगस्त को किसी काम से अपनी बेटी राखी के साथ चांदपोल गया था। भोमिया जी मंदिर के पास पीड़ित को नींद लग गई। पूरण के सोने के बाद एक महिला समेत तीन व्यक्ति नाबालिग बच्ची को किडनैप कर ले गए। तीनों सीसीटीवी में कैद हो गए थे। हरमाड़ा थाना सीआई दिलीप खदाव के नेतृत्व में गठित टीम ने आरोपियों को पकड़ लिया। संजय सर्किल थाना पुलिस ने रामवतार (55)पुत्र देवी लाल बैरवा और संतोष देवी(45) पत्नी रामवतार बैरवा को गिरफ्तार किया।

अनुसूचित जाति-जनजाति संयुक्त संघर्ष समिति ने दिया समर्थन

21 को भारत बंद का ऐलान, जयपुर में निकालेंगे सद्भावना मार्च

बेधड़क | जयपुर

एससी-एसटी आरक्षण में क्रीमी लेयर के संदर्भ में सुप्रीम कोर्ट की ओर से लिए निर्णय के विरोध में 21 अगस्त को भरत बंद बुलाया गया है। राजस्थान समेत देश के अलग-अलग हिस्सों में एससी-एसटी आरक्षण से जुड़ी समितियों ने इसका समर्थन किया है। अनुसूचित जाति-जनजाति संयुक्त संघर्ष समिति, राजस्थान भी इसे लेकर जयपुर में बुधवार को सद्भावना मार्च निकालेगी। बंद के दौरान प्रदेश में सभी बाजारों को बंद रखने की अपील की गई है। आवश्यक और आपातकालीन सेवा जैसे चिकित्सा, पेयजल, शिक्षण संस्थाएं, सार्वजनिक परिवहन, रेल सेवा, पेट्रोल पंप, विद्युत, बैंक आदि को बंद से मुक्त रखने का निर्णय लिया गया है।

25 टीमें कराएंगी बंद

समिति की मांगों को लेकर संयोजक जेपी विमल, सह-संयोजक जसवंत संपतराम व अनिल गोठवाल ने बताया कि बंद सुबह से शाम तक रहेगा, इसके लिए जयपुर में 25 टीमें बनाई हैं। समिति संयोजक जेपी विमल (रिटायर्ड आईएएस) ने कहा कि समाज की मांग है कि आरक्षण के प्रावधानों को केन्द्रीय अधिनियम से सुरक्षित कर संविधान की 9वीं अनुसूची में सम्मिलित किया जाए।

कलेक्टर को देंगे ज्ञापन

उन्होंने बताया कि बंद के समर्थन में शांति-सद्भावना मार्च होगा, जो रामनिवास बाग से चौड़ा रास्ता, त्रिपोलिया बाजार, बड़ी चौपड़, जौहरी बाजार, सांगानेरी गेट, एमआई रोड होते हुए रामनिवास बाग में विसर्जित होगा। साथ ही प्रतिनिधि मंडल कलेक्टर को ज्ञापन देगा। साथ ही समिति पदाधिकारियों ने समाज के सभी वर्गों से अपील की, कि वे शांतिपूर्वक बंद को सफल बनाए और किसी भी आमजन को परेशानी न हो।

गृह विभाग ने जारी किए आदेश

वहीं, भारत बंद को लेकर गृह विभाग ने सभी कलेक्टर, एसपी को निर्देश जारी किए हैं। इसमें समाज और व्यापारिक संगठन को बाजार बंद नहीं रखने के लिए समझाने के लिए कहा गया है। साथ ही बंद की स्थिति में किसी भी व्यक्ति को परेशानी न हो। इसके निर्देश दिए गए हैं।

शांतिपूर्ण बंद के लिए बनाई समिति

इस संबंध में एससी-एसटी संयुक्त संघर्ष समिति, राजस्थान की ओर से रविवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस की गई। इसमें रिटायर्ड आईएएस जेपी मीणा ने बताया कि हम चाहते हैं कि सबकुछ शांतिपूर्वक हो। किसी को कोई परेशानी नहीं उठानी पड़े। इसके लिए समिति बनाई गई है, जो भारत बंद को शांति से सफल बनाएगी। गौरतलब है सुप्रीम कोर्ट की ओर से 1 अगस्त को पारित निर्णय के विरुध अनुसूचित जाति, जनजाति समाज की ओर से भारत बंद का आह्वान किया गया है। इसको लेकर अनुसूचित जाति-जनजाति संयुक्त संघर्ष समिति-राजस्थान का निर्माण किया है, जो 21 अगस्त को शांतिपूर्ण भारत बंद कराएगी।

जरूरी खबर

जन्माष्टमी पर सात घंटे तक होगा भव्य महोत्सव कार्यक्रम

बीकानेर। इस्कॉन बीकानेर एवं रॉटरी क्लब ऑफ बीकानेर रॉयल्स द्वारा श्रीकृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव 26 अगस्त की शाम 5 से रात्रि 12 बजे तक स्टेशन रोड स्थित होटल वृंदावन में बड़े ही धूमधाम और हर्षोल्लास के साथ मनाया जाएगा। इस्कॉन के संकर्षण प्रिय प्रभुजी ने प्रेसवार्ता में बताया कि पिछले तीन साल से लगातार यह कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। यह चौथा वर्ष है और हमारा प्रयास रहता है कि हम हर वर्ष प्रभु भक्तों के लिए कुछ विशेष प्रस्तुति दें।

रामदेवरा जातरू के लिए सेवार्थ शिविर तीन से

जोधपुर। मानव मात्र की सेवा को समर्पित हिंदू सेवा मंडल की ओर से बाबा रामदेव के जातरू की सेवार्थ सेवा शिविर का आयोजन किया जाएगा। शिविर संयोजक राकेश गौड़, मदन सैन व दिनेश रामावत ने बताया कि रेलवे स्टेशन पर 3 से 14 सितंबर तक बाबा रामदेव मेला शिविर का आयोजन किया जाएगा। शिविर में प्रतिदिन जातरु को टेबल-कुर्सी पर बैठाकर निशुल्क भोजन करवाया जाएगा। साथ ही जातरु की सेवार्थ चिकित्सा शिविर भी आयोजित होगा। शिविर संबंधी पेंफलेट का विमोचन समाजसेवी व उद्योगपति जेएम जोशी व समाजसेवी सुनीता जोशी ने किया।

पिकअप-बाइक की भिड़ंत में दो युवकों की मौत

सीकर। जिले के लक्ष्मणगढ़ में एनएच-52 पर पिकअप और बाइक में आमने-सामने की भिड़ंत में दो जनों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक घायल हो गया। एएसआई महेश कुमार ने बताया कि घटना लक्ष्मणगढ़ हाईवे के बागड़ी मोड़ के पास बालाजी मंदिर के आगे फतेहपुर की ओर से आ रही पिकअप और बाइक में आमने-सामने भिड़ंत हो गई। इसमें बाइक सवार और पैदल जा रहे युवक मौके पर ही मौत हो गई। बाइक सवार मृतक उमेश कुमार (20) निवासी बादुसर (20) सीकर अपने गांव बादुसर से गेम खेलकर फतेहपुर की ओर जा रहा था। उसे लक्ष्मणगढ़ के पास पिकअप ने सामने से टक्कर मार दी, वहीं पशु चरा कर घर जा रहे युवक भादरमल (24) वार्ड नंबर-2 लक्ष्मणगढ़ की हादसे में मौत हो गई।

माउंट आबू हॉफ इंटरनेशनल मैराथन के विजेता बने कल्पेश, वरुण और रोहित

जमीन से पहाड़ तक 21 किलोमीटर दौड़े तीन हजार धावक

बेधड़क | सिरोही

देश और दुनिया में विश्व बंधुत्व के लक्ष्य को लेकर रविवार को आयोजित दादी प्रकाशमणि माउंट आबू इंटरनेशनल मैराथन में भारत सहित कई देशों के तीन हजार से ज्यादा धावकों ने हिस्सा लिया। खास बात तो यह रही कि यह मैराथन समतल जमीन पर नहीं बल्कि जमीन से पहाड़ पर चढ़ाई की थी।

ब्रह्माकुमारीज संस्थान के मनमोहिनीवन से मैराथन को सुबह हरी झंडी दिखाई गई। 21 किमी की दौड़ लगाते हुए प्रथम विजेता पाली निवासी कल्पेश देवासी ने मात्र एक घंटे 22 मिनट में ही दूरी पूरी कर ली, वहीं दूसरा स्थान वरुण माउंट आबू तथा तीसरा विजेता रोहित टोंक ने हासिल किया। यह मैराथन आबू रोड के तलहटी से प्रारंभ हुई और माउंट आबू के पांडव भवन स्थित ओम शांति भवन के पास समाप्त हो गई। इसमें प्रथम, द्वितीय और तृतीय विजेता ने इस दूरी को फतह कर लिया।

सुबह आबू रोड रेवदर विधायक मोतीराम कोली, आबू रोड पालिका चेयरमैन मगनदान चारण, एसडीएम विरमाराम, ब्रह्माकुमारीज के मीडिया प्रमुख बीके करुणा,

कार्यकारी सचिव बीके मृत्युंजय, अंतरराष्ट्रीय ओलंपियन सुनीता गोदारा समेत कई लोगों ने हरी झंडी दिखाकर मैराथन को रवानगी दी। ब्रह्माकुमारीज संस्थान द्वारा आयोजित इस अंतरराष्ट्रीय हॉफ मैराथन के लिए पूरी तैयारी की गई थी। मैराथन के दौरान करीब एक घंटे तक यातायात बाधित रहा। मैराथन मार्ग पर जगह-जगह रिफ्रेशमेंट स्टाल एवं मेडिकल टीम मौजूद रही।

दोनों समुदाय के आमने-सामने होने से प्रशासन की सांसें फूली

उदयपुर में फिर से तनाव... आक्रोशित लोगों का प्रदर्शन

बेधड़क | उदयपुर

शहर में छात्र की चाकूबाजी मामले में हुई हिंसा के बाद शहर में तनाव भरा माहौल बना हुआ है। रविवार को एक बार फिर से दोनों पक्ष आमने-सामने हो गए, जिससे पुलिस प्रशासन की सांसें फूल गईं। पुलिस ने दोनों पक्षों को समझा-बुझाकर मामला शांत कराया। माहौल तब बिगड़ने लगा जब घायल छात्रा की मां को एमबी अस्पताल में बेटे से मिलने नहीं दिया गया। वह नाराज होकर उदयपुर के मुखर्जी चौक में जाकर धरने पर बैठ गई। उनके साथ कुछ महिलाएं भी धरने पर बैठ गईं।

इस दौरान वहां समाज के अन्य लोग इकट्ठा हो गए और नारेबाजी करते हुए दुकानें बंद कराने लगे। इस दौरान उनकी विशेष समुदाय के लोगों के साथ बहस हो गई। दोनों पक्ष आमने-सामने हो गए। माहौल तनावपूर्ण होने लगा। जानकारी पुलिस के अधिकारियों को हुई। दोनों पक्षों के बीच मामला गर्म होने पर पुलिस की भी सांसें फूल गई। करीब आधे घंटे तक दोनों पक्षों के बीच गर्मागर्मी होती रही। मामले पर बड़ी संख्या में समाज के लोग जमा हो गए और नारेबाजी करते रहे। उसके बाद पुलिस प्रशासन ने लोगों से समझाइश की।

एमबी हॉस्पिटल में छात्र का इलाज जारी

हंगामा शांत होने के बाद एसपी योगेश गोयल ने बताया कि कुछ गलतफहमी की वजह से यह बात सामने आई कि छात्र के माता पिता को मिलने नहीं दिया जा रहा है, जबकि ऐसा कुछ नहीं है। उन्होंने बताया कि एमबी हॉस्पिटल में छात्र का इलाज जारी है। हॉस्पिटल में माता पिता को मिलने से नहीं रोका जा रहा है। गोयल ने कहा कि प्रशासन और पुलिस द्वारा कुछ नंबर भी उपलब्ध करवाएं गए है ताकि जरूरत पड़ने पर सीधे फोन कर सके।

धरने पर बैठी मां, जमकर हुई नारेबाजी

पुलिस ने पहले घायल छात्र के पिता से समझाइश कर उन्हें अस्पताल भेजा, जब मां को समझाया गया तो उसने जाने से मना कर दिया। उसके बाद पुलिस काफी देर तक पुलिस उन्हें समझाती रही। बाद में वह अन्य महिलाओं के साथ अस्पताल के लिए रवाना हो गई। इस दौरान मुखर्जी चौक पर जमकर जय श्री राम के नारे भी लगाए गए। घायल छात्र की मां का कहना था कि वह अपने बेटे से मिलने एमबी अस्पताल गई थी। उसे बेटे से मिलने नहीं दिया जा रहा। वह काफी परेशान थी इस कारण धरने पर बैठी थी।

लहूलुहान कर सड़क पर फेंका

जोधपुर में मासूम से दरिंदगी, दो साल की बच्ची से रेप

बेधड़क | जोधपुर

शहर के देवनगर थाना क्षेत्र में एक खानाबदोश परिवार की दो साल की बच्ची के साथ बलात्कार का मामला सामने आया है। आरोपी बलात्कार के बाद बच्ची को खेमे का कुआं के निकट स्थित लहूलुहान हालत में फेंक गया। घटना की जानकारी मिलते ही शास्त्री नगर और देवनगर थाना पुलिस मौके पर पहुंची। एडीसीपी लाभूराम, एसीपी अनिल कुमार भी पहुंचे. एसीपी अनिल कुमार ने बताया कि बालिका को मेडिकल के लिए अस्पताल भेजा है। आरोपी की तलाश के लिए टीमें लगाई गई है। एसीपी अनिल कुमार ने बताया कि मध्य प्रदेश का रहने वाला परिवार भीख मांगकर गुजारा करता है। परिवार शनिवार रात को मंदिर के बाहर बैठा था। रात को माता पिता वहां से चले गए, जबकि बच्ची वहां बैठी रही। संभवतः इसी दौरान आरोपी उसे चॉकलेट देने के बहाने लेकर ले गया।

रविवार सुबह करीब छह बजे सब्जी बेचने वाली महिला ने मंदिर के पास बच्ची की बेसुध हालत में देखा। वह लहूलुहान थी। वह उसके पिता को जानती थी, इसलिए फोन किया तो पिता ने कहा कि रात से गायब थी। इसके तुरंत बाद पुलिस को सूचित किया गया। बाद में एफएसएल की टीम ने भी साक्ष्य जुटाए। पुलिस ने बताया कि आरोपी की तलाश शुरू कर दी गई है।

सीसीटीवी ने नजर आया दुष्कर्मी

दो साल के मासूम के साथ दरिंदगी करने वाले आरोपी तक पहुंचने के लिए पुलिस लगातार इलाके के सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है। इस बीच एक सीसीटीवी में आरोपी नींद में सोई बालिका को गोद में लेकर जाते हुए नजर आया है। पुलिस की टीमें उसकी पहचान करने के लिए आस-पास की झुग्गी-झोपड़ियों में पूछताछ कर रही है।

आरोपी की हुई पहचान

जोधपुर में मासूम के साथ दरिंदगी मामले में आरोपी की पहचान हो गई है। आरोपी चौपासनी हाउसिंग बोर्ड का निवासी है, लेकिन पुलिस की गिरफ्त से अभी दूर है। पुलिस फोन लोकेशन के आधार पर आरोपी की तलाश कर रही है। आरोपी ने फोन बंद कर दिया है, लेकिन उसके परिजनों से पूछताछ हो रही है।

करौली में दर्दनाक सड़क हादसा... गंभीर घायल को किया जयपुर रेफर

2 बाइक की टक्कर में युवक की मौत, 5 घायल

करौली। जिले में रविवार को भीषण सड़क हादसा हो गया। अंजनी माता मंदिर के पास हिंडौन मार्ग पर दो मोटर बाइक में भिड़ंत हो गई, जिसमें बाइक सवार एक युवक की मौत हो गई और पांच लोग घायल हो गए। घायलों को उपचार के लिए करौली हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया, वहीं एक घायल की हालत ज्यादा गंभीर

होने पर उसे जयपुर रेफर कर दिया गया। पुलिस चौकी प्रभारी बृजराज शर्मा ने बताया कि लक्ष्मण जाटव (35) और बबलू (25) दोनों बिंदा पुरा के रहने वाले हैं। ये दोनों एक मोटरसाइकिल पर करौली से बिंदापुर गांव की ओर जा रहे थे। दूसरी तरफ करौली की ओर से बाइक पर सोनू, शैलू, सौरभ और मोहित आ रहे थे। ये सभी हिंडौन गेट के रहने वाले थे। अंजनी माता मंदिर के पास दोनों मोटरसाइकिल आपस में टकरा गई। दुर्घटना के समय दोनों बाइक पर कुल 6 लोग सवार थे। टक्कर में सभी गंभीर रूप से घायल हो गए।

घायलों को उपचार के लिए करौली अस्पताल लाया गया, जहां डॉक्टर ने जांच के बाद लक्ष्मण निवासी बिंदा पुरा को मृत घोषित कर दिया, वहीं मोहित को हालत गंभीर होने पर जयपुर रेफर कर दिया गया। बाकी घायलों का करौली अस्पताल में उपचार चल रहा है।

वन्यजीव प्रेमियों ने सड़क पर लगाया जाम

काले हिरण की गोली मारकर हत्या

बेधड़क | श्रीगंगानगर

जिले में एक बार फिर काले हिरण के शिकार की घटना सामने आई है। शिकारियों ने एक काले हिरण की गोली मारकर हत्या कर दी। इससे वन्यजीव प्रेमियों में भारी आक्रोश फैल गया। गुस्साए लोगों ने हिरण के शव को सड़क पर रखकर रास्ता जाम कर दिया। जिला वन अधिकारी दिलीप सिंह ने बताया कि जंगलात महकमे की टीम लगातार दबिश दे रही है। दो लोगों को डिटेन किया गया है। उनसे पूछताछ की जा रही है।

जीव रक्षा दल के जिलाध्यक्ष मुकेश सुथार ने बताया कि श्रीगंगानगर के सूरतगढ़ इलाके के गांव 9 डीबीएन की रोही में शिकारियों ने गोली मारकर काले हिरण का शिकार किया। जैसे ही यह खबर वन्यजीव प्रेमियों तक पहुंची, उन्होंने तुरंत कार्रवाई की मांग करते हुए भगवानगढ़ से रिड़मलसर मुख्य सड़क पर जाम लगा दिया। उन्होंने गांव 9 डीबीएन बस स्टैंड के नजदीक मृत हिरण के शव के साथ प्रदर्शन किया। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रशासन की लापरवाही के कारण पहले भी कई बार ऐसे शिकार हो चुके हैं।

चाकसू के बड़ली गांव के तालाब में हुआ हादसा

तालाब में नहाने गए तीन दोस्त डूबे, कई घंटों की मशक्कत के बाद मिले शव

बेधड़क | चाकसू

चाकसू में तालाब पर नहाने गए तीन दोस्तों की डूबने से मौत हो गई। घटना रविवार सुबह करीब 11:30 बजे बडली गांव की है। पुलिस और SDRF की टीम ने करीब 7 घंटे के सर्च ऑपरेशन के बाद शाम 6:30 बजे तीनों के शव तालाब से निकाले। इसके बाद बच्चों के परिजनों के धरने पर बैठने पर प्रशासन ने 17-17 लाख रुपए आर्थिक मदद और परिवार के एक-एक सदस्य को संविदा पर नौकरी देने का आश्वासन दिया है।

बताया जा रहा है कि तीनों बच्चे बिजली के तार पर लटक रहे थे। फिर अचानक तीनों गिर गए और तालाब में डूब गए। हालांकि बारिश की वजह से 11KV की

इस बिजली की लाइन में सप्लाई बंद थी। परिजनों के अनुसार उसे तैरना भी नहीं आता था। उसके दूसरे साथी ने वहां हल्ला मचाया, तब जाकर लोगों को घटना का पता चला।

तालाब के बाहर मिले कपड़े

चाकसू के बड़ली गांव के तालाब में रविवार सुबह करीब 12 बजे नहाने गए तीन बच्चे डूब गए। तालाब के आसपास मौजूद लोगों को बच्चों के डूबने की सूचना मिलने पर हड़कंप मच गया। तालाब किनारे बच्चों के कपड़े और चप्पलें पड़ी मिली। सूचना पर चाकसू पुलिस और सिविल डिफेंस की टीम तालाब में तीनों किशोर की तलाश की जा रही है। रविवार दोपहर करीब 4.30 बजे तक तीनों के शव नहीं मिले। ऐसे में परिजनों का रो रोकर बुरा हाल था।

एनीकट में डूबे युवक का 25 घंटे बाद मिला शव

चाकसू थाने के कृपारामपुरा गांव स्थित बांडी नदी पर बने एनीकट में शनिवार को नहाने गए चाचा-भतीजा तेज बहाव के चलते नदी में बह गए। इस दौरान भतीजा रवि शर्मा (15) पुत्र रमेश शर्मा बबूल की टहनियों में फंस गया, जिसको मछलियां पकड़ रहे स्थानीय युवकों ने कड़ी मशक्कत के बाद बचाया, वहीं चाचा गणेश शर्मा (35) पुत्र बाबूलाल तेज बहाव के चलते नदी के बहाव में बह गया। चाकसू विधायक रामावतार बैरवा, उपखंड अधिकारी शिवचरण शर्मा, एसीपी सुरेंद्र सिंह सहित कई जनप्रतिनिधि मौके पर पहुंचे। दिनभर चले सर्च अभियान के बाद भी देर रात तक युवक का कोई सुराग नहीं लगा। रविवार सुबह 1 किमी दूर गणेश शर्मा शव मिल गया। इस दौरान ड्रोन कैमरे से भी युवक की तलाश की गई।

ढूंढ नदी युवक डूबा, दूसरे दिन मिला शव

कानोता थाने के ग्राम बुड़थल से गुजर रही ढूंढ नदी में मछली पकड़ने गए तीन जनों में से एक व्यक्ति पानी में डूब गया व दो अन्य पानी से बाहर निकल आए। डूबने वाले व्यक्ति की पहचान नेमीचंद महावर (40) निवासी सालासर धाम के रूप में हुई है। रात के समय अंधेरा होने के कारण नदी में कूचे व झाड़ियां होने के कारण डूबे हुए व्यक्ति को ढूंढने में काफी मशक्कत करनी पड़ी। रात में सर्च जारी रखने के लिए एसडीआरएफ टीम को मौके पर बुलाया गया। कानोता ढूंढ़ नदी में डूबे व्यक्ति के शव को सिविल डिफेन्स की टीम ने रविवार सुबह रेस्क्यू कर बाहर निकाला।

गड़बड़ी पर हाई कोर्ट ने दिए थे सरकार को नए सिरे से रिजल्ट जारी करने के निर्देश

दुबारा जारी हुआ यूपी सिविल जज मेन्स परीक्षा का रिजल्ट

एजेंसी | लखनऊ

लंबी कानूनी लड़ाई के बाद उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग (यूपीपीएससी) ने यूपी न्यायिक सेवा सिविल जज (जूनियर डिवीजन) मुख्य (लिखित) परीक्षा-2022 यानी पीसीएस (जे) मेन्स-2022 का संशोधित परिणाम जारी कर दिया है। इस संशोधित परिणाम में, भर्ती प्रक्रिया के इंटरव्यू राउंड के लिए पांच और उम्मीदवारों को सफल घोषित किया गया है। ये वो उम्मीदवार हैं जिन्हें मुख्य परीक्षा पास करने के बावजूद फेल घोषित कर दिया गया था। संशोधित परिणाम में, आयोग ने स्पष्ट किया है कि इन पांच उम्मीदवारों के लिए आयोग की ओर से अलग से साक्षात्कार आयोजित होंगे। यूपीपीएससी के नियंत्रक परीक्षा हर्ष देव पांडे ने कहा कि इन साक्षात्कारों की तारीख और समय के संबंध में आयोग द्वारा एक अलग से अधिसूचना जारी की जाएगी। बता दें कि आरटीआई में अपनी कॉपी देखने के बाद, एक उम्मीदवार श्रवण पांडे ने इलाहाबाद उच्च न्यायालय में एक याचिका दायर की थी कि उनके अंग्रेजी विषय की उत्तर पुस्तिका में लिखावट बदल दी गई है और दूसरी उत्तर पुस्तिका के कुछ पन्ने फाड़ दिए गए हैं। जिसके कारण वह मुख्य परीक्षा में सफल नहीं हो सके। इस पर, यूपीपीएससी को निर्देश दिया गया था कि वह अदालत के समक्ष छह प्रश्नपत्रों की अपनी उत्तर पुस्तिकाएं पेश करे। इसके बाद, सुनवाई के बाद, परत दर परत लापरवाही का पता चला और यह पाया गया कि 50 उम्मीदवारों की कॉपियां आपस में बदल दी गई थीं। दिलचस्प बात यह है कि श्रवण पांडे को भी मुख्य परीक्षा में सफल घोषित किया गया है और परिणामस्वरूप वह संशोधित परिणामों में सफल घोषित किए गए 4 अन्य उम्मीदवारों के साथ इंटरव्यू भी देंगे। यूपीपीएससी ने यह भी स्पष्ट किया कि यूपीपीएससी रिजल्ट श्रवण पांडे की ओर से दायर याचिका और इसी तरह की प्रकृति की अन्य याचिकाओं में इलाहाबाद उच्च न्यायालय के अंतिम निर्णय के अधीन होने वाला है। श्रवण पांडे के मामले में अगली सुनवाई 28 अगस्त को होनी है।

हाई कोर्ट में यूपी पीएससी ने मानी गलती

इस बीच आयोग ने 20 जून से उम्मीदवारों को आंसर शीट दिखाना भी शुरू कर दिया था। पीसीएस-जे 2022 की मुख्य परीक्षा में शामिल होने वाले उम्मीदवारों को उनकी क्रम संख्या के अनुसार 30 जुलाई तक उनकी कॉपी दिखाई गई थीं। इस बीच, यूपीपीएससी ने इलाहाबाद उच्च न्यायालय में यूपी न्यायिक सेवा सिविल जज (जूनियर डिवीजन) (मुख्य) परीक्षा-2022 के उम्मीदवारों को फर्जी रोल नंबर (कोड) आवंटित करने में हुई गलती को स्वीकार किया था।

RTI में कॉपी देखने पर मामला आया सामने

आमतौर पर पीसीएस (जे) मेन्स-2022 के रूप में जानी जाने वाली यूपी न्यायिक सेवा सिविल जज (जूनियर डिवीजन) मुख्य (लिखित) परीक्षा-2022, 22 और 25 मई 2023 के बीच आयोजित हुई थी, जबकि इसके रिजल्ट 30 अगस्त, 2023 को जारी हुए थे। इसके अंक नवंबर 2023 में सार्वजनिक किए गए थे। आंसर शीट की समीक्षा तब शुरू हुई जब पीसीएस (जे) मेन्स परीक्षा-2022 के एक उम्मीदवार, श्रवण पांडे ने आरटीआई अधिनियम के तहत अपनी आंसर शीट देखीं। श्रवण की ओर से याचिका दायर करने के बाद, इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने गत 5 जून को यूपीपीएससी को निर्देश दिया था कि वह याचिकाकर्ता के छह प्रश्नपत्रों की आंसर शीट अदालत के समक्ष पेश करें। आयोग 7 जून, 2024 को उच्च न्यायालय में पेश हुआ था और उसने एक हलफनामा दिया था कि मामला सामने आने के बाद, मुख्य परीक्षा में बैठने वाले सभी 3,019 उम्मीदवारों की सभी 18,042 आंसर शीट के मूल्यांकन के दौरान उनकी गुमनामी सुनिश्चित करने के लिए डमी रोल नंबर देने की आंतरिक प्रक्रिया चेक की जा रही थी।

Yuva स्टोरीज

नीट यूजी राउंड 1 चॉइस फिलिंग की कल लास्ट डेट

बेधड़क | नई दिल्ली

नीट यूजी राउंड 1 चॉइस फिलिंग 16 अगस्त से शुरू होकर मंगलवार को समाप्त होने वाली है। जिन मेडिकल उम्मीदवारों के पास वैध नीट यूजी स्कोर 2024 है, उन्हें वरीयता क्रम में पाठ्यक्रमों और कॉलेजों के विकल्पों की सूची जमा करनी होगी। उम्मीदवारों को ध्यान देना चाहिए कि एमसीसी नीट यूजी काउंसलिंग पंजीकरण दो दिनों में बंद हो जाएगा। जिन अभ्यर्थियों ने अपनी श्रेणी भारतीय से एनआरआई में बदलवाई है, उन्हें एनआरआई सीट आवंटित होने की स्थिति में रिपोर्टिंग के समय मूल दस्तावेज प्रस्तुत करने होंगे, अन्यथा उनका प्रवेश रद्द हो सकता है।

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने हाल ही में बताया कि भारत में कुल 1,12,112 एमबीबीएस सीटें हैं और देश भर में 731 नए मेडिकल कॉलेज स्थापित किए गए हैं। नीट यूजी काउंसलिंग 2024 की तारीखों के अनुसार, रजिस्ट्रेशन, चॉइस फिलिंग, लॉकिंग, शुल्क भुगतान की सुविधाएं 20 अगस्त को समाप्त हो जाएंगी। नीट यूजी राउंड 1 सीट आवंटन परिणाम 23 अगस्त को घोषित किए जाएंगे। छात्रों को आवश्यक दस्तावेजों के साथ आवंटित कॉलेज में रिपोर्ट करने के लिए 24 से 29 अगस्त के बीच का समय दिया जाएगा।

होटलों और अस्पतालों में लेनदेन पर होगी आयकर की नजर

जयपुर। सीबीडीटी ने इनकम टैक्स डिपार्टमेंट से होटल और अस्पतालों में बड़े नकद लेनदेन की पहचान करने के लिए कहा है। सीए ऋषि अग्रवाल और वित्त एवं लेखा प्रमुख, कृभको, राजस्थान का कहना है कि आयकर विभाग को होटल, लक्जरी ब्रांड की बिक्री, अस्पताल और आईवीएफ क्लीनिक जैसे व्यावसायिक क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर नकद लेनदेन की जांच करने को कहा गया है। सीबीडीटी ने हाल में केंद्रीय कार्य योजना (सीएपी) 2024-25 जारी की है। इसमें कहा गया है कि अधिक कीमत की चीजों का व्यवसाय करने वाले करदाता को आयकर के बारे में जानकारी के साथ-साथ कराधान करना आवश्यक है। इस संबंध में होटल, बैंक्वेट हॉल, डिपार्टमेंट ऑफ इन्वेस्टमेंट ब्रांड्स, आईवीएफ आदि शामिल हैं। आयकर विभाग 2 लाख से अधिक के कैश में लेन देन पे नजर रखेगा और वित्तीय लेन-देन का विवरण बैंकों, होटलों से विवरण लेकर बड़े नकदी के लेन-देन करने वालो से आय के स्रोत के बारे में पूछेगा

एनसीईआरटी में प्रोफेसर भर्ती के लिए बढ़ाई आवेदन तिथि

नई दिल्ली। राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) की ओर से प्रोफेसर और असिस्टेंट प्रोफेसर समेत विभिन्न पदों पर भर्ती के लिए आवेदन प्रक्रिया शुरू है। इच्छुक और योग्य उम्मीदवार एनसीईआरटी की आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर ऑनलाइन माध्यम में आवेदन फॉर्म भर सकते हैं।

एनसीईआरटी प्रोफेसर भर्ती 2024 के लिए आवेदन की आखिरी तिथि 27 अगस्त तक बढ़ा दी गई है। इससे पहले एनसीईआरटी प्रोफेसर भर्ती आवेदन फॉर्म भरने की लास्ट डेट 16 अगस्त तय की गई थी। एनसीईआरटी में इन पदों के लिए आवेदन प्रक्रिया 27 जुलाई से शुरू की गई है। इस भर्ती अभियान के माध्यम से कुल 123 रिक्त पद भरे जाएंगे। जिसमें से प्रोफेसर के 33 पद, असिस्टेंट प्रोफेसर के 32 पद और एसोसिएट प्रोफेसर के 58 पद शामिल है। इन पदों के लिए आयु सीमा जारी नहीं की गई है।

शिक्षक संगठन रेसटा ने उठाई है मांग

शिक्षक सम्मान समारोह की प्रक्रिया हो पारदर्शी

बेधड़क | जयपुर

प्रदेश में शिक्षक दिवस 5 सितंबर पर शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले शिक्षको को ब्लॉक, जिला व राज्य स्तरीय स्तर पर शिक्षक सम्मान का आयोजन करके सम्मानित किया जाता है, इसके लिए आवेदन की प्रक्रिया के लिए माध्यमिक शिक्षा निदेशक आशीष मोदी ने निर्देश जारी कर दिए हैं।ऑनलाइन आवेदन करने के बाद संस्था प्रधान से प्रमाणित करवाकर आवेदन को मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी को भेजा जाता है, वहां से आवेदनों की जांच होकर मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी को भेजे जाते है। वहां पर भी सभी आवेदनों की जांच के बाद आवेदन माध्यमिक शिक्षा निदेशालय बीकानेर भेजे जाते हैं। वहां पर भी आवेदनों की जांच की जाती है उसके बाद ब्लॉक, जिला व राज्य स्तर पर सम्मानित होने वाले शिक्षको की चयनित सूची जारी की जाती है। लेकिन केवल सूची जारी करने से जिन शिक्षकों का चयन नहीं जो पाता और जिन का चयन हुआ है की आधार पर हुआ है उसका पता नहीं लग पाता है।

शिक्षक संघ रेसटा की मांग है की मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी से लेकर माध्यमिक शिक्षा निदेशालय तक आवेदनों में हुई मार्किंग की सूची जारी की जाएं। जिससे पता चल सके कि किस शिक्षक के कितने नंबर आए है और इस प्रकार से सूची जारी करने से पारदर्शिता बढ़ेगी व शिक्षकों को पता चल जाएगा की कहां कमी रह गई तो आगे वो और अच्छा कार्य करेंगे।

सम्मान समारोह में 2019 से ब्लॉक स्तर पर 51 सौ, जिला स्तर पर 11 हजार व राज्य स्तर पर 21 हजार रूपए व मोमेंटो व प्रशस्ति पत्र दिए जाते है। पूर्व में केवल मोमेंटो व प्रशस्ति पत्र ही दिए जाते थे। पूर्व में राज्य स्तर पर केवल 62 शिक्षकों का सम्मान किया जाता था जिसे बढ़ाकर 150 कर दिया । इसलिए राज्य सरकार से मांग है की सम्मान समारोह में दी जाने वाली राशि को बंद करके पूर्व की भांति मोमेंटो व प्रशस्ति पत्र ही दिए जाएं।

2024 में सम्मानित होने वाले शिक्षको की संख्या

ब्लॉक स्तर पर : 358×3 = 1074
जिला स्तर पर : 50×3 = 150
राज्य स्तर पर : 50×3=150

शिक्षक सम्मान समारोह में मिलने वाली राशि

ब्लॉक स्तर पर : 5100 रु., प्रमाण पत्र
जिला स्तर पर : 11 हजार व प्रमाण पत्र
राज्य स्तर पर : 21 हजार व प्रमाण पत्र

“ शिक्षक सम्मान समारोह की पूरी चयन प्रक्रिया पारदर्शिता से होनी चाहिए। जिससे शिक्षक सम्मान की गरिमा भी बढ़ेगी और शिक्षकों को भी राहत मिलेगी । सम्मान समारोह के आवेदनों की जांच प्रक्रिया में जिम्मेदारी तय की जाएं। जिससे आवेदन करने वाले किसी शिक्षक को लगे कि उसके आवेदन में कम नंबर दिए है। जबकि उसके द्वारा कार्यों के हिसाब से अधिक होने चाहिए थे तो उसकी जांच करवाकर कड़ी कार्यवाही का प्रावधान किया जाएं। साथ ही इस वर्ष के लिए आवेदन प्रक्रिया के लिए निर्देश जारी हो गए है। इसलिए पहले पिछले सत्र में हुए सभी आवेदनों के नंबर जारी किए जाएं। जिससे आवेदन करने वालो को सहायता मिल सके।

मोहर सिंह सलावद, प्रदेशाध्यक्ष शिक्षक संघ रेसटा, राज.

2024 में ये है आवेदन की प्रक्रिया

शिक्षक द्वारा शाला दर्पण पर होंगे ऑनलाइन 21 और 22 अगस्त तक

संस्था प्रधान/नियंत्रण अधिकारी द्वारा आवेदन की तीन प्रतियां सीबीईओ को 23 अगस्त तक जमा करवाना। सीबीईओ द्वारा प्राप्त आवेदनों की 24 अगस्त तक जांच करना व प्रति कक्षा वर्ग से तीन उच्च वरीयता वाले आवेदनों का चयन करके प्रथम दो वरीयता वाले आवेदनों को 25 अगस्त तक मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी को हार्ड कॉपी कार्यालय में जमा करवाना। मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा उच्चतम वरीयता वाले तीन आवेदनों को 27 अगस्त तक निदेशालय माध्यमिक शिक्षा राजस्थान बीकानेर को हार्ड कॉपी जमा करवाना।

राज्य स्तर पर सम्मानित होने वाले शिक्षको का 5 सितंबर को जयपुर में कार्यक्रम आयोजित होगा। जबकि ब्लॉक स्तर पर चयनित होने वाले शिक्षकों को अपने ब्लॉक में जिला स्तर पर चयनित होने वालो को जिला मुख्यालय पर शासन स्तर से तिथि निर्धारित की जाएगी।

स्कूली छात्राओं ने ACP को बांधा 11 फीट लंबा रक्षासूत्र

बेधड़क | जयपुर

शहर के सांगानेर के प्रताप नगर स्थित कीवी किड्स एकेडमी स्कूल की छात्राओं ने संस्कृतमय रक्षासूत्र तैयार कर सांगानेर एसीपी विनोद कुमार शर्मा की कलाई बांधा है।

संस्था संचालक राघवेंद्र शर्मा ने बताया कि 19 अगस्त को रक्षाबंधन के साथ विश्व संस्कृत दिवस भी है। इस उपलक्ष्य में स्कूल की छात्राओं ने अध्यापिकाओं के साथ मिलकर 11 फीट लम्बा संस्कृतमय रक्षासूत्र तैयार किया। इस रक्षासूत्र पर जयतु संस्कृतम जयतु भारतम का स्लोगन लिखा गया।

शर्मा ने बताया- हमारा उद्देश्य लोगों को स्मरण करवाना है कि न हमें सिर्फ रक्षाबंधन मनाना हैं बल्कि साथ में मातृभाषा संस्कृत को भी सम्मान देना है। विद्यालय की छात्राओं ने सांगानेर एसीपी विनोद कुमार शर्मा की कलाई पर संस्कृतमय रक्षासूत्र बांधा और एसीपी ने समाज और संस्कृति की रक्षा का वचन दिया।

स्कूल की इस पहल से प्रसन्न होकर एसीपी विनोद कुमार शर्मा ने बताया की संस्कृत भाषा विश्व की सबसे प्राचीन और वैज्ञानिक भाषा है। लेकिन हम धीरे धीरे संस्कृत भाषा को भूलते जा रहें हैं। ऐसी स्थिति में छात्राओं और अध्यापिकाओं के द्वारा निर्मित संस्कृतमय रक्षासूत्र शानदार पहल है। इन बालिकाओं ने रक्षाबंधन यादगार बना दिया। शर्मा ने बताया कि कंप्यूटर के लिए सबसे उपयुक्त भाषा भाषा संस्कृत है।

भ्रामक विज्ञापन पर कोचिंग पर 3 लाख का जुर्माना

नई दिल्ली। केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण (सीसीपीए) ने भ्रामक विज्ञापन प्रकाशित करने और उपभोक्ता अधिकारों का उल्लंघन करने के लिए एक बड़ी निजी कोचिंग संस्थान पर 3 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। भ्रामक विज्ञापन संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) सिविल सेवा परीक्षा 2022 के संबंध में अपने दावों से संबंधित था। उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम 2019 के उल्लंघन के मद्देनजर मुख्य आयुक्त निधि खरे और आयुक्त अनुपम मिश्रा की अध्यक्षता वाली सीसीपीए ने यूपीएससी सिविल सेवा परीक्षा 2022 के संबंध में भ्रामक विज्ञापन के लिए इस कोचिंग संस्थान के खिलाफ आदेश जारी किया है। सीसीपीए ने बताया कि कोचिंग संस्थान और ऑनलाइन एडटेक मंच संभावित उम्मीदवारों (उपभोक्ताओं) को प्रभावित करने के लिए उन्हीं सफल उम्मीदवारों की तस्वीरों और नामों का उपयोग करते हैं, जबकि ऐसे उम्मीदवारों द्वारा चुने गए पाठ्यक्रम और पाठ्यक्रम की अवधि का खुलासा नहीं किया जाता है। सीसीपीए ने कहा, उपभोक्ताओं ने संस्थान की वेबसाइट पर विज्ञापित सशुल्क पाठ्यक्रमों का चयन किया था। बयान में कहा गया कि कोचिंग ने चयनों के अपने दावे के मुकाबले केवल 171 सफल उम्मीदवारों का विवरण पेश किया।

परीक्षा आईआईटी-एनआईटी में पीजी एवं पीएचडी पाठ्यक्रमों में मिलेगा एडमिशन

जाम परीक्षा के लिए 3 सितंबर से शुरू होंगे पंजीकरण

बेधड़क | नई दिल्ली

स्नातकोत्तर उपाधि के लिए संयुक्त प्रवेश परीक्षा यानी कि जाम 2025 के लिए पंजीकरण प्रक्रिया 3 सितंबर से शुरू की जाएगी। यह 11 अक्टूबर तक जारी रहेगी। अभ्यर्थी जो देश भर के आईआईटी एनआईटी आदि संस्थानों में पोस्ट ग्रेजुएट एवं पीएचडी पाठ्यक्रमों में प्रवेश लेना चाहते हैं, वे इसमें भाग ले सकते हैं।

देशभर के विभिन्न आईआईटी संस्थानों (आईआईटी) में संचालित होने वाले पोस्ट ग्रेजुएट एवं पीएचडी आदि में प्रवेश के लिए प्रति वर्ष स्नातकोत्तर उपाधि के लिए संयुक्त प्रवेश परीक्षा (जाम) का आयोजन किया जाता है। इस परीक्षा के लिए इस वर्ष आवेदन प्रक्रिया 3 सितंबर से शुरू की जाएगी। जो भी अभ्यर्थी इसके लिए पात्रता पूरी करते हैं वे निर्धारित अंतिम तिथि 11 अक्टूबर तक ऑनलाइन माध्यम से ऑफिशियल वेबसाइट पर जाकर रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया पूर्ण कर सकेंगे।

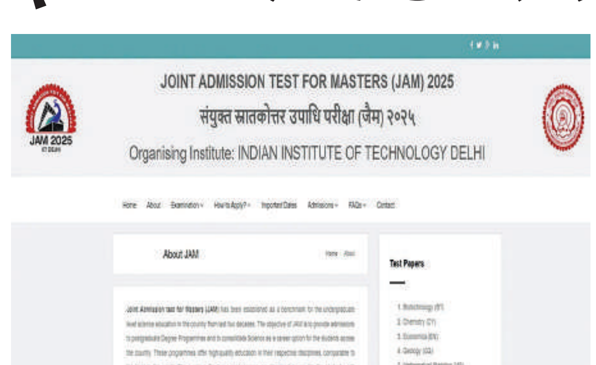

2 फरवरी को आयोजित होगी प्रवेश परीक्षा

इस परीक्षा के माध्यम से देश के आईआईटी में एमएससी, एमएससी (टेक), एमएस (रिसर्च), एमएससी- एमटेक (ड्यूल डिग्री) ज्वाइंट एमएससी-पीएचडी, एमएससी- पीएचडी ड्यूल डिग्री में प्रवेश प्रदान किया जाता है। वर्ष 2025 एडमिशन के लिए प्रवेश परीक्षा का आयोजन 2 फरवरी 2025 को किया जाएगा। एग्जाम देशभर के लगभग 100 शहरों में आयोजित किया जायेगा। परीक्षा का माध्यम कंप्यूटर आधारित टेस्ट (सीबीटी) होगा। एग्जाम संपन्न होने के बाद रिजल्ट 16 मार्च 2025 को घोषित होगा।

ये हैं पात्रता मापदंड

इस प्रवेश परीक्षा में भाग लेने के लिए उम्मीदवारों को प्रवेश तिथि से पहले अपनी स्नातक की डिग्री पूरी करनी होगी और प्रवेश संस्थान द्वारा आवश्यक पात्रता का प्रमाण देना होगा। इसमें शामिल होने के लिए आयु सीमा का बंधन नहीं है।

89 स्नाकोत्तर कार्यक्रमों में मिलेगा प्रवेश

जाम 2025, 2025-26 शैक्षणिक वर्ष के लिए 89 स्नातकोत्तर कार्यक्रमों के लिए निर्धारित आईआईटी में विभिन्न स्नातकोत्तर कार्यक्रमों में लगभग 3,000 सीटों पर सीधे प्रवेश दिया जायेगा। आईआईटी के अलावा इस प्रवेश परीक्षा के स्कोर के माध्यम से आईआईएससी और विभिन्न सीएफटीआई जैसे एनआईटी, डीआईएटी, आईआईईएसटी, आईआईएसईआर पुणे, आईआईएसईआर भोपाल, आईआईपीई, जेएनसीएएसआर और एसएलआईईटी सहित संस्थानों में 2,300 से अधिक सीटों पर प्रवेश प्रदान किया जाएगा।

ज्ञान- विज्ञान और बुद्धि के देवता हयग्रीव

अशोक 'प्रवृद्ध'
स्वतंत्र टिप्पणीकार

पौराणिक मान्यतानुसार श्रावण मास की पूर्णिमा के दिन भगवान विष्णु के 24 अवतारों में से एक हयग्रीव रूप का अवतरण वेदों के उद्धार के लिए हुआ था। इसलिए श्रावण पूर्णिमा के दिन हयग्रीव जयंती मनाई जाती है, और विष्णु के हयग्रीव रूप की पूजा- आराधना की जाती है। यह अवतार ज्ञान, विद्या, कला और ब्रह्मा की रक्षा के लिए प्रकट हुआ था। यही कारण है कि वेदों के पुनरुद्धार हेतु अवतरित भगवान हयग्रीव को विद्या और बुद्धि का प्रतीक माना जाता है। हयग्रीव के रूप में विष्णु को श्रेष्ठ ज्ञान भगवान माना गया है।

भगवान हयग्रीव को बुराईयों को दूर करने तथा धर्म की स्थापना के लिए अवतार लेने वाले संरक्षक देवता के रूप में जाना जाता है। भागवत पुराण, विष्णु पुराण आदि पौराणिक ग्रंथों में अंकित विवरणियों के अनुसार भगवान विष्णु के चौबीस अवतारों में से 16 वें अवतार हयग्रीव का मस्तक अर्थात सिर घोड़े का और शरीर मनुष्य का था। विष्णु के इस अवतार का मस्तक, अश्व अर्थात हय के समान होने के कारण उन्हें हयग्रीव के नाम से जाना जाता है। हय अर्थात घोड़ा। ग्रीव अर्थात मस्तक (सिर), गला। हयग्रीव अर्थात घोड़ा का मस्तक।

इस अवतार में अश्व के सिर को उच्च शिक्षा और ज्ञान का प्रतीक माना गया है। भगवान हयग्रीव का आशीर्वाद सभी को ऊंचाइयों को छूने तथा ज्ञान को अर्जन के लिए प्रेरित करता है। पौराणिक ग्रंथों के अनुसार भगवान विष्णु के अवतार भगवान हयग्रीव मानव के शरीर और घोड़े का सिर, सफेद रंग, सफेद वस्त्र धारण किए हुए सफेद कमल पर विराजमान हैं। हयग्रीव को पुनर्स्थापना के प्रतिनिधित्व के रुप में भी जाना जाता है। विष्णु का यह अवतार उनके गुण, शक्ति, संयोग के लिए उनके अन्य अवतारों से अद्वितीय है। उनके हाथ में तीन शंख है, और वे माला धारण किये हुए है तथा उनका एक हाथ मुद्रा और अपार धन तथा ज्ञान प्रदान करता प्रतीत होता है। देवी सरस्वती के गुरु के रूप में, कला और विज्ञान के दिव्य संरक्षक विष्णु के इस घोड़े के मस्तक अवतार बुद्धि और ज्ञान के सभी रूपों पर शासन करते हैं।

> *"भगवान विष्णु ने कमल मध्य दो जलबिन्दु देखे। एक बिन्दु से मधु और दूसरे से कैटभ की उत्पत्ति हुई। उत्पन्न होते ही दैत्यों ने कमल के मध्य ब्रह्मा को देखा और दोनों ब्रह्मा से सनातन वेदों को ले रसातल में चले गए। वेदों का अपहरण होने पर ब्रह्मा चिन्तित हुए कि वेद ही मेरे चक्षु है। उनके अभाव में लोकसृष्टि मैं कैसे कर सकूंगा? उन्होंने वेदोद्धार के लिए भगवान विष्णु की स्तुति की। स्तुति सुन भगवान ने हयग्रीव की मूर्ति धारण कर वेदों का उद्धार किया।"*

विष्णु ने अपने हयग्रीव रूप में पवित्र वैदिक मंत्रों को संकलित किया, जिसका पाठ वर्तमान में भी वैदिक अग्नि प्रार्थनाओं (यज्ञ) के अभिन्न अंग हैं। यही कारण है कि पवित्र और सांसारिक विषयों दोनों के अध्ययन शुरू करने से पहले हयग्रीव से आशीर्वाद मांगने की परिपाटी है। भगवान विष्णु का यह अवतार उनके गुण, बल, वीरशक्ति (वीर), तेजस (प्रबलता) और ऐश्वर्य (धन) के लिए उनके अन्य अवतारों से अद्वितीय है। हयग्रीव जन्मदिन पर भगवान हयग्रीव को आह्वान कर उनकी पूजा करने से भक्तों के विचार प्रक्रिया में स्पष्टता, समस्याओं को स्पष्ट समझ सकने की शक्ति, विश्लेषणात्मक कौशल और अंतर्ज्ञानी क्षमता में वृद्धि, तीव्र बुद्धि और ज्ञान आदि अनेक लाभ होते हैं। इस दिन हयग्रीव अग्नि प्रार्थना (यज्ञ) करने से विश्लेषणात्मक और अंतर्ज्ञानी बुद्धिमानी में सुधार होता है। उसे पवित्र अग्नि में आमंत्रित करने से सीखने की अक्षमता, स्मृति समस्याएं और तंत्रिका संबंधी विकारों से राहत मिल सकती है। हयग्रीव जयंती के दिन ब्राह्मण समुदाय उपकर्म अर्थात उपाकर्म दिवस और अवनी अवित्तम दिवस भी मनाते है। इस अवसर पर जनेऊ (यज्ञोपवीत) को बदलकर नया जनेऊ धारण करने की परंपरा है। इस दिन भगवान ब्रह्मा की भी पूजा-आराधना की जाती है। ज्ञान प्राप्ति के लिए विद्यार्थी भी हयग्रीव की पूजा करते हैं।

हयग्रीव की कथा महाभारत शान्ति पर्व 347/24-75 में अंकित है। कथा के अनुसार कल्पान्त में पृथ्वी के जलमग्न हो जाने पर विष्णु को पुनः जगत सर्जन का विचार हुआ। वह जगत की विविध विचित्र रचना के विषय में सोचते हुए योगनिद्रा का अवलम्बन कर जल में सो रहे थे। कुछ समय के पश्चात भगवान विष्णु ने कमल मध्य दो जलबिन्दु देखे। एक बिन्दु से मधु और दूसरे से कैटभ की उत्पत्ति हुई। उत्पन्न होते ही दैत्यों ने कमल के मध्य ब्रह्मा को देखा और दोनों ब्रह्मा से सनातन वेदों को ले रसातल में चले गए। वेदों का अपहरण होने पर ब्रह्मा चिन्तित हुए कि वेद ही मेरे चक्षु है। उनके अभाव में लोकसृष्टि मैं कैसे कर सकूंगा? उन्होंने वेदोद्धार के लिए भगवान विष्णु की स्तुति की। स्तुति सुन भगवान ने हयग्रीव की मूर्ति धारण कर वेदों का उद्धार किया। कथा के अनुसार हयग्रीव रूपी श्रीहरि विष्णु ने मधु और कैटभ से युद्ध किया और उन दोनों का वध कर दिया। उन दोनों का वध करने के लिए भगवान शिव ने उन्हें सुदर्शन चक्र प्रदान किया और नारायण ने उसी सुदर्शन चक्र से दोनों असुरों के छह- छह टुकड़े कर दिए। दो सर, दो धड़, चार हाथ और चार पैर। उनके वही टुकड़े पृथ्वी पर गिरे जिससे पृथ्वी की बारह परतों का निर्माण हुआ। उनके टुकड़े (मेद) गिरने से पृथ्वी मेदिनी के नाम से प्रसिद्ध हुई। बाद में हयग्रीव रुपी श्रीहरि ने वेदों को ब्रह्मा को लौटा दिया। मान्यता है कि श्रावण मास की पूर्णिमा के दिन भगवान विष्णु ने हयग्रीव के रूप में अवतार लेकर वेदों को ब्रह्मा के लिए फिर से प्राप्त किया था। भगवान विष्णु के इस अवतार का उद्देश्य राक्षसों द्वारा चुराए गए वेदों को पुनः प्राप्त करना था। यही कारण है कि भगवान हयग्रीव को ज्ञान और बुद्धि के देवता का भी संज्ञा दिया गया है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

700 मुनियों की रक्षा का महा पर्व है रक्षा बंधन

धर्म रक्षा का पावन पर्व है रक्षा बंधन

भागचंद जैन मित्रपुरा
अध्यक्ष, अखिल भारतीय जैन बैंकर्स फोरम, जयपुर।

जैन धर्मावलंबियों द्वारा एक दूसरे का आदर करने, सहायता करने, सुरक्षा करने, संरक्षण प्रदान करने की भावना से मनाया जाता है रक्षाबंधन का पर्व। जैन धर्म के 19 वें तीर्थंकर भगवान मल्लिनाथ स्वामी के समय में हस्तिनापुर में महापद्म नामक चक्रवर्ती का राज्य था। उनकी रानी लक्ष्मी मति और दो पुत्र विष्णुकुमार और पद्म थे। जब राजा महापद्म को सांसारिक भोगों के प्रति वैराग्य हुआ साथ ही दीक्षा लेने का विचार किया और राजा ने अपना राज्य अपने बड़े पुत्र को देने का निश्चय किया, तो विष्णु कुमार ने राज्य लेने से मना कर दिया। विष्णु कुमार ने अपने पिता से पूछा कि आप यह चक्रवर्ती का पद, छह खंड का साम्राज्य, पूरा भरत क्षेत्र क्यों छोड़ रहे हो? तब राजा महापद्म ने कहा कि अब मैं जान गया हूं कि इस संसार में सार नहीं है। तत्वज्ञानी विष्णु कुमार ने पूछा कि जब इस संसार में कोई सार नहीं है और आप स्वयं भी जब इस संसार को छोड़ रहे हैं, तो क्या आपको इस तरह की असार वस्तु को अपने बेटे को भेंट करना चाहिए? जो सच्चे पिता होते हैं, वो अपने बेटे को अच्छी चीज ही देते हैं। पिता से कहा कि इस असार संसार से मुझे भी अब वैराग्य हो गया है और स्वयं भी दीक्षा लेने की अनुमति मांगी। तब राजा महापद्म ने अपने छोटे पुत्र पद्म को पूरा राज्य दे दिया। फिर राजा महापद्म तथा उनके सुपुत्र विष्णु कुमार ने जाकर सागरचन्द्र आचार्य से दीक्षा ले ली। शीघ्र ही महापद्म मुनिराज ने घातिया कर्मो को नष्ट कर केवलज्ञान को प्राप्त कर लिया और फिर मोक्ष में चले गए, लेकिन मुनि विष्णु कुमारजी घनघोर तपस्या में लीन रहे। तपस्या करते-करते उन्हें बहुत सी ऋद्धिया प्राप्त हो गई।

> *"इस तरह ज्ञान चेतना की सर्वोच्च शक्ति को दर्शाने वाले आत्म धर्म के शास्त्रों में परमपूज्य मोक्षगामी विष्णुकुमार मुनिराज की यह अद्भुत कथा जैन शास्त्रों में रक्षाबंधन पर्व के रूप में मनाई जाती है।"*

एक दूसरे घटना क्रम में अवन्ती देश की उज्जयिनी नगरी में राजा श्री वर्मा राज्य करते थे। राजा के यहां चार मंत्री थे- बलि, ब्रहस्पति, प्रह्लाद और शुक्र। इन चारों की धार्मिक मान्यताएं राजा से अलग प्रकार की थी। एक बार परमयोगी दिगम्बर जैन मुनि अकंपनाचार्य अपने सात सौ मुनि शिष्यों के साथ ससंघ उज्जयिनी नगरी आए। तब उज्जयिनी के राजा और सारी प्रजा अष्ट द्रव्य का थाल सजाकर अत्यंत उत्साहपूर्वक मुनिराजों के दर्शन के लिए निकलती है, उसी समय मुनिश्री अकंपनाचार्य को अपने अवधिज्ञान से पता चला जाता है कि इस राज्य के सभी मंत्री दूसरे धर्म को मानने वाले हैं, इसलिए इस राज्य में किसी भी तरह का किसी से भी वार्तालाप, चर्चा या संपर्क मुनिसंघ के हित में नहीं है। इसलिए उन्होंने सारे संघ को मौन धारण करने का आदेश दे दिया। जब राजा और प्रजा ने वहां पर जाकर वंदना करने के पश्चात मुनिराजों से निवेदन किया कि हे ज्ञानवान गुरुवर, हमें धर्म का उपदेश दीजिए, जिससे हम अपने सम्पूर्ण जीवन को सफल बना सकें, लेकिन किसी भी मुनिराज ने कोई भी जवाब नहीं दिया, क्योंकि सब साधु मौन थे, प्रयास करने पर भी किसी भी मुनिराजों ने अपना मौन नहीं खोला, तब इन चारों मंत्रियों ने राजा को बोला कि अरे ये मुनिराज तो निरे अंगूठे-छाप हैं इनको कुछ आता नहीं है।

अगर इन मुनिराजों को कुछ आता होता, तो ये ऐसे मौन नहीं रहते। बस जैन साधु बनने पर इनको सम्मान, भोजन आदि मिल जाता है। यही कारण इनकी जैनेश्वरी दीक्षा लेने का है इसके सिवा कोई और कारण नहीं है, आप इनसे धर्म का स्वरूप पूछ रहे हैं लेकिन ये सब मुनि जानते हैं कि इनको कुछ नहीं आता है। हे राजन, जब आपके साथ हमारे सरीखे इतने विद्वान मंत्री हैं, तो ये कैसे कुछ बोले? अतः ये चुप ही रह रहे हैं और कुछ नहीं बोल रहे हैं। इसके बाद राजा के साथ वे सब नगर की और लौटने लगे। तब रास्ते में इसी संघ के एक श्रुतसागर नामक मुनिराज को आता देख, इन चारो मंत्रियों में से एक मंत्री ने कहा कि अरे देखो, कैसा जवान बैल चला आ रहा है। इन मुनिराज को पता नहीं था कि आचार्य श्री ने सबको मौन रहने आदेश किया है, अतः इन मुनिराज ने मौन व्रत नहीं लिया था इसलिए इन्होंने "स्यात" शब्द बोला, तो राजा को लगा ये साधु तो मौन नहीं है, तब राजा ने इसका अर्थ पूछा। तब मुनिराज बोलते हैं कि इस संसार में भ्रमण करने वाला जीव कभी बैल योनि में भी उत्पन्न हो जाता है, बैल में जवानी की दशा भी बनती है, तो उस भूतपूर्व अवस्था से आपके मंत्रियों ने सही कहा है। तो एक मंत्री ने कहा कि क्या आप पुनर्जन्म मानते हैं? किसने देखा है पुनर्जन्म? जो आंखों से नहीं देखा जा सकता, वो सत्य कैसे हो सकता है? तब मुनिराज तत्काल उत्तर देते हैं कि तुम्हारे माता, पिता की विवाह विधि हुई थी। क्या वो तुमने देखी थी? वो मंत्री कहता है कि हां हुई थी, तब मुनि बोलते हैं कि तुम कैसे कह सकते हो कि विवाह विधि हुई थी। तो मंत्री बोलता है कि हुई तो थी, लेकिन तुम तो बोल रहे हो कि जो आंखों से दिखता है, वही सच होता है। तो मंत्री बोलता है कि मैंने सुना है तो फिर मुनि बोले कि फिर तुम्हारी पहली बात झूठी सिद्ध हो रही है ये सुनते ही उस मंत्री को कुछ जवाब समझ में नहीं आया, तो फिर मुनिराज बोले कि जो हम आत्मा, परमात्मा की धारणा को लेकर चल रहे हैं, वो भी हमने सुनी है, हमने हमारे सद्गुरु से, उन्होंने गणधर परमेष्ठी से, गणधर परमेष्ठी ने उनके गुरु तीर्थंकर भगवान-सर्वज्ञ से ये बात सुनी है। इस तरह अनादिकाल से आजतक यह मान्यता चली आ रही है। इसलिए हम भी उस पर अविश्वास नहीं करते हैं।

इस प्रकार इन मंत्री के पास अब कोई जवाब नहीं था, अतः ये चारों मंत्री उन मुनिराज से परास्त हो गए। जो ज्ञानी महात्मा हैं, जिनको चारों अनुयोगों का ज्ञान है, उन आत्मज्ञानी महापुरुष को कोई जीत नहीं सकता है। वाद-विवाद में उनको कोई पराजित नहीं कर सकता है, जो लोग थोडा बहुत पढ़कर तर्क-वितर्क करने लग जाते हैं, वो अपनी ही बात से खुद ही पराजित हो जाते हैं। इस तरह स्यादवाद के धारक मुनिराज ने सबको पराजित कर दिया और वो सब मंत्रीगण परास्त होकर म्लान मुख हो चले जाते हैं। इसके बाद मुनि श्रुतसागर जी आचार्य अकम्पनाचार्य जी के पास जाते हैं तथा उनको सब मंत्रियों से हुए समस्त वार्तालाप को बता देते हैं कि रास्ते ये घटना हुई तो मुझे थोड़ा सा शास्त्रार्थ करना पड़ा और वो परास्त हो गए। तब आचार्य बोलते हैं कि तुमने मुनि संघ के ऊपर संकट ला दिया है और पुनः उसी स्थान पर चले जाने व कायोत्सर्ग मुद्रा में मौन होकर खड़े हो जाने को कहा। अब इस संकट से बचने का एक मात्र उपाय यही हो सकता है। इस तरह गुरु की आज्ञा की अनजाने में जो भूल हो गई है, उसका भी प्रायश्चित हो जाएगा। तब वे मुनि श्रुतसागर आचार्यश्री को नमस्कार कर चले गए और उसी स्थान पर जाकर कायोत्सर्ग मुद्रा में खड़े हो गए। उधर उन चारों मंत्रियों ने बैठक में विचार किया कि इन साधुओं के कारण हमारी ऐसी बदनामी हुई है, अतः हम अब इन सब मुनियों को मार डालेंगे, तो दूसरा बोला कि सब मुनियों की हत्या करना व्यर्थ है। अंत में निर्णय यह निकलता है कि जिस मुनि के कारण हमको इतनी बदनामी हुई है, उसी मुनि की हत्या करनी चाहिए अतः अब हम रातो-रात उस मुनि को मार डालेंगे। फिर चारो मंत्रीगण रात को उसी मार्ग से निकलते हैं रास्ते में चांदनी रात में श्रुतसागर मुनिराज को कायोत्सर्ग मुद्रा में देख कर पहचान लेते हैं और सोचते हैं कि चलो अच्छा हुआ, हमारा दुश्मन तो यही खड़ा है चारो मंत्रियों ने तलवार उठा ली और जैसे ही वो मारने को होते हैं, तब उस जगह का वन देवता उनके हाथों को कीलित कर देता है, जिससे उनके शरीर जकड़ जाते हैं और वे रात भर इसी मुद्रा में खड़े रह जाते हैं। राजा द्वारा चारो मंत्रियों को देश निकाला सुबह जब जनता मुनिराजो को वंदना के लिए निकलती है, तब रास्ते में इन दुष्टों को मुनिराज को मारने के लिए तलवार उठाए कीलित मुद्रा में देख कर अत्यंत क्रोधित होकर राजा को बताती है तब राजा बहुत कुपित होता है कि इन दुष्टों ने इतना नीचा कार्य करने की कोशिश की फिर राजा उन चारों मंत्रियों को अपमान पूर्वक देश निकाले का दंड देकर अवन्ती देश से निष्काषित कर देते हैं। कहानी का सारांश यही है कि विष्णुकुमार मुनि विक्रिया ऋद्धि से अपना रूप बदल कर वामन का रूप धारण करते हैं और अंत में 700 मुनियों की रक्षा करते हैं।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

रक्षा बंधन

संस्कृति-धर्म रक्षा व वात्सल्य का पर्व

पदम जैन बिलाला
अध्यक्ष, श्री दिगंबर जैन मंदिर, जनकपुरी, ज्योति नगर, जयपुर

श्रावण शुक्ल पूर्णिमा यानि रक्षाबंधन के दिन मुनिराज विष्णु कुमार ने वामन का वेष धारण कर राजा बलि से भिक्षा में तीन पैर धरती मांगी और तीन पग में ही सारा संसार नाप कर 700 मुनियों की रक्षा की और राजा बलि को देश से निकाल दिया। इसी पर्व को जैन समाज एक दूसरे की रक्षा के पर्व या वात्सल्य पर्व के रूप में मनाता आया है। जैन ग्रंथों के अनुसार, उज्जयिनी में श्रीधर्म नाम के राजा के चार मंत्री थे- बलि, बृहस्पति, नमुचि और प्रह्लाद। इन मंत्रियों ने शास्त्रार्थ में पराजित होने के कारण श्रुतसागर मुनिराज पर तलवार से प्रहार का प्रयास किया तो राजा श्रीधर्म ने उन्हें देश से निकाल दिया। चारों मंत्री अपमानित होकर हस्तिनापुर के राजा पद्म की शरण में आ गए। इन्हीं दिनों कुछ समय बाद मुनि अकंपनाचार्य 700 मुनि शिष्यों के संग हस्तिनापुर पहुंचे। बलि को अपने अपमान का बदला लेने का विचार आया। उसने राजा से वरदान के रूप में सात दिन के लिए राज्य मांग लिया। राज्य पाते ही बलि ने मुनि तथा आचार्य के साधना-स्थल के चारों तरफ आग लगवा दी।

धुएं और ताप से ध्यानस्थ मुनियों को अपार कष्ट होने लगा, पर मुनियों ने अपना धैर्य नहीं तोड़ा। बलि राजा ने मुनिराजों पर घोर उपसर्ग किया था और मुनिराजों का आहार-विहार-निहार तक बंद हो गया था, चारों ओर जलाए चर्म की बदबू और धुएं से उनके गले छिल गए थे। वे 700 मुनिराज इस भयंकर उपसर्ग को आत्म साधना के बल पर समता से सहन करने का प्रयास कर रहे थे। उन्होंने प्रतिज्ञा की कि जब तक यह कष्ट दूर नहीं होगा, तब तक वे अन्न-जल का त्याग रखेंगे। वह दिन श्रावण शुक्ल पूर्णिमा का दिन था।

मुनियों पर संकट जानकर मुनिराज विष्णु कुमार ने वामन का वेश धारण किया और बलि के यज्ञ में भिक्षा मांगने पहुंच गए। उन्होंने बलि से तीन पग धरती मांगी। बलि ने दान की हामी भर दी। विष्णु कुमार ने विक्रिया ऋद्धि से शरीर को बहुत अधिक बढ़ा लिया। उन्होंने अपना एक पग सुमेरु पर्वत पर, दूसरा मानुषोत्तर पर्वत पर रखा और अगला पग स्थान न होने से आकाश में डोलने लगा। सर्वत्र हाहाकार मच गया। बलि के क्षमायाचना करने पर मुनिराज अपने स्वरूप में आए। इस तरह हस्तिनापुर में सात सौ मुनियों की उपसर्ग से रक्षा हुई। सभी ने परस्पर रक्षा करने का बंधन बांधा । यह पर्व अकंपनाचार्य आदि 700 मुनिराजों की रक्षा का दिवस होने से वात्सल्य पर्व कहलाता है। सन्तों की रक्षा की स्मृति में रक्षा-बंधन का त्योहार श्रमण संस्कृति में आज तक मनाया जा रहा है।

इस दिन साधु संतों तथा एक दूसरे की रक्षा के संकल्प के लिए धागे बांधे जाते हैं तथा मंदिरों में विधान पूजन के साथ सात सौ मुनिराजों की पूजन कर अर्घ्य चढ़ाए जाते हैं। यह दिन जैन धर्म के ग्यारहवें तीर्थंकर श्रेयांस नाथ का निर्वाण दिवस भी है । समाज जन द्वारा रक्षा बंधन पर्व के दिन निर्वाणोत्सव भी भक्ति भाव के साथ मनाया जाता है। इस दिन जयपुर में सन्तों के सानिध्य में थड़ी मार्केट, मीरा मार्ग, कीर्ति नगर, वरुण पथ, बरकत नगर, दुर्गा पुरा, पदमपुरा आदि स्थानों पर रक्षा बंधन पर्व व मुनि विष्णु कुमार की पूजन के बाद उपसर्ग विजेता सात सो मुनिराजों को नमन करते हुए अर्घ्य समर्पित किए जाएंगे तथा मंदिर जी में देव शास्त्र गुरु के समक्ष रक्षा सूत्र कलाई पर बांधे जाएंगे।

मंदिरों में मुनियों की भक्ति में भक्ति संध्या जैसे कई कार्यक्रम आयोजित होंगे। पार्श्वनाथ मंदिर सोनियांन, जनकपुरी , चूलगिरि, जग्गा की बावड़, सांवलाजी आमेर और नटाटा सहित कई मंदिरों में विशेष कार्यक्रम होंगे।

शायर जां निसार अख्तर स्मृति दिवस

जिंदगी ये तो नहीं तुझ को संवारा ही न हो...

ज़ाहिद ख़ान
स्वतंत्र टिप्पणीकार

जां निसार अख्तर, तरक्की पसंद तहरीक से निकले वे हरफनमौला शायर हैं, जिन्होंने न सिर्फ शानदार गजलें लिखीं, बल्कि नज्में, रुबाइयां, कितआ और फिल्मी नग्में भी उसी दस्तरस के साथ लिखे। सरल और आसान जबान में बड़ी बात कहने का हुनर उनमें था। आम आदमी को भी उनकी शायरी समझ में आ जाती थी। तमाम तरक़्क़ीपसंद शायरों के साथ जां निसार अख्तर ने भी शायरी को रिवायती रूमानी दायरे से बाहर निकालकर, जिंदगी की तल्ख सच्चाईयों से जोड़ा।

उनकी शायरी में इंक़लाबी अनासिर तो हैं ही, साम्राज्यवाद और सरमायेदारी की भी मुखालफत है। वतन—परस्ती और क़ौमी-यकजेहती पर भी उन्होंने कई बेहतरीन नज्में लिखी। ''मैं उनके गीत गाता हूं, मैं उनके गीत गाता हूं/जो शाने पर बगावत का अलम लेकर निकलते हैं।'' दूसरी आलमी जंग, देश की आर्थिक दुर्दशा और तमाम तात्कालिक घटनाक्रमों पर भी उन्होंने नज्में, गजलें कहीं। जां निसार अख्तर साम्प्रदायिक सौहार्द के कट्टर हिमायती थे। उनकी कई नज्में इस मौज़ूअ पर हैं। ''एक है अपना जहां/एक है अपना वतन/अपने सभी सुख एक हैं/अपने सभी गम एक हैं/आवाज दो हम एक हैं।''

जां निसार अख्तर तरक़्क़ीपसंद शायरी के सुतून थे, लेकिन उनकी शायरी में सिर्फ एहतिजाज या बगावत के ही जज्बात नहीं है, इश्क-मुहब्बत के नर्म, नाजुक एहसास भी शामिल हैं। गर उनकी वो शायरी देखें, तो वे एक रूमानी लहजे के शायर नजर आते हैं। इस शायरी को पढ़ने के बाद कोई कह ही नहीं सकता कि उन्होंने द्वंद्वात्मक भौतिकवाद जैसे नीरस विषय पर भी नज्में कही होंगी। ''अशआर मेरे यूं तो जमाने के लिए हैं/कुछ शे'र फकत उनको सुनाने के लिए हैं।'', 'हम से पूछो कि गजल क्या है गजल का फन क्या/चंद लफ्जों में कोई आग छुपा दी जाए।'' जां निसार अख्तर की गजलों, नज्मों की कई किताबें शाया हुईं। 'खाक-ए-दिल', 'खामोश आवाज', 'तनहा सफर की रात', 'जां निसार अख्तर-एक जवान मौत', 'नजर-ए-बुतां', 'सलासिल', 'तार-ए-गरेबां', 'पिछले पहर', 'घर-आंगन' (रुबाईयां) उनकी अहम किताबें हैं। जां निसार अख्तर का एक अहम कारनामा 'हिंदुस्तान हमारा' है। दो वॉल्यूम में शाया हुई इस किताब पर उन्होंने प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू के कहने पर काम किया था। किताब तीन सौ सालों की हिंदुस्तानी शायरी का अनमोल सरमाया है। वतन-परस्ती, कौमी-यकजेहती के साथ-साथ इस किताब में मुल्क की कुदरत, रिवायत और उसके अजीम माजी को उजागर करने वाली गजलें, नज्में शामिल हैं। हिंदोस्तानी त्यौहार, तहजीब, दुनिया भर में मशहूर मुल्क के ऐतिहासिक स्थल, मुख्तलिफ शहरों, आजादी के रहनुमाओं, देवी-देवताओं यानी हिंदुस्तान की वे सब बातें, वाक़ियात या किरदार जो हमारे मुल्क को अजीम बनाती हैं, से संबंधित शायरी सब एक जगह मौजूद है। वाक़ई यह एक अहमतरीन काम है। जिसे कोई दृष्टि संपन्न लेखक, संपादक ही मुमकिन कर सकता था। इस किताब के जरिए उर्दू शायरी का एक ऐसा चेहरा सामने आता है, जो अभी तक छिपा हुआ था। भारत की गंगा-जमुनी तहजीब को बनाने-बढ़ाने में उर्दू शायरी ने जो योगदान दिया है, यह किताब सामने लाती है।

> *"दो वॉल्यूम में शाया हुई इस किताब पर उन्होंने प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू के कहने पर काम किया था। किताब तीन सौ सालों की हिंदुस्तानी शायरी का अनमोल सरमाया है।"*

साहिर लुधियानवी से जां निसार अख्तर का गहरा याराना था। मुंबई में उन्होंने अपना ज्यादातर वक्त साहिर के साथ ही गुजा रा। साल 1955 में आई फिल्म 'यासमीन' से जां निसार अख्तर के फिल्मी करियर की शुरुआत हुई। उन्होंने तक़रीबन अस्सी फिल्मों में गीत लिखे। जिनमें उनकी अहम फिल्में हैं 'अनारकली', 'सुशीला', 'रुस्तम सोहराब', 'प्रेम पर्वत', 'त्रिशूल', 'रजिया सुल्तान', 'नूरी' आदि। संगीतकार खय्याम के लिए जां निसार अख्तर ने शानदार गीत लिखे। अपनी जिंदगी में जां निसार अख्तर ने कभी किसी से कोई शिकवा नहीं किया। ''जिंदगी ये तो नहीं तुझ को संवारा ही न हो/कुछ न कुछ हमने तिरा कर्ज उतारा ही न हो।'' 19 अगस्त, 1976 को जिंदगी का कर्ज उतारकर, जां निसार अख्तर इस जहां से उस जहां के लिए रुख़सत हो गए, जहां से लौटकर फिर कभी कोई वापस नहीं आता।

X

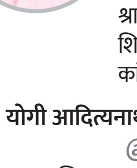

भजनलाल शर्मा, मुख्यमंत्री, राजस्थान
@BhajanLalBJP
"श्रद्धा व आस्था का सम्मान,
राजस्थान की नई पहचान"
देवाधिदेव महादेव की उपासना को समर्पित पवित्र श्रावण मास के आखिरी सोमवार के अवसर पर शिवालयों में विशेष रूप से पूजा-अर्चना की जाएगी एवं कांवडियों द्वारा शिवालयों में जलाभिषेक किया जाएगा।

योगी आदित्यनाथ, मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश
@myogiadityanath
69,000 शिक्षक भर्ती प्रकरण में सरकार का स्पष्ट मत है कि संविधान द्वारा प्रदत्त आरक्षण की सुविधा का लाभ आरक्षित श्रेणी के अभ्यर्थियों को प्राप्त होना ही चाहिए।

कई केंद्रीय मंत्रालयों में नौकरशाहों की सीधी भर्ती: कांग्रेस समेत कई विपक्षी दलों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर साधा निशाना

यूपीएससी की जगह आरएसएस से भर्ती कर रही सरकार: राहुल गांधी

एजेंसी | नई दिल्ली

संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) की लैटरल एंट्री (सीधी भर्ती)के जरिए संयुक्त सचिव, उप सचिव और निदेशक स्तर के 45 पदों पर भर्ती की योजना को लेकर कांग्रेस समेत कई विपक्षी दलों ने केंद्र सरकार पर निशाना साधा है। ये भर्तियां अनुभव और काम के आधार पर होनी हैं। कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी, राजद नेता तेजस्वी यादव और बसपा प्रमुख मायावती ने

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर एक बार फिर निशाना साधा। राहुल गांधी ने कहा कि यह सरकार बड़े पदों पर भर्ती संघ लोक सेवा आयोग की जगह राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) से कर रही है।

राहुल गांधी ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि नरेंद्र मोदी संघ लोक सेवा आयोग की जगह राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के जरिए लोकसेवकों की भर्ती कर संविधान पर हमला कर रहे हैं। केंद्र सरकार के विभिन्न मंत्रालयों में महत्वपूर्ण पदों पर लेटरल एंट्री(सीधी भर्ती) के जरिए भर्ती कर खुलेआम एससी, एसटी और ओबीसी वर्ग का आरक्षण छीना जा रहा है।

प्रतिभाशाली युवाओं के हक पर डाका

उन्होंने कहा, मैंने हमेशा कहा है कि टॉप ब्यूरोक्रेसी समेत देश के सभी शीर्ष पदों पर वंचितों का प्रतिनिधित्व नहीं है, उसे सुधारने के बजाय लेटरल एंट्री द्वारा उन्हें शीर्ष पदों से और दूर किया जा रहा है। यह यूपीएससी की तैयारी कर रहे प्रतिभाशाली युवाओं के हक पर डाका और वंचितों के आरक्षण समेत सामाजिक न्याय की परिकल्पना पर चोट है।

सीधी भर्ती में आरक्षण का प्रावधान नहीं

बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने कहा है कि इन भर्तियों में किसी प्रकार के आरक्षण का प्रावधान नहीं है। अगर यूपीएससी के जरिए भर्ती होती है तो इसमें एससी, एसटी और ओबीसी को आरक्षण देना होता है। उन्होंने कहा, केंद्र की मोदी सरकार बाबा साहेब के लिखे संविधान और आरक्षण के साथ घिनौना मजाक कर रही है। यह विज्ञापन उसकी ही छोटी सी बानगी है। उन्होंने साथ में विज्ञापन की तस्वीर भी पोस्ट की। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार का यह बहुत ही व्यवस्थित, योजनाबद्ध और शातिराना तरीका है जिससे की आरक्षण को खत्म किया जा सके।

मायावती ने भी किया विरोध

बसपा प्रमुख मायावती ने भी यूपीएससी के इस विज्ञापन का विरोध किया है और कहा है कि इससे नीचे के पदों पर काम कर रहे कर्मचारियो को पदोन्नति से वंचित होना पड़ेगा। ज्ञात रहे इन पदों पर पहुंचने के लिए आईएएस अधिकारी को भी लंबे समय तक काम करना पड़ता है। वहीं इस भर्ती के जरिए बिना परीक्षा के ही लोगों को इन पदों पर भर्ती किया जाएगा।

उद्धव के साथ रहते तो भी पार्टी टूट जाती: शिंदे

नई दिल्ली। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने 2022 में उद्धव ठाकरे से अलग होने के अपने फैसले को बिल्कुल सही कदम बताया है। उन्होंने दावा किया कि अगर वह उनके साथ रहते तो पार्टी टूट जाती और यहां तक कि चुनाव चिन्ह 'धनुषबाण' भी नष्ट हो जाता। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार शिंदे ने आगे कहा कि पार्टी प्रमुख का काम अपने कार्यकर्ताओं के पीछे खड़ा होना है क्योंकि वे ही पार्टी को मजबूत करते हैं। यह पूछे जाने पर कि क्या उन्हें कभी अपने इस कदम के लिए दोषी महसूस हुआ, शिंदे ने कहा, क्योंकि परिस्थितियां ही ऐसी बनाई गई थीं। अगर हम उनके साथ वहां रहते, तो पार्टी टूट जाती, पार्टी खत्म हो जाती। उन्होंने कहा, अगर पार्टी के कार्यकर्ता ही नहीं रहेंगे, तो पार्टी कैसे बचेगी?

यूपी उपचुनाव: आजाद ने घोषित किए तीन प्रत्याशी

लखनऊ। आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) ने 10 सीटों पर होने वाले विधानसभा उपचुनाव के लिए तीन प्रत्याशियों की घोषणा कर दी है। पार्टी अध्यक्ष एवं सांसद चंद्रशेखर आजाद के निर्देश पर गाजियाबाद सदर सीट से चौधरी सतपाल, मुजफ्फरनगर की मीरापुर सीट से जाहिद हसन और मिर्जापुर की मझवां सीट से धीरज मौर्या को प्रत्याशी बनाया है। पार्टी द्वारा जल्द बाकी सात सीटों पर भी प्रत्याशियों के नाम की घोषणा की जाएगी। यह जानकारी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष सुनील कुमार चित्तौड़ ने दी। वहीं दूसरी ओर बसपा ने भी दो सीटों पर प्रभारी घोषित किए हैं, जिन्हें प्रत्याशी बनाया जा सकता है। पार्टी ने अयोध्या की मिल्कीपुर सीट से रामगोपाल कोरी और मीरापुर सीट से शाह नजर को प्रभारी बनाया है।

कर्नाटक: एमयूडीए भूमि घोटाला मामले में सियासी घमासान तेज

कांग्रेस का केंद्रीय नेतृत्व सिद्धारमैया के साथ, कानूनी लड़ाई की तैयारी

एजेंसी | बेंगलुरु

मैसूर शहरी विकास प्राधिकरण (एमयूडीए) भूमि घोटाला मामले में कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया के खिलाफ मुकदमा चलाने की राज्यपाल थावरचंद गहलोत की अनुमति के बाद राज्य में सियासी घमासान जारी है। सीएम सिद्धारमैया ने 22 अगस्त को कांग्रेस विधायक दल (सीएलपी) की बैठक बुलाई है। बैठक विधान सौदा के कॉन्फ्रेंस हॉल में करने का फैसला लिया है। सूत्रों ने बताया कि मुख्यमंत्री कांग्रेस विधायकों को मामले के तथ्यों से अवगत कराएंगे और कानूनी और राजनीतिक रूप से मामले से लड़ने की रणनीति तैयार करेंगे। दूसरी ओर कांग्रेस के केंद्रीय नेतृत्व की ओर से राज्य के उप मुख्यमंत्री और प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष डीके शिवकुमार को स्पष्ट संदेश दिया गया है कि इस वक्त वह सीएम सिद्धारमैया के साथ खड़े रहें। सूत्रों के अनुसार कांग्रेस के केंद्रीय नेतृत्व ने इस मुद्दे पर पहले ही सीएम और डिप्टी सीएम के साथ चर्चा कर ली थी क्योंकि पार्टी को इस बात का अंदाजा था कि राज्यपाल मुख्यमंत्री के खिलाफ मुकदमा चलाने की मंजूरी दे सकते हैं। सीएम हाउस के एक सूत्र ने बताया कि विधायक दल की बैठक एमयूडीए घटनाक्रम से संबंधित है। मुख्यमंत्री कांग्रेस विधायकों को इस मामले के तथ्यों के बारे में जानकारी देंगे और कानूनी व राजनीतिक रूप से लड़ने की रणनीति तैयार करेंगे। वहीं, राज्य के सूचना प्रौद्योगिकी और जैव प्रौद्योगिकी मंत्री प्रियांक खरगे ने कहा, चूंकि राज्यपाल की भूमिका के बारे में भारी हंगामा हो रहा है। इसलिए हमें अपने लोगों को अवगत कराने की जरूरत है। आखिरकार वे जनता के प्रतिनिधि हैं। 136 विधायकों को यह जानने की जरूरत है कि क्या हो रहा है। ज्ञात रहे कि राज्यपाल गहलोत ने तीन व्यक्तियों की शिकायतों पर कार्रवाई करते हुए सिद्धारमैया के खिलाफ मुकदमा चलाने की अनुमति दी है।

हाई कोर्ट में आज होगी याचिका दायर

इसके साथ ही पार्टी ने राज्यपाल की मुकदमा चलाने की अनुमति के खिलाफ सोमवार को हाईकोर्ट में याचिका दायर करने का फैसला किया गया है। सूत्रों ने बताया कि सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक मनु सिंघवी और कपिल सिब्बल सीएम की ओर से याचिका दायर करेंगे। सिंघवी और कपिल सिब्बल 19 अगस्त की सुबह बेंगलुरु पहुंचेंगे और सिद्धारमैया के साथ लंबी चर्चा करेंगे।

प्रदेशभर में प्रदर्शन और रैलियां आज

पार्टी ने इस मामले को लेकर 19 अगस्त को प्रदेशभर में प्रदर्शन करने का फैसला किया है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष और उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार ने रविवार को कहा कि विरोध रैलियां राज्य भर के सभी जिला मुख्यालयों पर आयोजित की जाएंगी। पार्टी के सभी नेता और कार्यकर्ता इसमें भाग लेंगे। उन्होंने पार्टी नेताओं को शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन करने और यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है कि असामाजिक तत्व रैलियों में घुसपैठ न करें और परेशानी पैदा न करें।

पिछड़े वर्ग से आते हैं सिद्धारमैया

सूत्रों के अनुसार राज्यपाल के फैसले के बाद कर्नाटक कांग्रेस में निश्चित रूप से उथल-पुथल का माहौल है। दिल्ली में कांग्रेस का केंद्रीय नेतृत्व सिद्धारमैया को बदलना नहीं चाहता क्योंकि वह कांग्रेस में पिछड़े वर्ग से आने वाले दिग्गज नेताओं में से एक हैं और ऐसे वक्त में जब कांग्रेस ओबीसी समुदाय के राजनीतिक हक और हिस्सेदारी की मांग को जोर-शोर से उठा रही है, सिद्धारमैया को बदले जाने से पार्टी को राजनीतिक रूप से नुकसान हो सकता है। ज्ञात रहे कि सिद्धारमैया कर्नाटक में कुरूबा समुदाय से आते हैं और यह ओबीसी के अंदर सबसे बड़ा जातीय समूह है। इसके अलावा सिद्धारमैया को अभी मुख्यमंत्री बने हुए सवा साल का ही वक्त हुआ है।

OBC कार्ड के जरिये जवाब देगी कांग्रेस

कांग्रेस की ओर से इस तरह के भी संकेत हैं कि वह भाजपा की ओर से मुख्यमंत्री सिद्धारमैया पर लगाए गए आरोपों के जवाब में ओबीसी कार्ड खेलेगी। कांग्रेस ने कहा है कि भाजपा पिछड़े वर्ग से आने वाले एक मुख्यमंत्री को निशाना बनाने की कोशिश कर रही है। कर्नाटक में कांग्रेस के प्रभारी और पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव रणदीप सुरजेवाला ने कहा है कि राज्यपाल का कदम गरीबों, पिछड़ों, एससी-एसटी और वंचित वर्ग के लोगों के खिलाफ भाजपा और मोदी सरकार की साजिश है और ऐसा पीएमओ और गृह मंत्रालय के इशारे पर कर्नाटक के लोगों और वहां की चुनी हुई सरकार के खिलाफ किया जा रहा है।

राजभवन से मिली विधेयक को मंजूरी

उत्तराखंड आंदोलनकारियों और आश्रितों को नौकरी में 10 प्रतिशत आरक्षण

एजेंसी | देहरादून

उत्तराखंड राज्य आंदोलनकारियों और उनके आश्रितों को नौकरी में 10 प्रतिशत क्षैतिज आरक्षण विधेयक को राजभवन की मंजूरी मिल गई है। इसी साल फरवरी में धामी सरकार ने प्रवर समिति की सिफारिशों को मानते हुए विधेयक को कुछ संशोधन के बाद राजभवन भेजा था। विधेयक को मंजूरी मिलने से 11 हजार से अधिक राज्य आंदोलनकारियों और उनके आश्रितों को इसका लाभ मिलेगा। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा, सरकार राज्य आंदोलनकारियों के संघर्ष और बलिदान को कभी भूल नहीं सकती। उन्हें सुविधाएं देना शीर्ष प्राथमिकता में है।

चिह्नित राज्य आंदोलनकारियों या उसके एक आश्रित सदस्य को सरकारी सेवा में क्षैतिज आरक्षण का लाभ मिले इसके लिए सरकार ने 8 सितंबर 2023 को सदन में विधेयक पेश किया था, लेकिन कुछ सदस्यों ने विधेयक के प्रावधानों में कुछ संशोधन के लिए इसे प्रवर समिति को भेजने की मांग की थी। सदस्यों की मांग पर स्पीकर ने विधेयक को प्रवर समिति को भेज दिया था।

6 फरवरी 2024 को विधेयक प्रवर समिति की सिफारिशों को शामिल करते हुए पारित किया गया। मुख्यमंत्री धामी ने हाल ही में इस मसले पर राजभवन में बात की थी। जिसके बाद अब विधेयक को मंजूरी मिली है। हाईकोर्ट ने मार्च 2018 में राज्य आंदोलनकारियों के लिए सरकारी सेवा में क्षैतिज आरक्षण को असंवैधानिक घोषित कर दिया था।

यूपी शिक्षक भर्ती : नईसूची बनाने की तैयारी शुरू

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में 69000 शिक्षक भर्ती मामले में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार शाम शिक्षा अधिकारियों के साथ बैठक की। बैठक के बाद सीएम योगी ने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि सरकार का स्पष्ट मत है कि संविधान द्वारा प्रदत आरक्षण का लाभ आरक्षित श्रेणी के अभ्यर्थियों को मिलना ही चाहिए। साथ ही किसी भी अभ्यर्थी के साथ अन्याय नहीं होना चाहिए। सीएम के इस बयान के बाद इस बात की अटकलें लगनी शुरू हो गई हैं कि सरकार द्वारा नई सूची बनाई जा सकती है।

झारखंड में गरमाई सियासत: पूर्व मुख्यमंत्री की नाराजगी का सुर हुआ मुखर, कहा...

JMM में मेरा अपमान हुआ, सभी विकल्प खुले: चंपई सोरेन

एजेंसी | नई दिल्ली/ रांची

भाजपा में शामिल होने की अटकलों के बीच पूर्व मुख्यमंत्री चंपई सोरेन ने झारखंड मुक्ति मोर्चा (जेएमएम) से अपनी नाराजगी जाहिर कर दी है। उन्होंने सोशल मीडिया मंच एक्स पर खुला पत्र लिख कर कहा है कि इस वक्त उनके पास तीन विकल्प हैं जिनमें से वह कोई भी विकल्प चुन सकते हैं। उनके इस खुले पत्र के साथ ही झारखंड से लेकर दिल्ली तक सियासी हलचल तेज हो गई है। इस बीच चंपई सोरेन शनिवार शाम कुछ विधायकों संग दिल्ली पहुंच गए।

गिनाए ये तीन विकल्प

- राजनीति से संन्यास
- अपना अलग संगठन बनाना
- अगर इस रास्ते पर कोई साथी मिले तो उसके साथ आगे का सफर तय करना

चंपई सोरेन ने एक्स पर अपनी पोस्ट में लिखा कि अपने अपमान और तिरस्कार के बाद मुझे वैकल्पिक रास्ता तलाशने पर मजबूर होना पड़ा। भारी मन से मैंने विधायक दल की बैठक में कहा कि आज से मेरे जीवन का एक नया अध्याय शुरू होने जा रहा है। इसमें मेरे पास तीन विकल्प थे। पहला, राजनीति से संन्यास लेना, दूसरा अपना अलग संगठन बनाना और तीसरा अगर इस रास्ते पर कोई साथी मिले तो उसके साथ आगे का सफर तय करना।

चंपई ने अपनी पोस्ट में जेएमएम से नाराजगी की वजह बताई है। उन्होंने आरोप लगाया कि हेमंत सोरेन के जेल से बाहर आने के बाद बतौर सीएम उनके कार्यक्रमों को उन्हें बिना बताए रद्द कर दिया गया और जब उन्होंने इस बारे में सवाल किया तो उन्हें बताया गया कि 3 जुलाई को विधायक दल की बैठक बुलाई गई है और उस बैठक तक वह बतौर सीएम किसी भी कार्यक्रम में नहीं जा सकते।

उन्हें सिर्फ कुर्सी से मतलब

पूर्व मुख्यमंत्री ने हेमंत सोरेन पर निशाना साधते हुए चंपाई सोरेन ने आगे लिखा, पिछले तीन दिनों से हो रहे अपमानजनक व्यवहार से भावुक होकर मैं आंसुओं को संभालने में लगा था, लेकिन उन्हें सिर्फ कुर्सी से मतलब था। मुझे ऐसा लगा, मानो उस पार्टी में मेरा कोई वजूद ही नहीं है, कोई अस्तित्व ही नहीं है, जिस पार्टी के लिए हम ने अपना पूरा जीवन समर्पित कर दिया।

विधायक दल का एजेंडा तक नहीं बताया

सोरेन ने कहा, कहने को तो विधायक दल की बैठक बुलाने का अधिकार मुख्यमंत्री का होता है, लेकिन मुझे बैठक का एजेंडा तक नहीं बताया गया था। बैठक के दौरान मुझ से इस्तीफा मांगा गया। मैं आश्चर्यचकित था, लेकिन मुझे सत्ता का मोह नहीं था, इसलिए मैंने तुरंत इस्तीफा दे दिया, लेकिन आत्म-सम्मान पर लगी चोट से दिल भावुक था।

वैकल्पिक रास्ता तलाशने पर मजबूर

चंपई सोरेन ने एक्स पर लिखा कि इतने अपमान और तिरस्कार के बाद मुझे वैकल्पिक रास्ता तलाशने पर मजबूर होना पड़ा। भारी मन से कहा कि आज से मेरे जीवन का एक नया अध्याय शुरू होने जा रहा है। इसमें मेरे पास तीन विकल्प थे। पहला, राजनीति से संन्यास लेना, दूसरा अपना अलग संगठन बनाना और तीसरा अगर इस रास्ते पर कोई साथी मिले तो उसके साथ आगे का सफर तय करना।

जम्मू-कश्मीर की चिट्ठी

कांग्रेस में नहीं जाएंगे गुलाम नबी आजाद, जुल्फिकार ने थामा भाजपा का दामन

एजेंसी | श्रीनगर

जम्मू-कश्मीर में चुनावों की घोषणा के साथ ही सियासी सरगर्मी तेज हो गई हैं और नेताओं के पाला बदलने का सिलसिला भी शुरू हो गया है। एक ओर जहां पूर्व मुख्यमंत्री व डेमोक्रेटिक प्रोगेसिव आजादी पार्टी (डीपीएपी) के प्रमुख गुलाम नबी आजाद ने रविवार को इन अटकलों को खारिज कर दिया कि वह कांग्रेस में वापसी कर रहे हैं। वहीं, एक अन्य सियासी घटनाक्रम में जम्मू-कश्मीर अपनी पार्टी के नेता और पूर्व मंत्री चौधरी जुल्फिकार अली ने रविवार को अपने समर्थकों के साथ भाजपा का दामन थाम लिया है। जुल्फिकार अली रविवार को भाजपा नेता

डॉ जितेंद्र सिंह, जी किशन रेड्डी, तरुण चुघ और रविंदर रैना की मौजूदगी में भाजपा में शामिल हुए। जुल्फिकार अली ने कहा कि मैं भाजपा और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की योजनाओं से प्रभावित हुआ हूं। इसलिए आज मैं बीजेपी में शामिल हुआ हूं। मुझे उम्मीद है कि भाजपा अपने बल पर जम्मू-कश्मीर में सरकार बनाएगी। ज्ञात रहे कि जम्मू कश्मीर के राजौरी -पुंछ क्षेत्र के कद्दावर नेता जुल्फिकार ने शनिवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की थी।

बुधल से चुनाव लड़ सकते हैं जुल्फिकार

दरहाल विधानसभा क्षेत्र (परिसीमन के बाद बुधल का नाम बदल दिया गया) से दो बार विधायक रहे चौधरी जुल्फिकार अली अब संभवत: भाजपा के टिकट पर बुधल से विधानसभा चुनाव लड़ेंगे और उनकी नजर हिंदू मतदाताओं पर है, जो परिसीमन के बाद इस क्षेत्र में शामिल हुए हैं। अली का सीधा मुकाबला उनके भतीजे जावेद इकबाल चौधरी से होने की संभावना है जो आईएएस अधिकारी शाहिद इकबाल चौधरी के भाई हैं।

आजाद से कांग्रेस नेताओं ने नहीं किया संपर्क, सारी अटकलें अफवाह: निजामी

डीपीएपी के मुख्य प्रवक्ता सलमान निजामी ने रविवार को कहा कि पिछले दो हफ्ते से जम्मू-कश्मीर के कांग्रेस नेताओं द्वारा यह अफवाह फैलाई जा रही है कि गुलाम नबी आजाद फिर से कांग्रेस में शामिल हो रहे हैं और अपनी पार्टी का भी विलय करेंगे। यह भी दावा किया गया कि कांग्रेस के केंद्रीय नेतृत्व ने आजाद से कांग्रेस पार्टी में शामिल होने के लिए संपर्क किया था। निजामी ने कहा, डीपीएपी के मुख्य प्रवक्ता के तौर पर मैं पार्टी अध्यक्ष की ओर से यह स्पष्ट करना चाहता हूं कि जब से आजाद ने कांग्रेस पार्टी छोड़ी है, तब से न तो आजाद ने किसी कांग्रेस नेता से संपर्क किया है और न ही किसी कांग्रेस नेता ने कभी आजाद से सीधे या टेलीफोन पर संपर्क किया है। उन्होंने कहा कि आजाद को लेकर सभी अफवाहें पूरी तरह से निराधार और झूठी हैं, जो केवल भ्रम पैदा करने और हमारी पार्टी को तोड़ने के लिए हैं। आजाद ने हमारी पार्टी के सभी नेताओं और कार्यकर्ताओं से अनुरोध किया है कि वे इस जाल में न फंसें।

अकेले लड़ेगी BJP, 8-10 निर्दलीयों को समर्थन

दूसरी ओर विधानसभा चुनावों को लेकर भाजपा की रविवार को जम्मू में हुई एक बैठक में आगे की योजना पर मंथन किया गया। भाजपा ने दावा किया है कि वह जम्मू-कश्मीर में अकेले अपने दम पर चुनाव लड़ेगी। हालांकि कुछ सीटों पर निर्दलीय उम्मीदवारों का समर्थन करेगी। जम्मू-कश्मीर प्रदेश भाजपा अध्यक्ष रविंद्र रैना ने दावा किया कि चुनाव बाद राज्य में हम सरकार बनाएंगे। पार्टी चुनाव लड़ने के लिए पूरी तरीके से तैयार है। बैठक से पहले रैना ने कहा कि जम्मू कश्मीर में भाजपा पूरी तरीके से चुनाव लड़ने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जम्मू- कश्मीर के विकास के लिए पिछले 10 सालों में बहुत काम किया है। उन्होंने कहा कि हम किसी राजनीतिक पार्टी के साथ गठबंधन में चुनाव नहीं लड़ेंगे, लेकिन कश्मीर घाटी की 8 से 10 सीट ऐसी होंगी, जहां पर हम निर्दलीय उम्मीदवारों का समर्थन करेंगे। नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेता उमर अब्दुल्ला के बारे में पूछे गए एक सवाल पर रैना ने कहा कि उन्हें पता है कि उनकी पार्टी चुनाव हार रही है। साथ चौधरी जुल्फिकार अली के भाजपा में शामिल होने पर रैना ने कहा, वह जम्मू-कश्मीर के बड़े नेता हैं, हम उनका स्वागत करते हैं। उनके पार्टी में शामिल होने से भाजपा को मजबूती मिलेगी।

जरूरी खबर

जजपा के एक और विधायक ने छोड़ी पार्टी

चंडीगढ़। हरियाणा विधानसभा चुनाव की घोषणा के बाद जननायक जनता पार्टी (जजपा) को सियासी झटके लगना जारी है। पार्टी के बरवाला से विधायक जोगीराम सिहाग ने भी जजपा से इस्तीफा दे दिया है। इससे पहले पार्टी के चार विधायक उसका साथ छोड़ गए हैं। जजपा पहले ही जोगी राम सिहाग और रामनिवास सुरजाखेड़ा को अयोग्य करार देने का पत्र विधानसभा अध्यक्ष को लिख चुकी है। इससे पहले उकलाना से विधायक अनूप धानक, टोहाना से देवेंद्र बबली, गुहला चीका से विधायक ईश्वर सिंह और शाहबाद से विधायक रामकरण काला ने इस्तीफा दिया था। सूत्रों के अनुसार जोगी राम सिहाग को भाजपा की ओर से बरवाला से टिकट मिलना तय माना जा रहा है। लोकसभा चुनाव में सिहाग व राम निवास ने भाजपा के पक्ष में प्रचार किया था।

सीएए के तहत नागरिकता देने पर सरकार दृढ़: शाह

अहमदाबाद। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को नए नागरिकता संशोधन अधिनियम (सीएए) के तहत अहमदाबाद में 188 पाकिस्तानी हिंदुओं को भारत की नागरिकता प्रदान की। इस अवसर पर शाह ने कहा कि सरकार पड़ोसी देशों के हिंदू, जैन, बौद्ध और सिखों सहित उत्पीड़ित अल्पसंख्यकों को नागरिकता प्रदान करने के लिए दृढ़ है। उन्होंने कांग्रेस के नेतृत्व वाले इंडिया ब्लॉक की तुष्टीकरण की राजनीति की भी आलोचना की। अमित शाह ने कहा, सीएए लोगों को उनके अधिकार और न्याय देने की एक पहल है। कांग्रेस पार्टी ने 2014 तक कभी लोगों को उनका अधिकार नहीं दिया।

मरीज के साथियों ने महिला डॉक्टर से की हाथापाई

मुंबई। कोलकाता में महिला डॉक्टर के रेप और हत्या के विरोध में देशभर में जारी आंदोलन के बीच, मुंबई में एक महिला डॉक्टर के साथ बदसलूकी की घटना सामने आई है। शराब के नशे में पहुंचे एक मरीज और उसके साथी ने रविवार महिला डॉक्टर पर हमला किया। घटना मुंबई के एक नामी हॉस्पिटल की बताई गई है। हमले की शिकार महिला डॉक्टर के मुताबिक मामला सुबह करीब 3.30 का है, जब वह वार्ड में ड्यूटी पर थीं। हमले के आरोपी मरीज के चेहरे पर चोट लगी थी। वह इसी का इलाज कराने के लिए अस्पताल में आया हुआ था।

करुणानिधि को किया याद... 100 रुपए का स्मारक सिक्का जारी

चेन्नई। तमिलनाडु में सत्तारूढ़ द्रविड़ मुनेत्र कषगम के पूर्व अध्यक्ष एम करुणानिधि की रविवार को 100वीं पुण्यतिथि मनाई गई। इस अवसर पर चेन्नई में आयोजित एक कार्यक्रम में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने राजनाथ सिंह ने करुणानिधि के पुत्र और तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन की उपस्थिति में 100 रुपए का स्मारक सिक्का जारी किया। सिंह ने कार्यक्रम में अपने संबोधन में करुणानिधि की प्रशंसा की और उन्हें भारतीय राजनीति का एक

तटरक्षक बल के महानिदेशक राकेश पाल का निधन

चेन्नई। भारतीय तटरक्षक बल के महानिदेशक राकेश पाल का चेन्नई में दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया है। पाल तटरक्षक बल का 25वें महानिदेशक थे। भारतीय नौसेना अकादमी के छात्र रहे राकेश पाल जनवरी 1989 में भारतीय तटरक्षक बल में शामिल हुए थे। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और तमिलनाडु के सीएम एमके स्टालिन ने चेन्नई में राकेश पाल को अंतिम श्रद्धांजलि अर्पित की। अधिकारियों ने बताया कि पाल को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के साथ भारतीय तटरक्षक बल के एक कार्यक्रम में शामिल होना था। लेकिन इसी बीच बेचैनी की शिकायत के बाद उन्हें राजीव गांधी जनरल अस्पताल में उन्हें भर्ती कराया गया था। जहां उन्होंने अंतिम सांस ली। राकेश पाल ने पिछले साल 19 जुलाई को भारतीय तटरक्षक बल के महानिदेशक के रूप में कार्यभार संभाला था।

कोलकाता डॉक्टर से रेप व हत्या का मामला: MP में काम पर लौटै डॉक्टर

गवर्नर बोस गृह मंत्री शाह से करेंगे मुलाकात, सौंपेंगे रिपोर्ट!

■ गिरफ्तार आरोपी की हुई मनोवैज्ञानिक जांच

एजेंसी | कोलकाता/नई दिल्ली

आरजी कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में बलात्कार और हत्या की शिकार हुई महिला डॉक्टर के लिए न्याय की मांग को लेकर सरकारी अस्पतालों में आंदोलनरत जूनियर डॉक्टरों ने रविवार को लगातार दसवें दिन भी काम बंद रखा, जिससे पूरे पश्चिम बंगाल में स्वास्थ्य सेवाएं ठप रहीं। वहीं, सीबीआई ने इस मामले में गिरफ्तार आरोपी संजय रॉय का मनोवैज्ञानिक जांच की है। सूत्रों ने बताया कि सीबीआई टीम का एक मनोवैज्ञानिक जांच दल शनिवार को ही कोलकाता पहुंच गया था। दूसरी ओर इस मामले को लेकर जारी सियासी घमासान के बीच पश्चिम बंगाल के राज्यपाल डॉ सीवी आनंद बोस केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह व स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा से मिलने सोमवार को दिल्ली जाएंगे। राजभवन सूत्रों के अनुसार, राज्य की मौजूदा परिस्थिति को लेकर राज्यपाल गृह मंत्री को रिपोर्ट सौंप सकते हैं। गृह मंत्री से मुलाकात के लिए राजभवन ने समय भी मांगा है। सूत्रों के अनुसार, राज्यपाल सोमवार या मंगलवार को गृह व स्वास्थ्य मंत्री से मिल सकते हैं। आरजी कर कांड के खिलाफ जारी चौतरफा विरोध प्रदर्शन के मद्देनजर मौजूदा परिस्थिति में कहा जा रहा है कि राज्यपाल इस बार कोई कड़ा कदम उठा सकते हैं। मध्य प्रदेश में हाई कोर्ट के आदेश के बाद चिकित्सकों के काम पर लौट आने की खबर है।

पद्म अवार्डी 71 डॉक्टरों ने PM को लिखा पत्र

इस बीच, पद्म सम्मान से सम्मानित 71 डॉक्टरों ने रविवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को पत्र लिखकर कोलकाता की घटना के प्रति गहरी चिंता व पीड़ा जाहिर की। उन्होंने मामले में प्रधानमंत्री से हस्तक्षेप कर डॉक्टरों व स्वास्थ्य कर्मियों की सुरक्षा के लिए अलग कानून बनाने व अध्यादेश लाने की मांग की है। पत्र में कहा गया है कि कोलकाता जैसी क्रूरता डॉक्टरों द्वारा की जाने वाली सेवा की नींव को हिला देती है। महिलाओं और स्वास्थ्य कर्मियों के खिलाफ होने वाली हिंसा को तुरंत रोकने की जरूरत है।

पिता का दावा: डायरी में दर्ज हैं अस्पताल के बड़े गिरोह की काली करतूत

मृतका के पिता ने रविवार को कहा कि उनकी बेटी रोजाना डायरी लिखती थी। उन्हें संदेह है कि उनकी बेटी ने अपनी डायरी में अस्पताल के बड़े गिरोह की काली करतूतों के बारे में लिखा है। डायरी फिलहाल सीबीआई के कब्जे में है, जो वारदात स्थल से बरामद हुई थी। डायरी के कुछ पन्ने फाड़े जाने की भी बात सामने आई है। इसके अलावा उन्होंने यह भी दावा किया कि अस्पताल में उनकी बेटी पर बहुत दबाव था। वह काम ठीक से नहीं कर पाती थी।

साइबर ठगी: सिम बॉक्स गिरोह का भंडाफोड़

अंतरराष्ट्रीय कॉल को पाकिस्तान व चीन करते थे डायवर्ट

एजेंसी | भुवनेश्वर

ओडिशा पुलिस ने सिम बॉक्स गिरोह का भंडाफोड़ किया है। यह गिरोह अंतरराष्ट्रीय कॉल को पाकिस्तान, चीन और पश्चिम एशिया की तरफ डायवर्ट करता था। इसके बाद लोगों को साइबर अपराध का शिकार बनाया जाता था। गिरोह का संचालन एक बांग्लादेशी युवक कर रहा था। पुलिस ने गिरोह से जुड़े एक युवक को पकड़ा है।

मामले में पुलिस ने भुवनेश्वर से पश्चिम बंगाल के राजू मंडल को गिरफ्तार किया है। उसके पास से एक हजार से अधिक सिम कार्ड, राउटर और अन्य उपकरण जब्त किए गए हैं। रविवार को स्थानीय अदालत ने उसे पांच दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया। पुलिस अधिकारी ने बताया कि सिम बॉक्स का इस्तेमाल मूल फोन नंबर को छिपाने के लिए किया जाता है। इसके जरिए साइबर अपराध, आतंकवादी कृत्यों, जबरन

वसूली व अन्य अवैध गतिविधियों को अंजाम दिया जाता है।

भुवनेश्वर कटक कमिश्नरेट के पुलिस आयुक्त संजीव पांडा ने कहा कि गिरफ्तार युवक राजू मंडल भुवनेश्वर में किराए के मकान में रहकर बांग्लादेशी नागरिक असद उर जमान के इशारे पर गिरोह का संचालन करता था। उसका काम यूपीएस, इंटरनेट और अन्य सेवाओं का संचालन सुनिश्चित करना था। पुलिस को पूछताछ में मंडल ने बताया कि वह सिम बॉक्स से जुड़ी किसी भी समस्या को दूर करने, मरम्मत एवं रखरखाव संबंधी कार्यों के लिए अक्सर भुवनेश्वर आता था।

14% बड़ा व 30% अधिक चमकीला नजर आता है चंद्रमा

भारत में आज दिखेगा ब्ल्यू सुपरमून

एजेंसी | नई दिल्ली

भारत में सोमवार को ब्ल्यू सुपरमून दिखेगा। यह वर्ष 2024 का पहला सुपरमून होगा। भारत में यह 19 अगस्त की रात और 20 अगस्त की सुबह तक दिखेगा। 'सुपरमून' शब्द खगोलशास्त्री रिचर्ड नोले ने 1979 में किया था। सामान्य चंद्रमा की तुलना में सुपरमून लगभग 30 प्रतिशत से अधिक चमकीला होता है और 14 प्रतिशत बड़ा दिखाई देता है।

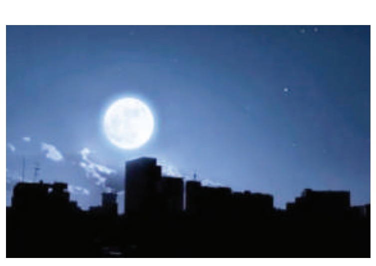

पृथ्वी के सबसे करीब होगा

धरती का चक्कर लगाते समय चंद्रमा की धरती से दूरी 357,000 से 407,000 किलोमीटर तक होती है। पूर्णिमा को चंद्रमा और सूर्य पृथ्वी से लगभग विपरीत दिशा में होते हैं। सुपरमून एक ऐसा पूर्णिमा होता है, जब चंद्रमा पृथ्वी के सबसे करीब होता है। यह सुपरमून ब्ल्यू मून भी है।

कब और कैसे देख सकेंगे आप

सुपरमून ब्लू मून या 'स्टर्जन मून' 19 अगस्त को दोपहर 2:26 बजे EDT पर उदय होगा। (EDT पूर्वी डेलाइट टाइम (उत्तरी अमेरिका) का संक्षिप्त नाम है। यह अमेरिका के कई राज्यों के लिए भी मान्य है।) भारत में ये 19 अगस्त की रात से 20 अगस्त की सुबह तक देखा जाएगा। दूरबीन या टेलिस्कोप का उपयोग कर सुपरमून को और बेहतर ढंग से देखा जा सकता है।

कैंप में खाना खाते ही 200 प्रशिक्षु पुलिस जवान बीमार

नई दिल्ली। पूर्णिया (बिहार)। सुपौल जिले के भीमनगर स्थित बिहार विशेष सशस्त्र पुलिस की 12वीं एवं 15वीं बटालियन में ट्रेनिंग के लिए आए 200 से अधिक जवान फूड प्वाइजनिंग के शिकार हो गए हैं। जिसके बाद सभी प्रशिक्षु जवानों को वीरपुर के अनुमंडलीय अस्पताल में उपचार के लिए भर्ती कराया गया है। रविवार की रात 10:00 बजे तक बीमार प्रशिक्षुओं की तादाद लगातार बढ़ती ही जा रही थी। वही अनुमंडलीय अस्पताल में अचानक बड़ी संख्या में मरीजों के पहुंचने से डॉक्टर सहित स्वास्थ्य कर्मियों में भी अफरातफरी का माहौल है।

पृथ्वी विज्ञान ओलंपियाड में भारतीय छात्रों ने लहराया परचम

3 स्वर्ण व 2 रजत समेत 8 पदक जीते

■ विजेताओं में राजस्थान समेत चार राज्यों के छात्र शामिल

एजेंसी | नई दिल्ली

चीन की राजधानी बीजिंग में 9 दिनों तक आयोजित हुए अंतरराष्ट्रीय पृथ्वी विज्ञान ओलंपियाड में भारतीय छात्रों ने अपना परचम लहराया। इस ओलंपियाड में चार अलग-अलग राज्यों से छात्रों ने शिरकत की। जिसमें भारतीय छात्रों को आठ पदक मिले हैं। छात्रों की उपलब्धि पर पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के मंत्री जितेंद्र सिंह ने भारतीय टीम को बधाई दी। 9 अगस्त से 16 अगस्त तक चीन में आयोजित हुए पृथ्वी विज्ञान ओलंपियाड में दुनिया भर के कई देशों ने हिस्सा लिया। इस दौरान पृथ्वी विज्ञान से संबंधित वैज्ञानिक सोच और शोध समेत सिद्धांत और व्यावहारिकता जैसे कई अहम मुद्दों पर दुनिया भर के छात्र आमने-सामने होते हैं। भारत का प्रतिनिधित्व करते हुए गुजरात, केरल, छत्तीसगढ़ और राजस्थान के चार छात्रों ने इसमें शिरकत की थी। भारतीय दल ने सिद्धांत और व्यावहारिकता, अर्थ साइंस प्रोजेक्ट जैसी श्रेणियां में तीन स्वर्ण और तीन कांस्य पदक हासिल किए। जबकि दो अन्य में रजत पदक भी इन्हीं प्रतियोगी श्रेणी में मिला।

International EarthScience Olympiad

पृथ्वी विज्ञान राज्य मंत्री जितेंद्र सिंह ने कहा कि देश के छात्रों ने चीन में जो उपलब्धि हासिल की है वह अभूतपूर्व है। वह छात्रों में इसी तरीके की वैज्ञानिक सोच और उपलब्धियां को आगे लेकर आगे जाना चाहते हैं। इसके लिए पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के रीच आउट प्रोग्राम के तहत देश के छात्रों को इस तरीके का मौका मिल रहा है।

छोटे प्रक्षेपण यान से बड़े कमाल की तैयारी

अब सैटेलाइट कारोबार में इतिहास रचेगा इसरो!

एजेंसी | नई दिल्ली

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने अपना नया रॉकेट एसएसएलवी(SSLV) लॉन्च किया है। यह रॉकेट छोटे सैटेलाइट्स को अंतरिक्ष में भेजने के लिए बनाया गया है और व्यापार के लिहाज से बहुत महत्वपूर्ण है। 'एसएसएलवी' की प्रतिस्पर्धा स्काईरूट के 'विक्रम' और अग्निकुल कॉसमॉस के 'अग्निबाण' रॉकेट से होगी। भारत में सैटेलाइट लॉन्च का बाजार तेजी से बढ़ रहा है। 2022 में यह बाजार 72 करोड़ डॉलर का था और 2033 तक इसके 3.5 अरब डॉलर तक पहुंचने की उम्मीद है।

छोटे उपग्रह कई कामों के लिए उपयोगी हैं जैसे इंटरनेट और पृथ्वी अवलोकन।

भारतीय अंतरिक्ष संघ के महानिदेशक लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) ए. के. भट्ट ने बताया, बड़े प्रक्षेपण यान मौजूद हैं, लेकिन बड़ी संख्या में उपग्रहों के प्रक्षेपण के कारण कंपनियां इंतजार नहीं करना चाहती हैं, वे जितनी जल्दी हो सके उपग्रह प्रक्षेपित करना चाहती हैं और छोटे यान उनके लिए विशेष तौर पर तैयार किए गए हैं। 'पिक्सल' इस साल के अंत में अपने 'हाइपर-स्पेक्ट्रल' उपग्रहों को कक्षा में स्थापित करने के लिए इसरो के प्रक्षेपण वाहनों का उपयोग करने पर भी विचार कर रहा है। पिक्सल के सीईओ अवैस अहमद ने जुलाई में बताया, 'फिलहाल हम जो छह उपग्रह बना रहे हैं, उनमें से तीन को स्पेसएक्स और तीन को इसरो प्रक्षेपित करेगा।'

छोटे उपग्रहों का समूह बनाने पर की चर्चा

भट्ट ने कहा कि भारतीय राष्ट्रीय अंतरिक्ष संवर्धन एवं प्राधिकरण केंद्र (आईएन-स्पेस) भी विभिन्न सरकारी मंत्रालयों के साथ उनकी आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए छोटे उपग्रहों का एक समूह बनाने के लिए चर्चा कर रहा है। उन्होंने कहा, ये उपग्रह भारतीय कंपनियां बनाएंगी और इससे घरेलू प्रक्षेपण वाहनों के लिए बाजार खड़ा करने में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि हैदराबाद स्थित स्काईरूट एयरोस्पेस ने स्टेज-2 इंजन का परीक्षण किया है, जो विक्रम-1 रॉकेट को ऊर्जा देगा, जिसे इस साल के अंत में प्रक्षेपित करने की योजना है। कलाम-250 नामक स्टेज-2 इंजन प्रक्षेपण वाहन को अंतरिक्ष के वायुमंडल से बाहरी अंतरिक्ष के गहरे 'वैक्यूम' में ले जाएगा। आईआईटी-मद्रास द्वारा विकसित अग्निकुल कॉसमॉस भी अगले वर्ष अपना कक्षीय रॉकेट 'अग्निबाण' प्रक्षेपित कर सकता है।

एआईएमपीएलबी की घोषणा

शरिया कानून से समझौता नहीं करेंगे मुसलमान

एजेंसी | नई दिल्ली

ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्डने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'सेक्युलर सिविल कोड' (धर्मनिरपेक्ष नागरिक संहिता) पर दिए गए बयान पर कड़ी आपत्ति जताई है। बोर्ड का कहना है कि मुसलमान शरिया कानून से समझौता नहीं करेंगे, इसलिए समान या सेक्युलर नागरिक संहिता स्वीकार नहीं होगी। एआईएमपीएलबी के प्रवक्ता एस. क्यू. आर. इलियास ने 'धर्मनिरपेक्ष नागरिक संहिता' लाने संबंधी प्रधानमंत्री की टिप्पणी को लेकर हैरानी जताई। उन्होंने इसे एक सोची-समझी साजिश बताया जिसके गंभीर परिणाम होंगे। उन्होंने एक बयान में कहा कि भारत के मुसलमानों ने कई बार यह स्पष्ट किया है कि उनके पारिवारिक कानून शरिया कानून पर आधारित हैं, जिससे कोई भी मुसलमान किसी भी कीमत पर विचलित नहीं हो सकता। इलियास ने कहा कि देश के निर्वाचित प्रतिनिधियों को ऐसी निरंकुश शक्तियों का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए। उन्होंने कहा, धर्म आधारित पारिवारिक कानूनों को सांप्रदायिक बताकर प्रधानमंत्री ने न केवल पश्चिम की नकल की है, बल्कि देश के बहुसंख्यक लोगों का भी अपमान किया है जो धर्म का पालन करते हैं। यह धार्मिक समूहों के लिए अच्छा संकेत नहीं है।

पांच दिवसीय अर्हम स्वात्म साधना शिविर के समापन पर निकाली शोभा यात्रा

अपने शरीर से ममत्व को छोड़ स्वयं में आत्मलीन हो जाना अत्यंत जरूरी

बेधड़क.जयपुर। मीरा मार्ग के आदिनाथ भवन पर चातुर्मास रत मुनि प्रणम्य सागर ससंघ ने कहा कि सभी धर्म हमें पर से हटकर स्व पर जाने का उपदेश देते हैं। शिविर में अहमं से अर्हम तक की यात्रा पर से हटकर स्वयं में आने का जीता जागता उदाहरण है। जो जीना अच्छे से सीख सकता है, वह मरण भी अच्छे से पा सकता है। यह सब अध्यात्म की देन है। शरीर से ममत्व को छोड़कर अपनी दृष्टि में स्वंय में आत्मलीन होना जरूरी है। मुनि 5 दिवसीय अर्हं स्वात्म साधना शिविर के समापन पर प्रवचन कर रहे थे। मुनि ने कहा कि अपनी इच्छाओं के त्याग का नाम ही दीक्षा है। दीक्षा लेने के बाद ही सही शिक्षा ग्रहण की जाती है। जो इस शिविर में शामिल हुए हैं उन्हें जिन मुद्रा में आत्मलीन होना आ गया है। अब उन्हें सम्हालने की आवश्यकता नहीं है। उन्हें बुद्धि और मन की लड़ाई का ज्ञान हो गया है। बाहरी दुनिया से दूरी रखने के लिए संयम आवश्यक है। प्रवचन से पहले आचार्य विद्यासागर महामुनिराज की संगीतमय पूजा की गई।

पाद पक्षालन कर शास्त्र भेंट किया

अर्हं स्वात्म साधना शिविर के समापन से पूर्व शिविरार्थियों को सुबह राजावत फार्म स्थित शिविर स्थल से गाजे-बाजों के साथ आदिनाथ भवन लाया गया। आचार्य विद्यासागर की पूजा के बाद आचार्य समय सागर व मुनि प्रणम्य सागर महाराज को अर्घ्य चढ़ाया गया। इसके बाद डी सी जैन व परिवारजनों ने आचार्य विद्यासागर व आचार्य समय सागर के चित्र का जयकारों के बीच अनावरण किया। कमल किशोर, पंकज कुमार, अजित कुमार छाबड़ा परिवार ने मुनि प्रणम्य सागर का पाद पक्षालन कर शास्त्र भेंट किया।

जिनवाणी भेंट कर किया सम्मान

शिविरार्थियों का समिति की ओर से नन्द किशोर पहाड़िया, प्रमोद पहाड़िया, प्रदीप जैन, विनोद जैन, सुशील पहाड़िया, राजेन्द्र सेठी, सुनील बैनाडा, तेज करण चौधरी, लोकेन्द्र जैन, जम्बू सोगानी, अशोक सेठी, राजेश काला आदि ने प्रमाण पत्र व जिनवाणी भेंट कर सम्मान किया। इस मौके पर पूरे देश से आए शिविरार्थियों ने अनुभव सुनाएं। मंच संचालन समिति संयुक्त मंत्री सीए मनोज जैन, अर्हम टीम के नयन भैय्या, सौम्या जैन ने किया।

रक्षाबंधन वात्सल्य पर्व आज

समिति के वरिष्ठ उपाध्यक्ष सुनील बैनाडा व उपाध्यक्ष तेज करण चौधरी ने बताया कि सोमवार सुबह 8:15 बजे रक्षाबंधन वात्सल्य पर्व मनाया जाएगा। इस मौके पर रक्षाबंधन कथा का संगीतमय वाचन और मुनि श्रीप्रणम्य सागर महाराज के प्रवचन होंगे।

'मीरा' की अधूरी पदयात्रा पूरी

बेधड़क. जयपुर। ओम संकल्प सेवा संस्थान के द्वारा कलयुग की मीरा कही जाने वाली स्व. आरती टांक की बाबा श्याम की अधूरी पदयात्रा को पूर्ण करवाया गया। साथ ही वृक्षारोपण किया गया। यात्रा परसरामपुरिया धर्मशाला से खाटू धाम तक निकाली गई। यात्रा में हर साल वृक्ष लगाने का संकल्प पर्यावरण वन जलवायु परिवर्तन संवर्धन परिषद के चेयरमैन राहुल द्विवेदी द्वारा दिलवाया। यात्रा में ओम संकल्प सेवा संस्थान के जितेंद्र चौधरी, रेनू चौधरी, अक्षय टेलर, भूमिका सिंह, हरियाणा से विनोद शर्मा, रजत दहिया समेत आरती टांक के सभी परिवार जन मौजूद रहे।

आज मनाएंगे रक्षा संकल्प दिवस

बेधड़क. जयपुर। जैन धर्मावलंबी सोमवार को रक्षाबंधन के पर्व को साधु-संतों की रक्षा के संकल्प दिवस के रूप में मनाएंगे। इस मौके पर जैन धर्म के 11वें तीर्थंकर भगवान श्रेयांसनाथ का मोक्ष कल्याणक दिवस मनाया जाएगा। साथ ही दिगम्बर जैन धर्म के प्रसिद्ध संत श्रीविष्णु कुमार द्वारा हस्तिनापुर में 700 जैन मुनियों के उपसर्ग को दूर कर मुनियों की रक्षा की थी, इसलिए महामुनि विष्णु कुमार की पूजा की जाएगी।

टैक्स ऑडिट के मुद्दों पर चर्चा

बेधड़क. जयपुर। विशेषज्ञों ने टैक्स ऑडिट पर सेमिनार का आयोजन किया। सेंट्रल काउंसिल सदस्य सीए प्रकाश शर्मा ने कई जानकारियां दीं और सेमिनार के उदेश्यों पर प्रकाश डाला। इसका उद्देश्य टैक्स ऑडिट से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों पर विचार-विमर्श करना रहा। कार्यक्रम के प्रमुख वक्ता सीए प्रमोद जैन ने भी संबोधित किया। जयपुर शाखा चेयरमैन सीए नवीन शर्मा और सचिव सीए विजय कुमार अग्रवाल ने सेमिनार के बारे में बताया कि सीए प्रमोद जैन ने टैक्स ऑडिट से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण पहलुओं पर चर्चा की और उपस्थित सदस्यों को गहन ज्ञान और मार्गदर्शन दिया। सेमिनार में रीजनल काउंसिल सदस्य सीए अनिल कुमार यादव की उपस्थिति रही।

City इवेंट्स

शांतिधारा कर चढ़ाया छत्र

बेधड़क. जयपुर। जनकपुरी से गए 15 सदस्यीय यात्रा दल ने गोलाकोट अतिशय क्षेत्र में अभिषेक शांतिधारा व छत्र चढ़ाकर पुण्यार्जन किया। दल ज्ञान तीर्थ मोरेना, सोनागिरी होते हुए गोलाकोट पहुंचा जहां बड़े बाबा आदिनाथ के दर्शन किए। इसके बाद दल के शिखर चंद जैन, सौभाग अजमेरा तथा पहुप बिलाला, आदिश बिलाला ने विश्व शांति के लिए बीजाक्षर युक्त शांतिधारा की। क्षेत्र के प्रबंधक ने दल की किरण जैन, रुचिका जैन, दीपा पाटनी, अलका सेठी व आदिवा का अभिनंदन किया। 27 मंदिरों के दर्शन कर धर्म व दर्श लाभ लेते हुए जयपुर आए। इस मौके पर छत्र चढ़ाया गया।

मूल गणेश साधना शिविर 24 को

बेधड़क. जयपुर। वैदिक साधना फाउंडेशन की ओर से दो दिवसीय मूल गणेश साधना शिविर 24-25 अगस्त को मानसरोवर में परशुराम कम्युनिटी हॉल में होगा। मूल गणेश साधना निशुल्क है। शिविर में पवित्रीकरण, आचमन, दीप प्राकट्य, महा गणपति पूजन, संकल्प (विश्व कल्याण), स्वस्तिवाचन, गुरु पूजा, पृथ्वी पूजा, न्यास, मुद्रा, साधना व ओम स्वामी के स्वर में मूल गणेश मंत्र जाप, सर्व देव प्रार्थना, भौतिक यज्ञ, मूल गणेश मंत्र व गणेश गायत्री मंत्र की आहुतियां दी जाएंगी।

चैतन्य भारत दौड़ का पोस्टर विमोचन

बेधड़क. जयपुर। उप-मुख्यमंत्री प्रेम चन्द बैरवा ने क्रीड़ा भारती जयपुर द्वारा 29 अगस्त को राष्ट्रीय खेल दिवस पर मानसरोवर स्थित प्रियंका हॉस्पिटल में होने वाली चैतन्य भारत दौड़ के पोस्टर का विमोचन किया। क्रीड़ा भारती राजस्थान क्षेत्र के संयोजक मेघसिंह चौहान, प्रांत मंत्री कैलाश शर्मा, प्रांत योग व सूर्य नमस्कार प्रमुख सत्यपाल सिंह, जयपुर महानगर मंत्री प्रतिभा सिंह, प्रांत कार्यकारिणी सदस्य कल्याण सिंह उपस्थित रहे।

'महामुकाबला' में शामिल हुई दोनों की रचना

जयपुर के हर्षवर्धन-अविरल के गीतों को बॉलीवुड ने भी सराहा

बेधड़क | जयपुर

जयपुर की सांगीतिक जोड़ी हषवर्धन राजपुरोहित और अविरल सिंह की संगीत रचना को संगीत रचनाओं का महामुकाबला में न केवल स्थान मिला है बल्कि बॉलीवुड के दिग्गज संगीत के जानकारों ने सराहा भी है।

महामुकाबला मुंबई ग्रान्ड हयात में 'ऑल अबाउट म्यूजिक समारोह' की ओर से आयोजित किया गया। मुकाबले में देश से लगभग 300 रचनाएं आई, जिनमें से चयनित 8 रचनाओं में जयपुर की सांगीतिक जोड़ी हषवर्धन राजपुरोहित और अविरल सिंह की संगीत रचना 'बेपनाह है ..' को भी शामिल कर फाइनल जूरी के सामने प्रस्तुत किया गया। जूरी में मधुर भण्डारकर, मोहित सूरी, अद्वैत चंदन व अनु मलिक जैसी हस्तियां शामिल थीं। सभी ने हर्ष-अविरल के गीत बेपनाह है... को सराहा।

'बेपनाह है या गुनाह है' गीत के बोल, म्यूजिक और आवाज ने जूरी को प्रभावित किया, उन्होंने माना कि इन दोनों युवा कलाकारों में संगीत को लेकर जुनून है। रीमिक्स के इस दौर में दोनों कलाकारों ने खूबसूरत गीत की रचना की। वहीं, अनु मलिक ने दोनों को आशीर्वाद देते हुए कहा कि तुम दोनों ने मुझे भरोसा दिला दिया है कि संगीत सुरक्षित हाथों में है। गीत को अविरल सिंह ने लिखा है, संगीत हर्ष और अविरल ने मिलकर तैयार किया जबकि इसे अविरल सिंह ने गया है।

गायक-गायिकाओं ने 30 गीतों से सजाई शाम

गा मेरे मन... में सजा बॉलीवुड के सुरीले गीतों का सुनहरा संसार

बेधड़क | जयपुर

संगीत ग्रुप अरुणाज गीत गाता चल की ओर से जवाहर कला केंद्र में गा मेरे मन गा सीजन 3 में प्रस्तुत बॉलीवुड के रिमझिम सावन गीतों का श्रोताओं ने लुल्फ उठाया। इस दौरान लगभग 30 गीतों को गायक-गायिकाओं ने दिलकश आवाज में पेश किया। प्रारंभ में मुख्य अतिथि डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन राजस्थान आयुर्वेद विश्वविद्यालय के डीन डॉ. एकलव्य बोहरा, सरिता द्विवेदी, डॉ. कान्ता धवन, नृत्य गुरु हरिदत्त कल्ला और केके ठाकोर ने कार्यक्रम की शुरुआत की और अतिथियों का सम्मान किया गया।

डॉ. एकलव्य ने बताया कि संगीत पर किए शोध से पता चलता है कि बीमार के जल्दी ठीक होने व पौधों की तीव्र वृद्धि में संगीत सकारात्मक भूमिका निभाता है। लंदन से आई आरोही जैन ने सरस्वती वंदना पर नृत्य प्रस्तुत किया। प्रोग्राम में अंजन कुमार, अरुणा जैन, अजय कल्ला, प्रेम भारती, वीनू मित्तल, रेणु जैन, संध्या सक्सेना, पुष्पेंद्र माथुर, पुखराज गांधी, शैलैश जौहरी, मनीषी जोहरी, शेखर श्रीवास्तव, इंदुमती जैन, स्वप्ना जैन, पुष्पा श्रीवास्तव, देवेंद्र सिन्हा, अरविंद गोयल, ज्योति, मीनू विजय सहगल, ऋतु माथुर, रजनी कोठरी, पुष्पेंद्र माथुर, अटल शर्मा, शेखर श्रीवास्तव, पीसी जैन, अभिषेक व अभिनंदन जैन ने प्रस्तुति दी।

Upcoming Event राजस्थान डोमेस्टिक ट्रैवल मार्ट में दुनिया भर से आएंगे विशेषज्ञ

जीएसटी, वीजा और ऐतिहासिक स्मारकों के प्रबंधन पर चर्चा

बेधड़क | जयपुर

टूरिज्म सेक्टर स्टेकहोल्डर्स के प्रतिनिधिमंडल ने फैडरेशन ऑफ हॉस्पिटैलिटी एंड टूरिज्म ऑफ राजस्थान (एफएचटीआर) के अध्यक्ष कुलदीप सिंह चंदेला के साथ डिप्टी सीएम दिया कुमारी और केंद्रीय पर्यटन, कला और संस्कृति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत को चौथे राजस्थान डोमेस्टिक ट्रैवल मार्ट (आरडीटीएम) के उद्घाटन समारोह के लिए आमंत्रित किया। इस दौरान एफएचटीआर सीनियर वाइस प्रेसिडेंट सुरेंद्र सिंह शाहपुरा, जनरल सेक्रेटरी सीए वीरेंद्र सिंह, राटो सेक्रेटरी मोहन सिंह

मेड़तिया, एचआरएआर अध्यक्ष तरुण बंसल, एचआरएआर सचिव रणविजय सिंह मौजूद रहे। प्रतिनिधिमंडल ने जीएसटी, यूरोपीय पर्यटकों के लिए वीजा-ऑन-अराइवल, यूरोप से जयपुर के लिए सीधी उड़ानों और ऐतिहासिक स्मारकों के प्रबंधन पर चर्चा की।

वेडिंग डेस्टिनेशन बनाना मकसद

आरडीटीएम-2024 का उद्देश्य राजस्थान को वेडिंग डेस्टिनेशन के रूप में स्थापित करना और पर्यटन को बढ़ावा देना है। कार्यक्रम की जानकारी एफएचटीआर की वेबसाइट https://fhtr.in/rdtm-2024/ पर है। आरडीटीएम से पर्यटन हितधारकों को विरासत, रोमांच, वन्यजीव, तीर्थ यात्रा, शादी, इको-पर्यटन और गांव पर्यटन जैसे विभिन्न क्षेत्रों में प्रदर्शन कर सकेंगे।

वेडिंग, इन्सेंटिव, कांफ्रेंस और इवेंट रहेगी थीम

गौरतलब है आरडीटीएम 13 से 15 सितंबर तक बिड़ला ऑडिटोरियम में होगा। कार्यक्रम की थीम वेडिंग, इन्सेंटिव, कांफ्रेंस और इवेंट (डबल्यूआईसी) टूरिज्म पर केंद्रित होगी। इसमें 200 से अधिक स्टॉल और 600 से ज्यादा प्रॉपर्टीज का प्रदर्शन किया जाएगा। आरडीटीएम को राजस्थान होटल और रेस्तरां संघ (एचआरएआर), भारतीय विरासत होटल संघ (आईएचएचए), राजस्थान टूर ऑपरेटर संघ (आरएटीओ), जोधाना होटल और रेस्तरां संघ (जेएआरए) और भारतीय घरेलू टूर ऑपरेटर संघ (एडीटीओआई) के सहयोग से आयोजित किया जाएगा।

सीजफायर पर नेतन्याहू से बात करने पहुंचे अमेरिकी विदेश मंत्री

गाजा में इजराइली हमले में 19 की मौत

एजेंसी | यरूशलम

गाजा में बीती रात इजराइल के हमलों में एक महिला और उसके छह बच्चों समेत 19 लोगों की मौत हो गई। वहीं, अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन महीनों से जारी जटिल वार्ताओं के बाद एक संघर्ष विराम समझौता कराने के उद्देश्य से रविवार को पश्चिम एशिया के लिए रवाना हो गए।

दोहा में दो दिन की वार्ता के बाद अमेरिका और उसके सहयोगी मध्यस्थ देश मिस्र और कतर समझौता कराने के करीब पहुंचते दिख रहे हैं। अमेरिकी और इजराइली अधिकारियों ने समझौते को लेकर सावधानीपूर्वक आशा व्यक्त की है, लेकिन हमास ने लड़ाई जारी रखने के संकेत दिए हैं। अल अक्सा अस्पताल के अनुसार इजराइल ने नए सिरे से बमबारी करते हुए रविवार तड़के दीर अल-बलाह में एक मकान पर हमला किया, जिसमें एक महिला और उसके छह बच्चों की मौत हो गई। एक मीडियाकर्मी ने अस्पताल में शवों की गिनती की है।

जबलिया के दो अपार्टमेंट पर हमला

गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार उत्तरी शहर जबालिया में एक रिहायशी इमारत के दो अपार्टमेंट पर हमला हुआ, जिसमें दो पुरुषों, एक महिला और उसकी बेटी की मौत हो गई। अवदा अस्पताल के अनुसार मध्य गाजा में हुए एक और हमले में चार लोगों की मौत हो गई। नासिर अस्पताल के मुताबिक शनिवार देर रात दक्षिणी शहर खान यूनिस के निकट हुए एक हमले में दो महिलाओं समेत एक परिवार के चार लोगों की मौत हो गई। युद्ध रोकने के लिए महीनों से जारी प्रयासों को पिछले महीने दो शीर्ष चरमपंथियों की निशाना बनाकर हत्या किए जाने के बाद अधिक बल मिला है। दोनों चरमपंथियों की हत्या का इल्जाम इजराइल पर लगा है। दूसरी ओर, ईरान तथा हिज्बुल्ला ने दोनों चरमपंथियों की मौत का बदला लेने का संकल्प लिया है, जिससे मध्यपूर्व में पूर्ण युद्ध की आशंका बढ़ गई है।

काहिरा जाएगा प्रतिनिधिमंडल

इस बीच, इजराइल का एक प्रतिनिधिमंडल वार्ताओं के लिए रविवार को मिस्र की राजधानी काहिरा जाएगा, जबकि सोमवार को ब्लिंकन की इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से मुलाकात करने की संभावना है। हमास ने निकट भविष्य में समझौता होने को लेकर संदेह जताया है। हमास ने कहा है कि नवीनतम प्रस्ताव पिछले प्रस्ताव से काफी अलग है, जिसे उसने सैद्धांतिक रूप से स्वीकार कर लिया था।

इजराइल Vs हिजबुल्लाह

कमांडर कसाब ढेर... गुस्साए हिजबुल्लाह ने बरसाए 55 रॉकेट

इजराइल का अपने दुश्मनों के खिलाफ ताबड़तोड़ हमला जारी है। अब लेबनान के चरमपंथी संगठन हिजबुल्लाह के अल-हज रदवान फोर्स के एक टॉप कमांडर को ढेर कर दिया। हिजबुल्ला ने कसाब की मौत की पुष्टि की है। इजराइली सेना ने ड्रोन हमले की फुटेज जारी की है और दावा किया कि इसमें हुसैन इब्राहिम कसाब को मार गिराया गया था। रिपोर्ट के मुताबिक कसाब उस वक्त मोटरसाइकिल से जा रहा था। वह लेबनान के टायर शहर से गुजर रहा था, तभी इजराइल ने ड्रोन अटैक में उसे मार गिराया. इजरायली सेना का कहना है कि 7 अक्टूबर से अब तक हिजबुल्ला के 412 आतंकी मारे जा चुके हैं। कसाब भी उन्हीं मे से एक है।

इजराइल पर था पलटवार

इस बीच हिजबुल्लाह ने शनिवार को उत्तरी इजराइल पर 55 रॉकेट दागे। यह हमला इजराइली हवाई हमले के जवाब में किया गया। इजराइली हमले में दक्षिणी लेबनान के नबाटिया शहर के पास 10 लोगों की मौत हो गई थी। इजराइली सेना का कहना है कि हिजबुल्ला के कुछ रॉकेट खुले इलाकों में गिरे, जबकि अन्य ने कई जगहों पर आग लगा दी। उधर, इजरायली सेना ने बताया है कि उसने सेंट्रल गाजा में 40 ठिकानों पर बमबारी की है। ये कार्रवाई हमास के उस दावे के बाद की गई कि उसके लोगों ने दक्षिण गाजा में कुछ इजराइली सैनिकों को मार डाला है और घायल कर दिया है। इजराइली सैन्य प्रवक्ता अविचाय एड्रे ने शनिवार को एक प्रेस बयान में कहा कि इजरायली विमानों ने पिछले कुछ घंटों में गाजा पट्टी में 40 "आतंकवादी ठिकानों" पर हमला किया, जिसमें सैन्य भवन, हथियार डिपो और अन्य शामिल हैं। एक अलग बयान में इजराइली सेना ने सेंट्रल गाजा में माघाजी शरणार्थी शिविर में रह रहे लोगों से तुरंत हटने को कहा। यहां से इजराइल की ओर राकेट दागे गए थे. उन्होंने कहा कि इन क्षेत्रों से हमास द्वारा लगातार रॉकेट दागे जाने के कारण हटने के लिए कहा गया, नहीं तो सेना बलपूर्वक हटाएगी।

यूक्रेन ने अब साउथ रूस में ड्रोन गिराए, वेस्ट में भूकंप

पुतिन पर डबल संकट

एजेंसी | मॉस्को/कीव

यूक्रेन के साथ लड़ाई में उलझे रूसी राष्ट्रपति पुतिन पर अब संकट गहरा गया है। यूक्रेनी सेना ने पहले रूस के पश्चिमी शहर कुर्स्क में तबाही मचाई। अब उसने दक्षिणी हिस्से में तबाही मचा दी है। रविवार सुबह यूक्रेन ने रूस के दक्षिणी रोस्तोव क्षेत्र को निशाना बनाया। यूक्रेन ने यहां तेल भंडारण पर हेलीकॉप्टर साइज के ड्रोन गिराए।

इससे यहां आग लग गई। सोशल मीडिया पर जारी वीडियो में आग लगने से घना काला घुआं और आग की लपटें निकलते देखी जा सकती हैं। गवर्नर ने बताया कि आग प्रोलेटार्स्क शहर में की गई थी। यही नहीं रूस के पश्चिमी हिस्से में भूकंप के तेज झटके भी महसूस हुए। करीब ढाई साल से रूस और यूक्रेन के बीच चल रही जंग में अगस्त महीने से रोचक मोड़ तब पैदा हो गया, जब यूक्रेन ने बचाव के बजाय आक्रमण नीति अपना दी है।

रोस्तोव के गवर्नन ने जारी किया बयान

रोस्तोव शहर के गवर्नर वासिली गोलुबेव ने रविवार सुबह टेलीग्राम पर जारी बयान में कहा, "रोस्तोव क्षेत्र के दक्षिण-पूर्व में, हवाई सुरक्षा ने एक ड्रोन हमले को विफल कर दिया। हालांकि, प्रोलेटार्स्क में औद्योगिक भंडारण सुविधाओं के क्षेत्र में मलबा गिरने के कारण डीजल ईंधन में आग लग गई।" बाद के कहा कि कोई भी घायल नहीं हुआ और कुछ ही देर बाद आग बुझाने के प्रयास फिर से शुरू हो गए। रोस्तोव क्षेत्र में "कावकाज" तेल और पेट्रोलियम भंडारण सुविधा पर हमला किया था।

रूस के पश्चिमी में भूकंप के झटके

रूस के सुदूर पूर्व में कामचटका प्रायद्वीप के तट पर शनिवार को भूकंप के तेज झटके महसूस किये गये। रूसी विज्ञान अकादमी ने कहा, "भूकंप की तीव्रता रिक्टर पैमाने पर 7.0 मापी गई। भूकंप का केंद्र पेट्रोपावलोव्स्क-कामचात्स्की शहर से 108 किलोमीटर [67 मील दूर सतह से छह किमी गहराई में था।" रूसी आपातकालीन स्थिति मंत्रालय ने बताया कि भूकंप पेट्रोपावलोव्स्क-कामचात्स्की जिले में महसूस किया गया।

भीषण सड़क हादसा

भारतीय परिवार समेत गई 5 की जान

■ अब अकेले किशारे बेटे के लिए मांगी मदद

एजेंसी | वाशिंगटन

टेक्सास यूनिवर्सिटी में बड़े बेटे का दाखिला हो गया था। परिवार में खुशियां मनाई जा रही थीं। विश्वविद्यालय में प्रवेश करने का पहला दिन भी आ गया था। माता-पिता बेटे को कार से कॉलेज छोड़ने के लिए निकले, लेकिन पहुंचे नहीं। एक दर्दनाक और भीषण सड़क हादसे में 17 वर्षीय बेटे समेत भारतीय-अमेरिकी परिवार हमेशा के लिए दुनिया छोड़ गया। जिस वाहन से टक्कर हुई, उसमें सवार दो लोग भी नहीं बच सके। अब भारतीय-अमेरिकी परिवार में बचे घर के एकमात्र चिराग 14 वर्षीय लड़के के लिए मदद की गुहार लगाई गई है।

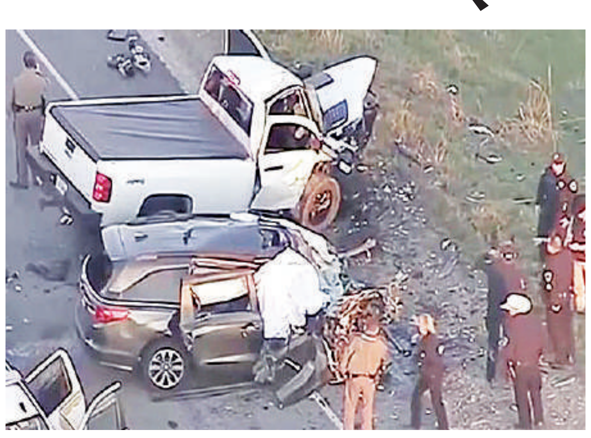

मदद के लिए गोफंडमी पेज क्रिएट

राजारामन नामक व्यक्ति ने 14 वर्षीय आदिर्यन अरविंद की मदद के लिए गोफंडमी पेज क्रिएट किया है। पेज पर दी गई जानकारी के अनुसार शख्स ने बताया, 'मेरा नाम राजारामन है। 45 वर्षीय अरविंद और 42 वर्षीय प्रदीपा बहुत अच्छे दंपती थे। वे 17 वर्षीय एंड्रिल और 14 वर्षीय आदिर्यन के माता-पिता थे। 14 अगस्त, 2024 को वे विश्वविद्यालय में एंड्रिल के मूव-इन डे (प्रवेश दिवस) की तैयारी कर रहे थे। दुखद रूप से यूटीडी परिसर में जाते समय परिवार का वाहन एक भयानक दुर्घटना का शिकार हो गया।

आदिर्यन के लिए मदद की गुहार

अरविंद, प्रदीपा और एंड्रिल ने जान गंवा दी। इसी दिन आदिर्यन अपने माता-पिता के साथ वाहन में नहीं था और अब उसका पूरा परिवार उससे छिन गया है। इतने सारे सपने और आकांक्षाओं वाले इस लड़के को अंतिम संस्कार, कानूनी और शिक्षा के खर्चों सहित निरंतर देखभाल के लिए हमारी मदद की जरूरत है। हम इस चुनौतीपूर्ण समय के दौरान समर्थन के लिए दोस्तों, परिवार और समुदाय से संपर्क कर रहे हैं। कोई भी योगदान, चाहे कितना भी छोटा क्यों न हो, आदिर्यन को एक उज्जवल भविष्य सुरक्षित करने में मदद करने में मददगार साबित होगा।

सृष्टिविनायक एंटरटेनमेंट मीडिया प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक व प्रकाशक मिताली यादव द्वारा सच बेधड़क दैनिक हिन्दी अखबार, 34/16-ए, शिप्रा पथ, मानसरोवर, जयपुर-302020 (राजस्थान) से प्रकाशित एवं भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, शिवदासपुरा, रेलवे क्रॉसिंग टोंक रोड, जयपुर (राजस्थान) से मुद्रित।
संपादक: विनायक शर्मा*, **फोन नं. :** 9664014179 (ऑफिस), **ई-मेल:** news@sachbedhadak.com, **RNI No. :** RAJHIN/2021/82557 *समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार।

दैनिक हिन्दी अख़बार
सच बेधड़क

"सच बेधड़क" दैनिक हिन्दी अख़बार की प्रति PDF के माध्यम से मुफ़्त प्राप्त करने के लिए इस लिंक पर Click कीजिए

Telegram

https://rb.gy/3bkrnl